THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 13 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.12 2083 मंगलवार, 14 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भारत में बनेगा तेजस फाइटर जेट इंजन का रिपेयर सेंटर

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। 'मेक इन इंडिया' पहल को मजबूती देते हुए अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस ने सोमवार को भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के साथ एक नया समझौता किया है। इसके तहत भारत में एफ404-आईएन20 इंजन के लिए रिपेयर और मेंटेनेंस सुविधा (डिपो) स्थापित की जाएगी, जो एचएएल के तेजस फाइटर जेट को शक्ति प्रदान करते हैं। यह नई सुविधा भारत में ही बनाई जाएगी और इसका संचालन भारतीय वायु सेना करेगी, जबकि जीई एयरोस्पेस तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा। इस कदम का उद्देश्य भारत की स्वदेशी रक्षा मेंटेनेंस क्षमता को मजबूत करना और दूसरे देशों पर निर्भरता को कम करना है। जब यह सुविधा चालू हो जाएगी।

'गृहस्थ नहीं, लेकिन जानता सब हूं'

> हमारी योजनाओं से औरतें आर्थिक रूप से ताकतवर बनीं : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को महिला आरक्षण बिल पर कहा, हमारे देश की संसद एक नया इतिहास रचने के करीब है। विधानसभाओं से लेकर संसद तक दशकों की प्रतीक्षा के अंत का समय आ गया है। इसलिए सरकार 16 से 18 अप्रैल तक संसद का स्पेशल सेशन लाई है।

उन्होंने कहा, नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के जीवन का बड़ा अवसर बनने जा रहा है। संसद तक पहुंचने का रास्ता आसान बनने जा रहा है। आज महिलाओं की भूमिका और भी अहम हो गई है। हमारी योजनाओं से औरतें आर्थिक रूप से ताकतवर बनीं। उन्होंने कहा कि मैं गृहस्थ नहीं हूं, लेकिन जानता सब हूं। पीएम मोदी ने कहा, हमारी सरकार

महिलाओं के लिए कई योजनाएं लेकर हाजिर है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृत्व योजना, जन्म के बाद सुकन्या समृद्धि योजना, सही समय पर टीके लगें इसके लिए मिशन इंद्र धनुष शुरू किया।

स्कूल में शौचालय की परेशानी न हो स्वच्छ भारत अभियान, मुफ्त सेनेटरी पैड, खेलों में सालाना 1 लाख की मदद, भविष्य में सेना में जाना चाहे तो सरकार ने सैनिक स्कूल के दरवाजे खोले। जीवन के आगे के पड़ाव में रसोई में धुएं की परेशानी से बचाने उज्जवला योजना, पानी के लिए हर घर नल, 5 लाख तक मुफ्त इलाज देने वाली आयुष्मान योजना। इन सबका सबसे ज्यादा लाभ हमारी बहनों और बेटियों को हो रहा है। 3 करोड़ से ज्यादा महिलाएं अपने घर की मालिक बनी हैं। आम तौर पर पिता और बेटा व्यापार की बात करते हैं न और मां आ जाए तो कहते हैं तुम जाओ। अब जब वो आर्थिक सशक्त हो गई हैं तो बेटा भी कहता है कि मां को बुलाइए न। उन्होंने कहा कि मैं गृहस्थ नहीं हूं, लेकिन जानता सब हूं।

भारत की सभी महिलाओं को एक नए युग के आगमन की बधाई भी देता हूं। लोकतांत्रिक संरचना में महिलाओं को आरक्षण देने की जरूरत दशकों से हर कोई महसूस कर रहा है। महिला आरक्षण बिल पर विमर्श को करीब चालीस साल बीत गए। इसमें सभी पार्टियों के और कितनी ही पीढ़ियों के प्रयास शामिल हैं। हर दल ने इस विचार को अपने अपने ढंग से आगे बढ़ाया है।

भारत पहुंचे ईरानी क्रूड के जहाज

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका-इस्राइल-ईरान युद्ध के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। वैश्विक ऊर्जा बाजार में जारी है और इसी दौरान लगभग सात साल के लंबे अंतराल के बाद ईरानी कच्चे तेल की खेप भारत पहुंची है। अमेरिका की ओर से दी गई प्रतिबंधों में अस्थायी छूट के चलते करीब 40 लाख (4 मिलियन) बैरल कच्चा तेल लेकर दो सुपरटैंकर भारत के पूर्वी और पश्चिमी तटों पर पहुंचे हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब सप्ताहांत में अमेरिका-ईरान शांति वार्ता विफल हो गई है और वाशिंगटन ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी (ब्लॉकेड) का एलान किया है। शिप-ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, नेशनल ईरानी टैंकर कंपनी द्वारा संचालित 'फेलिसिटी' नामक एक बहुत बड़ा क्रूड कैरियर रविवार देर रात गुजरात के सिक्का तट पर लंगर डाल चुका है।

'भारत सरकार ने हर स्तर पर सहयोग किया'

ईरानी राजदूत ने भारतीयों का जताया आभार

> मैं सभी भारतीय लोगों का धन्यवाद करना चाहता हूं। इस मुश्किल समय में भारतीयों ने दिखा दिया कि वे सच में ईरान के सच्चे और भरोसेमंद साथी हैं। भारत सरकार ने हालात को संभालने में हर जरूरी मदद की और सभी इंतजाम किए, जिसके लिए वे आभारी हैं।
>
> मोहम्मद फथाली, भारत में ईरान के राजदूत

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। दूसरी ओर पाकिस्तान में हुई शांति वार्ता के असफल रहने के बाद हालात और गंभीर हो गए हैं। इसी बीच भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथाली ने एक साथ सभी पहलुओं पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

इसके साथ ही ईरान का रुख भी साफ किया। फथाली ने सबसे पहले भारत और यहां की जनता का आभार जताया। साथ ही कहा कि संकट के समय भारतीय लोगों ने सच्चे और भरोसेमंद साथी होने का परिचय दिया। इस दौरान फथाली ने भारत सरकार का भी धन्यवाद कहा। उन्होंने कहा कि इस संकट के समय में भारत सरकार ने जरूरी सभी व्यवस्थाएं करने में मदद की। उन्होंने कहा कि भारत ने हर स्तर पर सहयोग किया, जिससे हालात को संभालने में मदद मिली। उनके मुताबिक, भारत और ईरान के रिश्ते मजबूत और भरोसे पर आधारित हैं, जो संकट के समय और भी स्पष्ट हो जाते हैं। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी के तरफ से होर्मुज में नाकाबंदी के एलान पर भी कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ईरान के लिए कूटनीति (डिप्लोमेसी) भी एक तरह का संघर्ष ही है। यह उनके देश के रक्षकों की लड़ाई का ही हिस्सा है। उन्होंने अमेरिका पर निशाना साधते हुए कहा कि ईरान ने अमेरिका के पुराने वादाखिलाफी और गलत इरादों को न तो भूला है और न ही भूलेगा। उनका कहना था कि ईरान को अमेरिका के साथ अपने पिछले अनुभवों से बहुत कुछ सीखने को मिला है। डॉ. फथाली ने आगे कहा कि हाल ही में हुए 12 दिन के युद्ध के दौरान ईरान बातचीत (नेगोशिएशन) की प्रक्रिया में था, लेकिन इसी बीच इस्राइल और अमेरिका ने और बड़े पैमाने पर हमले शुरू कर दिए। इसके साथ ही फथाली ने आगे कहा कि युद्ध शुरू होने से पहले होर्मुज पूरी तरह खुला था और वहां सामान्य स्थिति थी।

सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर : तमिलनाडु-कर्नाटक में अल-कायदा से जुड़े संगठन की हलचल

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत की सुरक्षा एजेंसियां दक्षिण भारत में अल-कायदा से जुड़े संगठन बेस मूवमेंट की संभावित पुनर्सक्रियता को लेकर सतर्क हो गई हैं। खुफिया इनपुट के अनुसार, 2015-16 के दौरान सक्रिय रहा यह संगठन, जिसने न्यायपालिका और पुलिस को निशाना बनाते हुए कम तीव्रता के विस्फोट किए थे, अब फिर से संगठित होने की कोशिश कर रहा है।

एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, संगठन के कई सदस्य अब भी ऑनलाइन सक्रिय हैं और खासतौर पर तमिलनाडु और कर्नाटक में दोबारा नेटवर्क खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। हालिया संकेतों से पता चलता है कि पहले गिरफ्तारी से बच निकले सदस्य फिर से आपस में संपर्क साध रहे हैं और फिलहाल उनका फोकस ऑनलाइन प्रोपेगैंडा नेटवर्क तैयार करने पर है। अधिकारियों का कहना है कि अभी तत्काल किसी जमीनी कार्रवाई की योजना नहीं दिख रही है। संगठन फिलहाल डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए संदेश फैलाने और लोगों को प्रभावित करने की रणनीति अपना रहा है।

मतदाता सूची से बाहर किए गए लोग नहीं कर पाएंगे मतदान

> बंगाल में एसआईआर विवाद के बीच 'सुप्रीम' फैसला

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में इसी महीने होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सियासी घमासान चरम पर है। इसी बीच अब विशेष गहण पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है।

कोर्ट ने सोमवार को साफ-साफ कहा कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के खिलाफ अपील लंबित है, उन्हें आगामी पश्चिम बंगाल चुनाव में मतदान करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। राज्य में चल रहे

एसआईआर विवाद के बीच सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला चुनावी राजनीति में बड़ा मोड़ माना जा रहा है, जिससे पार्टियों के बीच टकराव और तेज हो सकता है। अदालत ने कहा कि जब तक संबंधित अपीलों पर अंतिम फैसला नहीं हो जाता, तब तक ऐसे व्यक्तियों को वोट देने की इजाजत देना कानूनी प्रक्रिया के खिलाफ होगा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही थी। जहां सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि अगर ऐसे लोगों को वोट देने की अनुमति दी जाती है, तो यह व्यवस्था गड़बड़ा जाएगी। सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले के बाद राज्य में करीब 34 लाख वोटर के मतदान करने पर तलवार लटकती हुई नजर आने लगी है।

अमेरिका को धमकी : होर्मुज पर हमला किया तो खाड़ी का कोई बंदरगाह सुरक्षित नहीं रहेगा

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान ने कहा है कि वह भारत के जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित गुजरने में मदद करेगा। भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहली ने बताया कि ईरान और भारत के बीच इस मुद्दे पर अच्छी बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि मौजूदा तनाव के बावजूद ईरान चाहता है कि भारत के जहाज बिना किसी दिक्कत के इस रास्ते से गुजर सकें।

इसलिए ईरान, नई दिल्ली की मदद करने के लिए तैयार है। इससे पहले ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि अगर होर्मुज स्ट्रेट और उसके बंदरगाहों को निशाना बनाया गया, तो फारस की खाड़ी और ओमान सागर में कोई भी पोर्ट सुरक्षित नहीं रहेगा। ईरान की सेना और रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीएस) ने कहा कि क्षेत्र की समुद्री सुरक्षा सभी देशों की साझा जिम्मेदारी है। सुरक्षा सबके लिए नहीं होगी, तो किसी के लिए भी नहीं होगी। वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने घोषणा की है कि अमेरिका ईरान के बंदरगाहों और तटीय इलाकों पर नाकाबंदी (ब्लॉकेड) लागू करने की तैयारी कर रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज की, सीबीआई की एफआईआर और चार्जशीट नहीं होगी रद्द

'लैंड फॉर जॉब' घोटाला मामले में लालू यादव को झटका

पटना, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। लैंड-फॉर-जॉब्स मामले में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू प्रसाद यादव को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर और उससे जुड़े ट्रायल को रद्द करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है।

यह फैसला जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस एन. कोटिस्वर सिंह की पीठ ने सुनाया। हालांकि, अदालत ने लालू प्रसाद यादव को आंशिक राहत देते हुए कहा कि उन्हें ट्रायल की कार्रवाई के दौरान ट्रायल कोर्ट के सामने व्यक्तिगत पेश होने की जरूरत नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि मामले के तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर फैसला लेने का अधिकार ट्रायल कोर्ट के पास रहेगा। यानी, अब निचली अदालत इस पूरे मामले की मेरिट पर सुनवाई करते हुए आगे की कार्रवाई करेगी। 9 जनवरी 2026 को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने बिहार के पूर्व सीएम लालू यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजप्रताप, तेजस्वी यादव और बेटी मीसा, हेमा पर आरोप तय किए। लालू परिवार के साथ कुल 41 लोगों पर आरोप तय किया। इन लोगों पर अब मुकदमा चल रहा है। कोर्ट ने 52 लोगों को बरी किया था। सुनवाई को लेकर लालू यादव की बड़ी बेटी मीसा भारती और बेटे तेजप्रताप-तेजस्वी दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट पहुंचे थे। यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज किया गया है।

लालू परिवार ने एक आपराधिक गिरोह की तरह काम किया

राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विशाल गोग्रे ने कहा कि, लालू यादव और उनका परिवार एक आपराधिक गिरोह की तरह काम कर रहे थे और उनकी ओर से एक व्यापक साजिश रची गई थी। जज ने आदेश सुनाते हुए कहा, अदालत संदेह के आधार पर यह पाती है कि लालू प्रसाद यादव ने अपने परिवार (बेटियों, पत्नी और बेटों) के लिए अचल संपत्तियां हासिल करने के लिए सरकारी नौकरी को सौदेबाजी के हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की एक व्यापक साजिश रची थी। बात 6 फरवरी 2008 की है। पटना के किशुन देव राय ने अपनी 3,375 वर्ग फीट जमीन सिर्फ 3.75 लाख रुपये में पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पत्नी राबड़ी देवी को बेच दी।

सीपीईसी और सीमा विवाद के बीच चीन ने पीओके के पास बनाया नया प्रांत

भारत ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव और चर्चा के बीच चीन ने अपने संवेदनशील पश्चिमी इलाके शिनजियांग उइगर ऑटोनॉमस क्षेत्र में एक नया प्रांत सेनलिंग बनाया है। यह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और अफगानिस्तान बॉर्डर के पास है।

चीन ने दिसंबर 2024 के बाद से इस अशांत इलाके में यह तीसरा प्रांत बनाया, जो काराकोरम रेंज के पास दक्षिण-पश्चिमी शिनजियांग में है। नए प्रांत का लोकेशन चीन के लिए इसकी रणनीतिक कदम माना जा रहा है। यह भारत के लिए चिंता की बात है। इस बीच जगहों को नया नाम देने को लेकर भारत के विदेश मंत्रालय की तरफ से चेतावनी जारी की गई है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट (एससीएमपी) की रिपोर्ट के मुताबिक, शिनजियांग उइगर ऑटोनॉमस क्षेत्र की सरकार ने 26 मार्च को नए प्रांत बनाने का ऐलान किया, हालांकि सेनलिंग के सही एडमिनिस्ट्रेटिव डिवीजन और सीमाएं अभी साफ नहीं की गई हैं, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि यह काशगर शहर के प्रशासन की निगरानी में रहेगा।

पुराने सिल्क रोड पर बसा काशगर शहर चीन को साउथ और सेंट्रल एशिया से जोड़ने वाला एक जरूरी गेटवे है। चीन के लिए इसकी काफी अहमियत है, क्योंकि यह चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (सीपीईसी) का शुरूआती पॉइंट है। सीपीईसी चीन के बड़े बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का हिस्सा है।

भारत ने 62 बिलियन डॉलर के सीपीईसी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का विरोध किया है, क्योंकि यह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरती है और भारत की संप्रभुता का उल्लंघन करता है। एक साल से ज्यादा समय में शिनजियांग में हीन, हेकांग और अब तीसरा प्रांत सेनलिंग बनाया गया। पिछले साल, भारत ने चीन के सामने हीन और हेकांग को अपने अधिकार क्षेत्र में लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश में बनाने पर विरोध दर्ज कराया था।

'जज पर भरोसा नहीं, केस से हटाएं'

> केजरीवाल ने आबकारी केस में खुद 10 वजहें गिनाईं
> कहा-मुझे पहले से दोषी माना जा रहा

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति मामले में सोमवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने खुद अपनी दलीलें रखीं और जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से केस से अलग (रिक्यूज) होने की मांग की।

उन्होंने कहा कि जिस तरह से ईडी और सीबीआई ने पहले गवाहों को गिरफ्तार किया। उसके बाद दूसरों का नाम लेते हुए बयान दर्ज करवाए। गवाहों के बयानों को लेकर अदालत की टिप्पणियां ऐसी थीं, मानो मुझे दोषी और भ्रष्ट ही मान लिया गया हो। केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को केस से अलग करने की 10 वजहें गिनाईं। केजरीवाल की दलीलें सुनकर बेंच ने कहा- आपने बहुत अच्छा तर्क रखा। आप वकील भी बन सकते हैं। इससे पहले इस मामले में 6 अप्रैल को सुनवाई हुई थी। तब कोर्ट ने सीबीआई को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया और कहा कि

अगर कोई जज को मामले से हटाने की मांग वाली अर्जी देना चाहता है, तो दे सकता है। सीबीआई ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें उसने केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और अन्य 22 आरोपियों को शराब घोटाला केस में बरी कर दिया था। 9 मार्च को सुनवाई के दौरान सीबीआई के अलावा कोई मौजूद नहीं था। बिना उनकी बात सुने कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश को पहली नजर में गलत बता दिया। ट्रायल कोर्ट ने पूरे दिन सुनवाई कर 40,000 पेज के दस्तावेज पढ़कर फैसला दिया था, लेकिन हाईकोर्ट ने 5 मिनट की सुनवाई में उसे गलत बता दिया। आदेश आया तो मेरा दिल बैठ गया। मुझे लगा कि मामला पक्षपात की तरफ जा रहा है। मैंने चीफ जस्टिस को पत्र लिखा, लेकिन वह खारिज हो गया। इसके बाद मैंने यह आवेदन दिया। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि डिस्चार्ज आदेश को सिर्फ असाधारण परिस्थितियों में ही रोका जा सकता है।

'हमारे मामले में दखल नहीं'

ईरान संग खुलकर आया चीन, ट्रंप को दे दी वॉर्निंग

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर से बढ़ गया है। पाकिस्तान में हुई शांति वार्ता फेल होने के बाद दोनों ही एक-दूसरे पर निशाना साधते नजर आ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जहां होर्मुज पर नाकाबंदी का ऐलान किया है, तो वहीं ईरान ने पलटवार करते हुए तेल को लेकर वार्निंग दे डाली है। इस बीच ट्रंप की ओर से चीन को दी गई टैरिफ धमकी पर अब ड्रैगन ने भी अटैक किया है और ईरान के साथ खुलकर खड़ा हो गया है। चीन ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि, हमारे मामले में दखल न दें।

डोनाल्ड ट्रंप ईरान को लेकर धड़ाधड़ एक्शन लेते नजर आ रहे हैं और उनके ज्यादातर फैसलों से न सिर्फ ईरान, बल्कि चीन भी प्रभावित हो रहा है। चीन द्वारा ईरान को सैन्य हथियारों की मदद करने से जुड़े इंटेल के बाद बीते दिनों डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान दिया था और कहा था कि चीन द्वारा ईरान की सैन्य मदद करने से जुड़े सवाल पर ट्रंप ने कहा था कि, इसके परिणाम गंभीर होंगे। मुझे शक है कि वे ऐसा करेंगे, अगर हमने उन्हें ऐसा करते हुए पकड़ लिया, तो उन पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगेगा, जो कि सचमुच एक बहुत बड़ी रकम है। अब चीन ट्रंप की धमकियों के बीच खुलकर ईरान के साथ खड़ा नजर आ रहा है। डोनाल्ड ट्रेप की होर्मुज पर नाकाबंदी की घोषणा के बाद ड्रैगन ने ईरान का समर्थन किया है और अमेरिका को बड़ी चेतावनी भी दी है। ट्रंप के कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए चीनी रक्षा मंत्री डोंग जून ने कहा कि, बीजिंग दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है और मध्य पूर्व की स्थिति पर नजर रख रहा है। उन्होंने आगे सख्त लहजे में कहा कि, हमारे जहाज होर्मुज स्ट्रेट में लगातार आ-जा रहे हैं। ईरान के साथ हमारे व्यापारिक और ऊर्जा समझौते हैं।

महिला आरक्षण नहीं, परिसीमन असली मुद्दा : सोनिया गांधी

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने सोमवार को महिला आरक्षण को लेकर सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। उन्होंने लिखा कि पीएम विपक्षी दलों से उन बिलों का समर्थन करने की अपील कर रहे हैं, जिन्हें सरकार संसद के विशेष सत्र में जबरदस्ती पास कराना चाहती है।

उन्होंने लिखा कि यह सब तब हो रहा है जब तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार अपने चरम पर है। इस जल्दबाजी का सिर्फ एक ही मकसद राजनीतिक फायदा उठाना है। सरकार ने 2023 में ही 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को संसद में पास कर लिया था, लेकिन इसे अगली जनगणना और उसके बाद होने वाले परिसीमन के बाद ही लागू करने की शर्त रखी गई। वहीं संसद के विशेष सत्र के लिए कांग्रेस, भाजपा और जेडीयू ने व्हिप जारी कर 16 से 18 अप्रैल तक अपने सभी सांसदों को संसद में मौजूद रहने को कहा है।

महिला आरक्षण पर सोनिया ने लिखा- राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि इसे 2024 के चुनाव से ही लागू किया जाए, लेकिन सरकार ने इसे नहीं माना। अब अनुच्छेद 334-ए में बदलाव कर महिला आरक्षण को 2029 से लागू करने की तैयारी है। ऐसे में प्रधानमंत्री को यू-टर्न लेने में 30 महीने क्यों लगे? उन्होंने सवाल किया कि 5 राज्यों के चुनाव खत्म होने तक इंतजार क्यों नहीं किया गया। इतनी हड़बड़ी की क्या जरूरत है, जबकि विपक्ष तीन बार चिट्ठी लिखकर कह चुका है कि पहले 29 अप्रैल को सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को पत्र लिखकर कहा कि राज्य चुनावों के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाना यह दिखाता है कि सरकार इस कानून को राजनीतिक लाभ के लिए जल्दबाजी में लागू करना चाहती है। खड़गे ने यह भी मांग की कि इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और परिसीम से जुड़े मुद्दों पर भई विस्तार से चर्चा की जाए।

कांग्रेस मजबूती के साथ खड़ी : राहुल

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को लेकर चल रही सियासत के बीच अब लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने सोमवार को कहा कि कांग्रेस पवन खेड़ा के साथ खड़ी है और किसी भी तरह के दबाव या डर से पीछे नहीं हटेगी।

यह बयान उस समय आया है जब असम सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर पवन खेड़ा को मिली ट्रांजिट अग्रिम जमानत को चुनौती दी है। इस पूरे मामले को ऐसे समझिए कि 10 अप्रैल को तेलंगाना हाईकोर्ट ने पवन खेड़ा को एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी थी। खेड़ा ने यह राहत इसलिए मांगी थी क्योंकि असम पुलिस उनसे पूछताछ के लिए दिल्ली स्थित उनके घर पहुंची थी, लेकिन वह वहां नहीं मिले। बता दें कि ये पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब बीते पांच अप्रैल को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पवन खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा पर गंभीर आरोप लगाए थे।

टीएमसी की जनसभा सीएम ममता ने पीएम को घेरा

कोलकाता, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सियासी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। ममता बनर्जी ने बीरभूम के सूरी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम युवाओं के मन को प्रभावित करने के लिए प्रसारित किया जा रहा है।

रैली में सीएम ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की जीत का दावा भी किया। उन्होंने कहा कि भाजपा दिल्ली की ताकतों का इस्तेमाल करके बंगाल चुनाव नहीं जीत पाएगी, टीएमसी को 226 से अधिक सीटें मिलेंगी। सीएम बनर्जी ने कहा कि 19 राज्य और केंद्र सरकार मेरे खिलाफ एकजुट हो गए हैं, मैं अकेले ही आम लोगों के लिए लड़ रही हूं। बीरभूम में ही केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह ने भी रैली की। इस दौरान अमित शाह ने कहा, आप लोग कटमनी और सिंडिकेट से परेशान हैं। किसी गरीब को घर बनाने के लिए ईंट लानी हैं, तो ममता के सिंडिकेट वाले पैसे मांगते हैं, सीमेंट लाना है, तो भी पैसे देने पड़ते हैं। आप ममता को यहां से निकाल दो, कटमनी और सिंडिकेट वालों को उल्टा लटकाकर सीधा करने का काम भाजपा की सरकार करेगी।

पवन खेड़ा केस में सुप्रीम कोर्ट पहुंची असम सरकार

> तेलंगाना हाईकोर्ट से मिली राहत के खिलाफ अपील

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। असम सरकार ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को दी गई अग्रिम जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। यह जमानत तेलंगाना हाई कोर्ट ने उस मामले में दी थी, जो असम में उनके खिलाफ दर्ज किया गया है। राज्य सरकार ने हाई कोर्ट के इस आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

दरअसल तेलंगाना हाईकोर्ट ने खेड़ा को एक हफ्ते की अग्रिम जमानत दे दी है। कोर्ट की जज न्यायमूर्ति सुजाना कलासिकम ने कहा कि पवन खेड़ा को एक हफ्ते का समय दिया जाता है ताकि वह संबंधित कोर्ट में जाकर नियमित जमानत के लिए आवेदन कर सकें।

पवन खेड़ा पर असम पुलिस ने दर्ज किया है केस

यह मामला असम पुलिस द्वारा दर्ज किया गया था। पवन खेड़ा पर आरोप है कि उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा को लेकर गंभीर आरोप लगाए थे। पवन खेड़ा ने 5 अप्रैल को दावा किया था कि मुख्यमंत्री की पत्नी के पास कई पासपोर्ट और विदेश में संपत्ति है, जिसकी जानकारी चुनावी हलफनामे में नहीं दी गई।

खेड़ा से पूछताछ करने पहुंची थी असम और दिल्ली पुलिस

दरअसल, असम पुलिस, दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर पवन खेड़ा से पूछताछ करने उनके आवास पर पहुंची थी, लेकिन वे वहां मौजूद नहीं मिले। यह कार्रवाई उस मामले में की जा रही थी जिसमें खेड़ा ने हिमंता बिस्व सरमा की पत्नी पर तीन विदेशी पासपोर्ट रखने का आरोप लगाया था। इस बीच, पवन खेड़ा ने अग्रिम जमानत के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने अदालत में अपना आवासीय पता हैदराबाद बताया और गिरफ्तारी की स्थिति में राहत देने की मांग की। बताया जा रहा है कि उनका तेलंगाना से पारिवारिक संबंध है और हैदराबाद में उनका निजी निवास भी है। साथ ही, राज्य में कांग्रेस की सरकार होने को भी इस कदम से जोड़कर देखा जा रहा है।

पवन खेड़ा ने क्या लगाए थे आरोप?

मामले ने तब तूल पकड़ा जब पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और उनकी पत्नी रिंकी सरमा पर गंभीर आरोप लगाए। पवन खेड़ा ने दावा किया कि रिंकी सरमा के पास तीन अलग-अलग देशों के पासपोर्ट हैं और उनके समर्थकों के पास ऐसे दस्तावेज हैं जो इस कथित खुलासे को साबित करते हैं। उन्होंने इसे स्वतंत्र भारत की राजनीति में एक बड़ा मामला बताया।

गुजरात में ट्रक ने श्रद्धालुओं को कुचला, 7 की मौत

राजकोट से सभी लोग पैदल बहुचराजी माता मंदिर जा रहे थे

सुरेंद्रनगर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के सुरेंद्रनगर में सोमवार सुबह लखतर-विरामगाम नेशनल हाईवे पर एक ट्रक ने पैदल चल रहे श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि चार घायल हो गए। घायलों को सुरेंद्रनगर के अलग-अलग हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है। घायलों की हालत भी गंभीर बनी हुई है।

राजकोट से बहुचराजी माता मंदिर जा रहे थे

लखतर पुलिस इंस्पेक्टर योगेश पटेल ने बताया कि घटना लखतर-विरामगाम हाईवे पर रात करीब रात करीब 1:30 बजे हुई। तीर्थयात्रियों का एक ग्रुप पैदल राजकोट से बहुचराजी माता मंदिर जा रहा था।

तभी पीछे से आ रहे एक ट्रक ने सभी को कुचल दिया। हादसे में छह तीर्थयात्रियों और सड़क किनारे खड़े एक डंपर के ड्राइवर की मौत हो गई। मृतकों में 5 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं।

फरार ट्रक ड्राइवर गिरफ्तार

हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया था, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। एक श्रद्धालु ने बताया- राजकोट के दत्ता गांव से ठाकर के दर्शन करने के बाद हम लोग राजबाई मानी का झंडा फहराने के लिए विरामगाम जा रहे थे। सभी लोग सड़क किनारे चल रहे थे। तभी लखतर-विरामगाम हाईवे पर फुल स्पीड में आ रहे एक ट्रक ने पीछे श्रद्धालुओं को कुचल दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर शोक जताते हुए ट्विटर हैंडल एक्स पर लिखा-गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में हुआ हादसा बेहद दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदनाएं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

खबरें जरा हटके

ये है बेरोजगारी की हद! बाजार से 1 केजी नमक खरीद लाया शख्स, बैठे-बैठे गिन डाला एक-एक दाना

सोशल मीडिया पर एक शख्स ने ऐसा वीडियो अपलोड किया, जिसे देखने के बाद लोगों को भारत में बेरोजगारी की समस्या को लेकर चिंता होने लगी है. शख्स ने खालीपन में बैठकर एक किलो नमक में मौजूद हर एक दाने की गिनती कर डाली. इसके बाद लोगों को बताया कि एक किलो नमक में आखिर कितने दाने होते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स इन दिनों अजीबो-गरीब वीडियोज से भरे पड़े हैं, लेकिन हाल ही में एक वीडियो ने लोगों को हंसाते हुए सोचने पर भी मजबूर कर दिया है. वीडियो में एक युवक बाजार से 1 किलो नमक का पैकेट लाता है और फिर बैठे-बैठे उसके हर एक दाने को अलग-अलग करके गिनने लगता है. वीडियो के आखिर में वह बताता है कि 1 किलो नमक में कितने दाने होते हैं? इस वीडयो ने लाखों व्यूज बटोरे लेकिन इसी के साथ लोगों के मन में ये सवाल भी खड़ा कर दिया है कि भारत में बेरोजगारी क्या इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि युवा अब एक किलो नमक के दाने तक गिनने लगे हैं।

शेयर किये गए वीडियो में शख्स पहले नमक का पैकेट दिखाता नजर आया. उसने अच्छे ब्रांड का एक किलो पैक खोलकर सारा नमक टेबल पर फैलाया. इसके बाद एक-एक दान अलग करता गया और गिनती करता गया. 9 दिन की मेहनत के बाद उसने पूरे नमक के दाने गिन लिए. उसने लोगों को इसका नतीजा भी बताया. पैकेट में पता चला कि एक किलो नमक में कुल 1 करोड़ बयालीस लाख तेरह हजार सात से तिरप्पन दाने होते हैं। वैज्ञानिक गणना के अनुसार, यह संख्या लाखों में होती है. सामान्य टेबल सॉल्ट के दानों का साइज करीब 0.3 से 0.5 मिलीमीटर होता है. अगर हम औसत आकार मानें तो 1 किलो नमक में लगभग 5 से 8 करोड़ दाने तक हो सकते हैं. कुछ गणनाओं में इसे 70 लाख से 8 करोड़ तक बताया गया है, क्योंकि दानों का साइज और पैकिंग घनत्व पर निर्भर करता है. एक अनुमान के मुताबिक, अगर एक दाना 0.1 मिलीमीटर का क्यूब माना जाए तो 1 किलो में करीब 83 करोड़ दाने हो सकते हैं.

धरती पर मौजूद एलियंस की दुनिया? जहां कटने पर खून बहाते हैं अनोखे पेड़

रहस्यमयी नजारा देख हो जाएंगे अंचभित!

दुनियाभर में कई ऐसी अजीबोगरीब और रहस्यमयी जगहें हैं, जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है. कहीं पर पहाड़ों का जंगल है, जहां पेड़ों की तरह पत्थर निकले पड़े हैं, तो कहीं समंदर के अंदर सड़कों का जाल बिछा हुआ है. ऐसे में आज हम आपको एक ऐसे आइलैंड के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पहुंचकर सच में लगता है कि हम पृथ्वी पर नहीं, बल्कि किसी दूसरे एलियन प्लानेट पर आ गए हैं. इस जगह का नाम सोकोत्रा आइलैंड है, जो यमन में है. हिंद महासागर में स्थित यह दूरस्थ आइलैंड अपनी विचित्र प्राकृतिक बनावट और अनोखी जैव विविधता के लिए दुनिया भर में जाना जाता है. लेकिन इस द्वीप की सबसे खास पहचान यहां पाए जाने वाले ड्रैगन ब्लड ट्री हैं, जिनका आकार किसी उल्टे छाते जैसा है. यह देखने में बेहद अलग और रहस्यमयी लगते हैं. यहां का नजारा देख कोई भी अचंभित हो सकता है.

इन पेड़ों की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जब इनकी छाल को काटा जाता है, तो इनमें से गाढ़ा लाल रंग का रस निकलता है, जो देखने में बिल्कुल इंसानी खून जैसा प्रतीत होता है. ऐसा कहा जाता है कि यहां रहने वाले स्थानीय लोग प्राचीन काल से ही इन पेड़ों से निकलने वाले लाल रस का उपयोग औषधियों, रंगों और जादू-टोने जैसी क्रियाओं में करते आए हैं. लाखों सालों तक बाकी दुनिया से पूरी तरह कटे रहने के कारण सोकोत्रा द्वीप पर प्रकृति का विकास बिल्कुल अलग तरीके से हुआ है, जिसकी वजह से यहां पर ऐसे पौधे और जीव विकसित हुए. वैज्ञानिकों के अनुसार, यहां पाई जाने वाली लगभग एक-तिहाई वनस्पति प्रजातियां दुनिया में कहीं और नहीं मिलतीं.

फिटनेस की मिसाल बनी दादी, 75 साल की उम्र में लगाए जबरदस्त पुशअप्स

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में फिट रहना हर किसी की जरूरत बन गया है, लेकिन सच्चाई यह है कि ज्यादातर लोग कुछ ही दिनों में जिम से दूरी बना लेते हैं. काम का दबाव, थकान और समय की कमी का बहाना बनाकर लोग अपनी सेहत को पीछे छोड़ देते हैं. वहीं जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, लोग यह मान लेते हैं कि अब शरीर को आराम देना ही बेहतर है. लेकिन इन धारणाओं को तोड़ती हुई एक 75 साल की दादी ने ऐसा उदाहरण पेश किया है, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे उनके वीडियो ने यह साबित कर दिया कि अगर मन मजबूत हो, तो उम्र सिर्फ एक संख्या बनकर रह जाती है.

दरअसल, इंस्टाग्राम पर अकाउंट से शेयर एक वीडियो शेयर किया गया है, इस वीडियो में एक दादी जिम में पूरे आत्मविश्वास के साथ वर्कआउट करती नजर आती हैं. सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि वह बिना रुके लगातार पुशअप्स लगाती दिख रही हैं. आमतौर पर यह एक्सरसाइज युवा लोगों के लिए भी आसान नहीं होती, लेकिन दादी जिस सहजता से इसे कर रही हैं, वह हर किसी को प्रेरित कर रहा है. इतना ही नहीं, वह जिम के अलग-अलग उपकरणों पर भी एक्सरसाइज करती नजर आती हैं.

सुप्रीम कोर्ट में टली बांके बिहारी मंदिर मैनेजमेंट मामले की सुनवाई, दो हफ्ते बाद का समय

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। मथुरा के प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर के मैनेजमेंट को लेकर चल रहे मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई फिलहाल दो हफ्ते के लिए टल गई है। इस मामले पर कोर्ट में बहस होनी थी लेकिन मैनेजमेंट कमेटी की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील श्याम दीवान ने समय मांगा। वकील श्याम दीवान ने कहा कि उन्हें स्टेटस रिपोर्ट देर रात ही मिली है और अभी उसे ठीक से पढ़ नहीं पाए हैं, इसलिए तैयारी के लिए थोड़ा वक्त दिया जाए। इस पर कोर्ट ने सुनवाई आगे बढ़ा दी। अब मामले में दो हफ्ते बाद सुनवाई होगी।

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने साफ कहा कि फिलहाल कोर्ट मंदिर की मौजूदा व्यवस्था में कोई बड़ा या स्ट्रक्चरल बदलाव करने के पक्ष में नहीं है। यानी अभी जो सिस्टम चल रहा है, उसमें तुरंत कोई बड़ा बदलाव नहीं किया जाएगा। यह पूरा मामला मंदिर के सेवायतों (पुजारियों) की ओर से दायर की गई याचिका से जुड़ा है। सेवायतों ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाई गई मैनेजमेंट कमेटी के कुछ फैसलों पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि कमेटी ने कुछ ऐसे निर्णय लिए हैं, जो परंपराओं के खिलाफ हैं और इससे मंदिर की धार्मिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। परंपरा को नुकसान पहुंचने का दावा याचिका में खास तौर पर दो मुद्दों का जिक्र किया गया है पहला, मंदिर में दर्शन का समय बढ़ाया जाना और दूसरा, देहरी पूजा को रोका जाना।

सेवायतों का कहना है कि ये दोनों फैसले बिना सही तरीके से विचार किए लिए गए हैं और इससे मंदिर की पुरानी परंपराओं को नुकसान पहुंच रहा है। इसके अलावा याचिका में यह आरोप भी लगाया गया है कि मैनेजमेंट कमेटी में गोस्वामी (पुजारियों) की नियुक्ति मनमाने तरीके से की गई है, जो पारदर्शी प्रक्रिया के तहत नहीं हुई। इस वजह से भी सेवायतों में नाराजगी है और उन्होंने कोर्ट से हस्तक्षेप की मांग की है। बता दें कि पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट ऑर्डिनेंस, 2025 के कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी थी।

केरल में छात्र की मौत-सामने आया धमकी-उत्पीड़न का एंगल

> प्रोफेसर पर भी लगे गंभीर आरोप

तिरुवनंतपुरम, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल के कन्नूर जिले के अंजराकंडी स्थित डेंटल कॉलेज के छात्र की संदिग्ध मौत के मामले में जांच का दायरा बढ़ गया है। साइबर पुलिस ने अज्ञात ऑनलाइन लोन एप ऑपरेटर्स के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है, जबकि विशेष जांच टीम (एसआईटी) इस बात की पड़ताल कर रही है कि क्या कर्ज और उससे जुड़े दबाव इस घटना की वजह बने।

क्या है मामला?

पुलिस के मुताबिक, प्रथम वर्ष बीडीएस छात्र नितिन राज (22) ने एक ऑनलाइन लोन एप के जरिए करीब 14 हजार रुपये उधार लिए थे। समय पर भुगतान न कर पाने पर एप संचालकों ने कथित तौर पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। मामला तब गंभीर हो गया जब आरोपियों ने कॉलेज की एक महिला असिस्टेंट प्रोफेसर से संपर्क कर उन्हें भी धमकी भरे संदेश भेजे।

एफआईआर के अनुसार, आरोपियों ने एमएमएस और व्हाट्सएप के जरिए प्रोफेसर को न केवल डराने की कोशिश की, बल्कि अवैध रूप से पैसे वसूलने का प्रयास भी किया। इस शिकायत के आधार पर कन्नूर साइबर पुलिस ने रविवार रात मामला दर्ज किया। इधर, 10 अप्रैल को नितिन राज मेडिकल कॉलेज ब्लॉक के पास गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले थे। बताया गया कि वह इमारत से गिर गए थे। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

दिल्ली विधानसभा को फिर मिली बम की धमकी

साइनाइड गैस और आरडीएक्स का दावा; सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा को एक बार फिर धमकी भरा ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया है। मेल में दावा किया गया है कि तीन घंटे के भीतर विधानसभा परिसर में साइनाइड गैस से भरे 15 आरडीएक्स बम धमाके किए जाएंगे। इस धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं। ईमेल में बेहद आपत्तिजनक और भड़काऊ बातें भी लिखी गई हैं। इसमें कहा गया कि सभी मुस्लिम कर्मचारियों को तुरंत परिसर से हटा लिया जाए।

साथ ही ईमेल में यह भी लिखा था, किसी भी ब्राह्मण को डीएमके में शामिल नहीं होना चाहिए। मेल में एसवी शेखर का नाम लेते हुए दावा किया गया कि उसके डीएमके में शामिल होने के कारण विधानसभा को निशाना बनाया जाएगा और उन्हें 'भाजपा ब्राह्मण एजेंट' बताया गया। इससे पहले 25 मार्च को भी विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। उस समय विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन में जानकारी दी थी कि स्पीकर कार्यालय को एक ईमेल मिला था। उस मेल में 16 आरडीएक्स आईडी लगाए जाने का दावा किया गया था। धमकी को बेहद गंभीरता से लेते हुए तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

भारत की आध्यात्मिक विरासत ने संकट में दुनिया का मार्गदर्शन किया

> संत, ऋषि और तपस्वी समाज की ढाल-मोहन भागवत

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक विरासत और संतों के मार्गदर्शन ने देश को वैश्विक उथल-पुथल का सामना करने तथा संकटों के दौरान दुनिया का मार्गदर्शन करने में सक्षम बनाया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र का लचीलापन उसकी आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता में निहित है। भागवत ने यह टिप्पणी नागपुर के तुलसी नगर क्षेत्र में 'मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणेश्वर प्रतिष्ठा महोत्सव' के तहत आयोजित एक सात दिवसीय अनुष्ठान समारोह में की।

आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता मार्गदर्शन की काम करती है

भागवत ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, जब भी दुनिया संकटों में घिरती है, हमारा राष्ट्र ही उसे उस खतरे से बाहर निकालने का मार्गदर्शन करता है। मानव अस्तित्व पर सच्चा दृष्टिकोण हमारी आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता में निहित है। सरसंघचालक ने बताया कि जब भौतिकवाद, संकीर्णता और उपभोक्तावाद के तूफान बाहरी दुनिया से आते हैं, जो अक्सर अन्य समाजों को तबाह कर देते हैं, तो वे लहरें हम पर से गुजर जाती हैं और हम अडिग रहते हैं। उन्होंने इस लचीलेपन का कारण आध्यात्मिक ज्ञान को बताया और इसे संतों का ऋण कहा।

संतों की शिक्षाओं का महत्व

भागवत ने कहा कि हिंदू समाज, हमारे राष्ट्र का समाज, धीरे-धीरे खुद को अनुकूलित और बदलने की एक अनूठी क्षमता रखता है। उन्होंने इसका कारण बताया कि हमारे देश के संत, ऋषि और तपस्वी लगातार हमारे समाज की ढाल रहे हैं और तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाहरी दुनिया भौतिकवाद, संकीर्णता और उपभोक्तावाद के तूफान से बह गई है, ऐसी ताकतें जिन्होंने अन्य समाजों के विघटन का कारण बनी हैं। फिर भी, हमारे लिए, वह लहर केवल हम पर से गुजर जाती है और हम अपने मूल सार में अडिग रहते हैं।

कर्नाटक की सियासी रस्साकशी

पद की चाह गलत नहीं, 20 से अधिक कांग्रेस विधायकों के मन में क्या? : परमेश्वर

बंगलूरू, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के अंदर इन दिनों कैबिनेट फेरबदल को लेकर हलचल तेज हो गई है। इसी बीच कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि विधायकों का मंत्री बनने की इच्छा रखना बिल्कुल गलत नहीं है।

उन्होंने साफ कहा कि कई विधायक ऐसे हैं जो दो-तीन बार चुनाव जीत चुके हैं और उनके पास अनुभव भी है, इसलिए वे मंत्री पद संभालने के पूरी तरह योग्य हैं। उनके मुताबिक, अगर विधायक अपनी राजनीतिक तरक्की के लिए मंत्री बनने की इच्छा जताते हैं तो इसमें कोई बुराई नहीं है।

दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं 20 से ज्यादा कांग्रेस विधायक

दरअसल, इन दिनों कर्नाटक के कई कांग्रेस विधायक दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं और पार्टी हाईकमान से कैबिनेट में जगह देने की मांग कर रहे हैं। इनमें वरिष्ठ और पहली बार जीतकर आए विधायक दोनों शामिल हैं। वे चाहते हैं कि मंत्रिमंडल में फेरबदल कर उन्हें भी मौका दिया जाए। गृह मंत्री परमेश्वर ने यह भी साफ किया कि कैबिनेट में बदलाव का अंतिम फैसला पार्टी नेतृत्व ही करता है। उन्होंने कहा कि इस पर फैसला मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, पार्टी हाईकमान और प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार मिलकर लेते हैं।

कांग्रेस में पहले से एक तय प्रक्रिया - परमेश्वर

उन्होंने बताया कि कांग्रेस में पहले से एक तय प्रक्रिया है, जिसके तहत प्रदेश अध्यक्ष, विधायक दल के नेता और पार्टी के प्रभारी मिलकर नाम तय करते हैं, फिर उसे आलाकमान के पास मंजूरी के लिए भेजा जाता है। मंजूरी मिलने के बाद ही अंतिम घोषणा होती है, और आज भी यही प्रक्रिया अपनाई जा रही है। वरिष्ठ नेताओं को हटाकर नए चेहरों को मौका देने के सवाल पर परमेश्वर ने कहा कि अगर पार्टी हाईकमान ऐसा फैसला करता है तो सभी को उसे मानना होगा।

उन्होंने कहा कि चाहे वे खुद हों या अन्य वरिष्ठ मंत्री, कोई भी पार्टी के फैसले का विरोध नहीं करेगा।

'कांग्रेस में हाईकमान का निर्णय सर्वोपरि'

उन्होंने पार्टी अनुशासन पर जोर देते हुए कहा कि कांग्रेस में हाईकमान का निर्णय सर्वोपरि होता है और हर नेता को उसका पालन करना पड़ता है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल चर्चा केवल कैबिनेट फेरबदल को लेकर हो रही है, न कि प्रदेश अध्यक्ष बदलने को लेकर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का पद पिछले छह साल से डीके शिवकुमार के पास है और उस पर कोई चर्चा नहीं हो रही है।

जनगणना : छह लाख से ज्यादा लोगों ने की स्वगणना, दिल्ली वाले सबसे आगे

अभी 10 राज्यों में ही दी गई है सुविधा

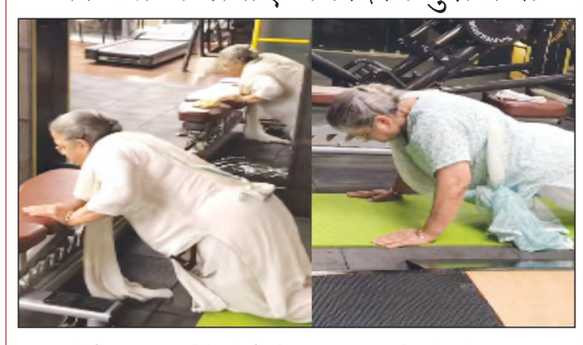

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। जनगणना के पहले चरण में ऑनलाइन स्वगणना को लेकर लोगों में अच्छा उत्साह देखने को मिल रहा है। अब तक 6 लाख से अधिक लोग अपने घर और जीवन-स्थितियों से जुड़े 33 सवालों के जवाब ऑनलाइन दे चुके हैं। स्वगणना में दिल्ली के लोग सबसे आगे हैं। एनडीएमसी और दिल्ली छावनी बोर्ड क्षेत्र के एक लाख से ज्यादा लोगों ने स्वगणना के तहत अपनी जानकारी दर्ज कराई है।

हालांकि दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में यह प्रक्रिया अभी शुरू नहीं हुई है। यह सुविधा फिलहाल दिल्ली, कर्नाटक समेत 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में उपलब्ध है। इनमें अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, गोवा, लक्षद्वीप, मिजोरम, ओडिशा और सिक्किम शामिल हैं। इन क्षेत्रों में मकान सूचीकरण और आवास जनगणना के तहत स्वगणना 15 अप्रैल तक चलेगी।

बंगाल में मतगणना के बाद तय होगा कार्यक्रम

पश्चिम बंगाल में स्वगणना का कार्यक्रम अभी तय नहीं हुआ है। विधानसभा चुनाव के बाद राज्य सरकार से चर्चा कर इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

वहीं तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में भी चुनाव के कारण अलग-अलग तारीखों से यह प्रक्रिया शुरू होगी। जनगणना महारजिस्ट्रार कार्यालय ने कहा है कि यह ऑनलाइन व्यवस्था सुरक्षित और सटीक है। लोगों से अपील की गई है कि वे स्वयं अपनी जानकारी दर्ज करें।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

अगर कोई व्यक्ति आपसे जलता है तो ये उसकी बुरी आदत है, बल्कि आपकी काबिलियत है, जो उसे ये काम करने पर मजबूर करती है!

भू-भारती कानून ने भूमि प्रशासन को नई दिशा दी : मंत्री पोंगुलेटी

मंत्री ने सचिवालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में राज्य के राजस्व, आवास और सूचना मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि भू-भारती कानून ने भूमि प्रशासन को नई दिशा दी है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य की राजस्व व्यवस्था का पुनर्निर्माण किया जा रहा है।

14 अप्रैल को इस कानून के लागू होने के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मंत्री ने सचिवालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक वर्ष का पड़ाव नहीं, बल्कि तेलंगाना में भूमि अधिकारों की सुरक्षा के लिए एक नए युग की शुरुआत है।

मंत्री ने बताया कि भूभारती कानून लागू होने से पहले पुरानी व्यवस्था और धरणी पोर्टल के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अपनी जमीन के अधिकार साबित करने के लिए लोगों को दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। सरकार ने 14 अप्रैल 2025 को डॉ. बी. आर. अंबेडकर की जयंती पर भू-भारती पोर्टल लॉन्च किया था। मंत्री ने कहा कि यह पोर्टल किसानों के लिए मजबूत साधन बनकर उभरा है और भूमि विवादों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

पिछले एक साल में इस पोर्टल को 5 करोड़ से अधिक बार देखा गया, जबकि लगभग 70 लाख लोगों ने लॉगिन किया। इस दौरान 3.80 लाख से अधिक पासबुक जारी की गईं। सरकार ने राजस्व, सर्वे, स्टांप्स और रजिस्ट्रेशन विभागों को एकीकृत कर एनआईसी के सहयोग से इंटीग्रेटेड भूभारती पोर्टल विकसित किया है, जिसे इस महीने 5 जिलों के 5 मंडलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया है। मंत्री ने कहा कि अब हर सर्वे नंबर को 'भूधार' नंबर दिया जाएगा और भूमि विवादों के स्थायी समाधान की दिशा में काम किया जा रहा है। जिन गांवों में अब तक नक्शे नहीं थे, वहां आधुनिक तकनीक 'रोवर' के जरिए पुनः सर्वे किया जा रहा है।

राज्य में 5,520 लाइसेंस प्राप्त सर्वेयर नियुक्त किए गए हैं और आधुनिक उपकरणों के उपयोग से सर्वे कार्य को तेज किया जा रहा है। पुराने पारंपरिक उपकरणों की जगह नई तकनीक अपनाई जा रही है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य पारदर्शी, जवाबदेह और तेज़ राजस्व प्रणाली बनाना है, जिससे आम लोगों को आसानी से सेवाएं मिल सकें और भूमि संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान हो सके।

सीएम रेवंत रेड्डी ने परिसीमन पर 'हाइब्रिड मॉडल' का प्रस्ताव रखा

राष्ट्रीय बहस और विशेषज्ञ समिति की मांग

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर महिला आरक्षण विधेयक और परिसीमन को एक ही मुद्दे के रूप में प्रस्तुत करने पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने केंद्र सरकार से संसद और सभी विधानसभाओं में इस पर बहस कराने, एक विशेषज्ञ समिति गठित करने तथा सभी राजनीतिक दलों से परामर्श करने की मांग की। सचिवालय में सोमवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने देश में संसदीय सीटों के पुनर्गठन के लिए 'हाइब्रिड मॉडल' का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित 272 अतिरिक्त सीटों में से 136 सीटें प्रो-राटा आधार पर और शेष 136 सीटें सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के आधार पर आवंटित की जानी चाहिए, ताकि राष्ट्रीय उत्पादन में अधिक योगदान देने वाले राज्यों को प्राथमिकता मिल सके। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के 50 प्रतिशत सीट वृद्धि के प्रस्ताव पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह देश के अस्तित्व के लिए हानिकारक होगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि केरल (20 सीट) और उत्तर प्रदेश (80 सीट) के बीच का अंतर 60 सीटों का है, जो 50 प्रतिशत वृद्धि लागू होने पर 90 सीटों तक बढ़ जाएगा। इसी तरह तेलंगाना और उत्तर प्रदेश के बीच का अंतर 94 सीटों तक पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि दक्षिणी राज्यों के कुल 130 सीटें 50 प्रतिशत वृद्धि के बाद केवल 195 तक बढ़ेंगी, जबकि उत्तरी राज्यों की 413 सीटें बढ़कर 621 हो जाएंगी। रेवंत रेड्डी ने कहा कि दक्षिणी राज्यों में परिवार नियोजन के कारण जनसंख्या वृद्धि कम रही है, जबकि उत्तरी राज्यों में जनसंख्या अधिक बढ़ी है, जिसका सीधा असर राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार दक्षिणी राज्यों को राजनीतिक रूप से दूसरे दर्जे पर धकेलने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली और पंजाब जैसे छोटे राज्यों की भी राजनीतिक प्रासंगिकता प्रभावित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस मुद्दे पर दक्षिणी राज्यों के सभी मुख्यमंत्रियों और पंजाब, दिल्ली जैसे छोटे राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर सहयोग मांगेंगे। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि केंद्र सरकार परिसीमन और महिला आरक्षण दोनों मुद्दों पर एक साथ विशेष सत्र क्यों बुला रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार यह माहौल बनाने की कोशिश कर रही है कि विपक्ष महिला आरक्षण और परिसीमन का विरोध कर रहा है, जबकि दोनों मुद्दों पर अलग-अलग चर्चा होनी चाहिए। महिला आरक्षण विधेयक पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि इसे 2026 की जनगणना के बाद ही लागू किया जाना चाहिए और उसी आधार पर 2029 लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनावों में लागू किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने 2023 में भी महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन किया था और यदि 2024 लोकसभा चुनाव में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होता तो 181 महिलाएं चुनी जा सकती थीं। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस पार्टी महिला आरक्षण की पूरी तरह समर्थक है और यह समर्थन 2026 की जनगणना के आधार पर भी जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि राजीव गांधी के कार्यकाल से ही कांग्रेस इस मुद्दे पर प्रतिबद्ध रही है और सोनिया गांधी के नेतृत्व में राज्यसभा में यह विधेयक पारित भी हुआ था, लेकिन भाजपा के समर्थन न देने के कारण इसे मंजूरी नहीं मिल सकी। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का, मंत्री सीतक्का, पोन्नम प्रभाकर, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, सरकारी सलाहकार केशव राव तथा सांसद उपस्थित रहे।

मूसी परियोजना में भागीदारी की मांग

विस्थापितों ने डिप्टी सीएम को सौंपा ज्ञापन

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मदुह पार्क रिज ए ब्लॉक से विस्थापित निवासियों ने मूसी पुनरुद्धार परियोजना में खुद को हितधारक के रूप में शामिल करने की मांग की है। इन निवासियों ने सोमवार को हैदराबाद स्थित प्रजा भवन में उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का से मुलाकात कर न्याय की मांग की और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी मूसी पुनरुद्धार परियोजना के तहत तीन प्रस्ताव प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि वे विस्थापित लोग हैं, लेकिन परियोजना का विरोध नहीं करते, बल्कि इसमें भागीदार बनकर विकास प्रक्रिया में शामिल होना चाहते हैं। इस पर उप-मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सभी तीन प्रस्तावों को मानवीय दृष्टिकोण से परखा जाएगा और न्याय सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने ई.वी. नरसिम्हा रेड्डी और रंगारेड्डी जिला कलेक्टर नारायण रेड्डी को निर्देश दिया कि वे निवासियों द्वारा दिए गए प्रस्तावों की समीक्षा कर रिपोर्ट मूसी कैबिनेट उप-समिति को सौंपें।

अंबेडकर का संघर्ष पूरी दुनिया के लिए आदर्श : रेवंत रेड्डी

डॉ.बी.आर. अंबेडकर जयंती पर मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती (14 अप्रैल) के अवसर पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने समाज के वंचित वर्गों के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया और दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्गों तथा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निरंतर संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि अंबेडकर ने अपने दूरदर्शी दृष्टिकोण से देश के भविष्य की रूपरेखा तैयार की और संविधान का निर्माण किया, जो आज भी प्रेरणा का स्रोत है। सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए अंबेडकर का संघर्ष पूरी दुनिया के लिए आदर्श है और उनके आदर्शों को साकार करने के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार अंबेडकर के विचारों से प्रेरित होकर एससी उपवर्गों के वर्गीकरण, बीसी आरक्षण वृद्धि जैसे महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। साथ ही एससी-एसटी सब-प्लान को प्रभावी रूप से लागू कर समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकारी आवासीय विद्यालयों में मेस और कॉस्मेटिक शुल्क बढ़ाकर छात्रों के कल्याण में सुधार किया गया है। इसके अलावा हर विधानसभा क्षेत्र में 'यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल' स्थापित किए जा रहे हैं, जहां सभी वर्गों के बच्चों को एक साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी।

महिला आरक्षण बिल को लेकर भाजपा पर कांग्रेस का हमला

तेलंगाना महिला कांग्रेस अध्यक्ष एर्राबेल्ली स्वर्णा ने लगाए आरोप

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना महिला कांग्रेस अध्यक्ष एर्राबेल्ली स्वर्णा ने सोमवार को भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार आगामी 16 तारीख को महिला आरक्षण विधेयक को राजनीतिक लाभ के लिए पेश करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा यह कदम तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में आगामी चुनावों में संभावित हार की आशंका के चलते उठा रही है। स्वर्णा ने कहा कि महिला आरक्षण पर चर्चा पिछले 40 वर्षों से चल रही है, जिसकी शुरूआत पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कार्यकाल में हुई थी। उन्होंने बताया कि उस समय संसद और राज्यसभा में इस मुद्दे पर चर्चा की गई थी और एक संसदीय समिति का गठन भी किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में यूपीए सरकार ने राज्यसभा में महिला आरक्षण बिल को सफलतापूर्वक पारित कराया था, जबकि 2013 में सोनिया गांधी के सुझाव पर इसे फिर से संसद में लाया गया, लेकिन मंजूरी नहीं मिल सकी। कांग्रेस नेता ने कहा कि वर्तमान कानून के अनुसार महिलाओं को आरक्षण का लाभ 2034 तक लागू नहीं हो पाएगा, क्योंकि यह जनगणना और परिसीमन प्रक्रिया पर निर्भर है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि भाजपा की मंशा वास्तव में ईमानदार होती, तो यह बिल पहले ही लागू किया जा चुका होता। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल चुनावी लाभ के लिए इस मुद्दे का उपयोग कर रही है। स्वर्णा ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी पिछले 40 वर्षों से महिलाओं के आरक्षण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध रही है और 1992 के 73वें संविधान संशोधन के माध्यम से पंचायत स्तर पर महिलाओं को आरक्षण देकर लगभग 15 लाख महिलाओं को लाभ पहुंचाया गया था। उन्होंने मांग की कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के साथ-साथ अन्य पिछड़ा वर्ग को भी इस आरक्षण में उचित हिस्सा दिया जाना चाहिए। इस अवसर पर राज्य स्तरीय महिला कांग्रेस नेता, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री सीतक्का ने केसीआर को भेजा कानूनी नोटिस

'आंगनवाड़ी फोन घोटाले' के आरोपों पर माफी की मांग

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री दानसरी अनसूया सीतक्का ने सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव को कानूनी नोटिस जारी किया। इसमें आंगनवाड़ी केंद्रों को मोबाइल फोन वितरण से जुड़े कथित मानहानिकारक बयानों पर बिना शर्त सार्वजनिक माफी की मांग की गई है। अपने अधिवक्ता नागुलुरी कृष्ण कुमार के माध्यम से भेजे गए नोटिस में मंत्री ने 30 करोड़ रुपये के कथित घोटाले के आरोपों को 'झूठा' निराधार और आधिकारिक रिकॉर्ड की जांच के बिना लगाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि ये दावे बीआरएस के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स के जरिए 'दुर्भावनापूर्ण इरादे' से प्रसारित किए गए, ताकि उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया जा सके। नोटिस में केसीआर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से संबंधित पोस्ट हटाने और 48 घंटे के भीतर सार्वजनिक माफी जारी करने को कहा गया है। इसमें चेतावनी दी गई है कि ऐसा न करने पर उनके खिलाफ सिविल और आपराधिक मानहानि के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सीतक्का ने आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि स्मार्टफोन की खरीद प्रक्रिया में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। नोटिस के अनुसार, टेंडर प्रक्रिया तेलंगाना टेक्नोलॉजी सर्विसेज लिमिटेड द्वारा संचालित की गई, जिसने निर्धारित प्रक्रियाओं के तहत निविदाएं आमंत्रित कर अनुबंध प्रदान किया। नोटिस में कहा गया कि वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की एक टेंडर मूल्यांकन समिति ने निविदाओं का परीक्षण कर अंतिम निर्णय लिया और मंत्री इस समिति की सदस्य नहीं थीं तथा अनुबंध देने में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। मंत्री ने आरोपों के आधार पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जब टेंडर की कुल राशि लगभग 44 करोड़ रुपये है, तो 30 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार का आरोप 'प्रथम दृष्टया झूठा और हास्यास्पद' है। नोटिस में यह भी कहा गया कि इन पोस्ट्स को सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित किया गया और बीआरएस से जुड़े कई खातों ने इन्हें बढ़ावा दिया, जिससे उनकी सार्वजनिक छवि और विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा। बाद में मीडिया से बातचीत में सीतक्का ने कहा कि बीआरएस इस मुद्दे पर लगातार 'झूठा और दुर्भावनापूर्ण अभियान' चला रही है, जिसके कारण उन्हें कानूनी कार्रवाई करनी पड़ी। उन्होंने केसीआर से पार्टी के सोशल मीडिया विंग द्वारा फैलाए जा रहे कथित भ्रामक प्रचार की जिम्मेदारी लेने की मांग की, साथ ही स्पष्ट किया कि उनके प्रति कोई व्यक्तिगत दुर्भावना नहीं है। मंत्री ने याद दिलाया कि इससे पहले भी उन्होंने ऐसे मामलों में कानूनी नोटिस जारी किए हैं। सीतक्का ने दोहराया कि टेंडर प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी तरीके से तेलंगाना टेक्नोलॉजी सर्विसेज लिमिटेड के माध्यम से तय नियमों के अनुसार पूरी की गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य विधानसभा में बीआरएस विधायक के.टी. रामाराव द्वारा लगाए गए समान आरोपों का खंडन करने के बाद पार्टी ने उनके खिलाफ अभियान और तेज कर दिया।

गर्मी को देखते हुए सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा, जीएम श्रीवास्तव ने दिए निर्देश

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने रेल संचालन की सुरक्षा को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक की। यह बैठक रेल निलयम, सिकंदराबाद में आयोजित की गई, जिसमें आगामी गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए विशेष सतर्कता और सुरक्षा उपायों पर चर्चा हुई।

बैठक में अतिरिक्त महाप्रबंधक सत्य प्रकाश सहित सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे, जबकि विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ डिवीजनों के मंडल रेल प्रबंधकों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया।

जीएम श्रीवास्तव ने कहा कि गर्मी के दौरान रेलवे संचालन सुरक्षित और निर्बाध बनाए रखने के लिए सभी स्तरों पर सक्रिय कदम उठाना जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को रेल थर्मामीटर के उपयोग को बढ़ाने और ट्रैक संरचना को मजबूत करने के निर्देश दिए, ताकि अत्यधिक तापमान का प्रभाव कम किया जा सके।

उन्होंने नियमित सुरक्षा निरीक्षण करने, बैलास्ट रिकूपिंग और भराई कार्य को प्राथमिकता देने तथा ट्रैक स्थिरता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

इसके साथ ही ट्रेनों में आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए जोखिम विश्लेषण कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश भी दिए गए।

महाप्रबंधक ने पुलों और निर्माण स्थलों पर सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने, फील्ड स्टाफ के लिए सावधानी आदेश जारी करने तथा ट्रेनों में विद्युत केबलों की टेम्पर-प्रूफ लॉकिंग सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि गर्मी के चुनौतीपूर्ण मौसम में सतर्कता, निरीक्षण और समय पर कार्रवाई रेलवे सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

नागरिकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों की खैर नहीं : सज्जनार

एच-एफएएसटी की कार्रवाई में 129 टन नकली खाद्य पदार्थ जब्त

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में बढ़ती खाद्य मिलावट पर लगाम लगाने के लिए पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि नागरिकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सोमवार को उन्होंने बेगम बाजार स्थित एच-एफएएसटी (खाद्य तस्करी-रोधी कार्य बल) कार्यालय का निरीक्षण किया और वहां की कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने रिसेप्शन, इंस्पेक्टर और एसआई कार्यालयों के साथ-साथ लॉकअप और महिला कर्मचारियों के विश्राम कक्ष का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने फील्ड स्टाफ के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं और आश्वासन दिया कि विभागीय बाधाओं को शीघ्र दूर किया जाएगा। पुलिस आयुक्त ने बताया कि फरवरी महीने से अब तक एच-एफएएसटी टीम ने शहरभर में 117 मामले दर्ज कर लगभग 129.34 टन मिलावटी खाद्य सामग्री जब्त की है। उन्होंने इस उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि यह इकाई बहुत कम समय में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुकी है, जो टीम के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि खाद्य मिलावट समाज के लिए एक गंभीर समस्या है, जो नागरिकों के जीवन को प्रभावित करती है। इसे खत्म करने के लिए पूरे विभाग को मिशन मोड में काम करना होगा। सीपी सज्जनार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मिलावटखोरों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए और फूड सेफ्टी अधिकारियों के साथ समन्वय बढ़ाकर योजनाबद्ध तरीके से अभियान चलाया जाए। इस दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 108 पुलिसकर्मियों को प्रशंसा पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में डीसीपी टास्क फोर्स एवं एच-एफएएसटी प्रमुख गायकवाड़ वैभव रघुनाथ, अतिरिक्त डीसीपी आंदे श्रीनिवास राव सहित कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

क्रिटिकल मिनरल की खोज से आर्थिक विकास को मिलेगा बढ़ावा : विवेक

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, रोजगार और खान मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि क्रिटिकल मिनरल की खोज देश और राज्य दोनों की आर्थिक स्थिति पर महत्वपूर्ण और सकारात्मक प्रभाव डालेगी। उन्होंने कहा कि इन खनिजों का अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजारों में अत्यधिक महत्व है, जिससे यह क्षेत्र भविष्य के विकास के लिए बेहद अहम बन जाता है। मंत्री ने बताया कि खदानों के आवंटन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने कई कदम उठाए हैं। तेलंगाना में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सभी खनिज संसाधनों को पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से आवंटित करने का नीति निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में इस नीति से राज्य के राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और बड़ी संख्या में निजी कंपनियों ने नीलामी प्रक्रिया में भाग लिया है। मंत्री यह बातें खनन मंत्रालय द्वारा एचआईसीसी नोवोटेल में आयोजित रोड शो के दौरान कह रहे थे। 'क्रिटिकल मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी' और 'एक्सप्लोरेशन लाइसेंस' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

पूर्व तट रेलवे

ओवर हेड ट्रैक्शन वायर ऊर्जीकरण की सार्वजनिक अधिसूचना प्रारूप-10.01

पूर्व तट रेलवे के निम्न वर्णित सेक्शन के पूरा हो चुके सेक्शन स्थित रेलवे लाइनों एवं परिसरों का उपयोग करने वाले सभी जनों को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि 25,000 वोल्ट, 50 Hz, AC ओवर हेड ट्रैक्शन वायर निर्दिष्ट सेक्शन के अंतर्गत विनिर्धारित तिथि को अथवा तत्पश्चात ऊर्जीकृत किया जाएगा। इस तिथि से या उसके बाद उक्त ओवर हेड ट्रैक्शन लाइन हर समय के लिए ऊर्जीकृत एवं सक्रिय रहेगा तथा कोई अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवर हेड लाइन के पास न जाये और न ही उसके आसपास कोई कार्य करे।

सेक्शन	मंडल	ऊर्जीकरण की तिथि
वाडलापुडी - गेट जंक्शन के बीच तीसरी और चौथी लाइन सहित गंगावरम पोर्ट - विशाखापट्टनम स्टील प्लांट तक टाई लाइन।	वाल्टियर	15.05.2026

AC 25 KV ट्रैक्शन की शुरूआत "सड़क उपयोगकर्ताओं को चेतावनी" प्रारूप-10.02

यह सर्वसाधारण की सूचना हेतु अधिसूचित किया जाता है कि "पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मंडल के **वाडलापुडी - गेट जंक्शन के बीच तीसरी और चौथी लाइन सहित गंगावरम पोर्ट - विशाखापट्टनम स्टील प्लांट तक टाई लाइन सेक्शन** के ऊपर 25,000 वोल्ट एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन की शुरूआत" से संबंधित ऊर्जित ट्रैक्शन वायर (**संपर्क तार**), जो रेलवे फाटक के स्तर पर न्यूनतम 5.5 मीटर की ऊँचाई पर होगा, के संपर्क में या खतरनाक तरीके से नजदीक आने से रोकने के लिए सड़क स्तर से 4.78m की स्पष्ट ऊँचाई पर सभी समपारों पर स्पष्ट हाईट गेज लगा दिया गया है।

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि वे वाहनों में माल लदान के दौरान ऊपर निर्दिष्ट ऊँचाई का ध्यान रखें तथा देखें कि सड़क वाहनों में ढोये जाने वाला भार किसी भी परिस्थिति में हाइट गेज का अतिक्रमण न करे।

अधिक ऊंचाई के लोड से खतरा निम्नानुसार है :

(1) हाइट गेज के लिए खतरनाक है तथा परिणामस्वरूप सड़क और रेलवे लाइन के लिए भी बाधक है।
(2) वाहनों में ढोये जानेवाली सामग्री अथवा उपकरण अथवा खुद वाहन हेतु खतरा।
(3) कन्डक्टर के संपर्क में आने से या खतरनाक निकटता की वजह से आग का खतरा और जीवन का जोखिम।

PR-13/CJ/26-27 उप मुख्य विद्युत अभियन्ता / विशाखापट्टनम

सीएम योगी ने सुरक्षा, पेट्रोल और पाकिस्तान से शुरू किया भाषण

माफिया और अपराधियों को सबक सिखाने तक पहुंच गए

मुजफ्फरनगर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। सीएम ने कहा कि सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि माफिया और अपराधियों के लिए प्रदेश में कोई जगह नहीं है। बेटियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और उनके लिए इस धरती पर कोई स्थान नहीं होगा, और ध्यान याद रखें जब बंटे थे तभी कटे थे। आज कांवड़ यात्रा में बेडिकेडिंग नहीं लगती बल्कि हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा होती है। उन्होंने मुजफ्फरनगर को मिली 951 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं के लिए जिले के जनप्रतिनिधियों और सभी नागरिकों को बधाई दी। उन्होंने विश्वास दिलाया कि विकास के मामले में सरकार जनता को कभी निराश नहीं होने देगी।

कार्यक्रम के अंत में उन्होंने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर उन्हें नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की और सभी को शुभकामनाएं दीं। इसी बीच जनसभा में मौजूद कुछ समर्थकों ने सीएम योगी के चित्र के पोस्टर पकड़े थे, जिनमें से कुछ को सीएम ने मंच पर आमंत्रित भी किया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि नया भारत अपनी विरासत का सम्मान करते हुए विकास के माध्यम से युवाओं के लिए नए अवसर तैयार करे और देश को आगे बढ़ाए।

उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों में अब भाई-भतीजावाद या सिफारिश की कोई गुंजाइश नहीं है। युवाओं से उन्होंने कहा कि अगर वे मेहनत करेंगे तो उन्हें जरूर सफलता मिलेगी। सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया है, इसलिए युवाओं को निराश होने की जरूरत नहीं है, बल्कि पूरी मेहनत और लगन के साथ तैयारी करनी चाहिए।

उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे मजबूती और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। सरकार लगातार रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रही है और भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से की जा रही है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में करीब 11 हजार युवाओं ने रोजगार के लिए पंजीकरण कराया है। जिन युवाओं को आज नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं, उन्हें उन्होंने बधाई दी और कहा कि जिन्हें अभी अवसर नहीं मिल पाया है, उन्हें भी आगे और मौके दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं के लिए नई योजनाएं और सुविधाएं ला रही है, ताकि अधिक से अधिक रोजगार के अवसर पैदा किए जा सकें।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। इसके बावजूद उन्होंने लोगों से अपील की कि क्षेत्र में जो सकारात्मक और सुखद वातावरण बना है, उसे बनाए रखें और समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' और 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन को साकार करने के लिए हर भारतवासी को इस संकल्प से जुड़ना होगा और हर स्तर पर प्रयास करना होगा।

श्रमिकों की मांगों पर विचार करने लिए सीएम योगी ने गठित की उच्चस्तरीय कमेटी, जांच शुरू

नोएडाः वेतनवृद्धि और ओवरटाइम समेत अन्य मांगों को लेकर सोमवार को नोएडा में श्रमिक सड़कों पर उतर आए। श्रमिकों का विरोध-प्रदर्शन उग्र हो गया। देखते ही देखते तोड़फोड़ और आगजनी में विरोध प्रदर्शन बदल गया। वहीं, सीएम योगी आदित्यनाथ ने श्रमिकों के विरोध-प्रदर्शन का संज्ञान लिया। इसके साथ ही श्रमिकों की मांगों पर विचार करने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जनपद गौतमबुद्ध नगर में उत्पन्न औद्योगिक असामंजस्य की स्थिति के दृष्टिगत, संबंधित स्टेकहोल्डर्स के साथ प्रभावी संवाद स्थापित कर औद्योगिक सौहार्द एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है।

सीएम योगी के मुजफ्फरनगर दौरे पर अखिलेश का तंज

मेरठ जाने की दी सलाह, भाषण के अलावा लोगों का दर्द भी सुनें

मेरठ, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ के मुजफ्फरनगर दौरे को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि अगर मुख्यमंत्री मुजफ्फरनगर जा रहे हैं तो उन्हें मेरठ में सेंट्रल मार्केट के व्यापारियों से भी मिलना चाहिए या कम से कम उन्हें मिलने के लिए बुलाना चाहिए। सपा प्रमुख ने अपने पोस्ट में कहा कि जब इतनी गाड़ियों से भीड़ बुलाई जा रही है तो मेरठ के दुखी परिवारों को भी बुलाया जाना चाहिए, ताकि वे अपना दर्द सीधे मुख्यमंत्री के सामने रख सकें।

मेरठ के व्यापारियों से मिलने की सलाह

अखिलेश यादव ने कहा कि मुजफ्फरनगर और मेरठ के बीच ज्यादा दूरी नहीं है। ऐसे में मुख्यमंत्री को मेरठ के व्यापारियों से मिलकर उनकी समस्याएं सुननी चाहिए। उन्होंने इशारों में कहा कि प्रदेश में कई लोग परेशान हैं और उन्हें भी अपनी बात रखने का मौका मिलना चाहिए। सपा अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि क्या मुख्यमंत्री केवल मंच से एकतरफा भाषण देंगे या लोगों का दुख-दर्द भी सुनेंगे। उन्होंने तंज कसते हुए लिखा कि दर्द भी आपने ही दिया है, इसलिए उसका इलाज भी आपको ही करना चाहिए। राजनीतिक तौर पर इसे प्रदेश की सियासत में बयानबाजी के नए दौर के रूप में देखा जा रहा है, जहां विपक्ष लगातार सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। मेरठ के सेंट्रल मार्केट प्रकरण को लेकर पलायन के पोस्टर लेकर धरने पर बैठी महिलाओं के बीच आज दोपहर समाजवादी पार्टी के विधायक अतुल प्रधान पहुंचे। इस दौरान महिलाओं ने अपनी समस्याएं बताते हुए भावुक होकर अपनी पीड़ा साझा की। बात करते-करते कई महिलाओं की आंखों से आंसू छलक पड़े।

महिलाओं ने हाथ जोड़कर विधायक से मदद की गुहार लगाई और अपनी सुरक्षा व समस्याओं के समाधान की मांग की। विधायक ने महिलाओं को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से उठाया जाएगा और संबंधित अधिकारियों से बात कर उचित कार्रवाई कराई जाएगी।

किशोर अपहरण-हत्या केस में बड़ी लापरवाही

एसपी ने कोतवाल समेत तीन पुलिसकर्मी को किया निलंबित

जालौन, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के माधौगढ़ कोतवाली क्षेत्र में हुए बहुचर्चित किशोर अपहरण और हत्या के मामले में पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने बड़ी कार्रवाई की है। पूरे मामले में लापरवाही के आरोपों के चलते माधौगढ़ कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक विकेश बाबू सहित तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, ग्राम रुदपुरा निवासी परमाल सिंह के 16 वर्षीय पुत्र कमल प्रताप सिंह का 25 मार्च को अपहरण कर लिया गया था। किशोर अपने ही गांव के दोस्तों रोहित याज्ञिक और तेज प्रताप से मिलने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों ने 27 मार्च को माधौगढ़ कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई। इसके बाद किशोर के मोबाइल नंबर से ही उसकी मां को संदेश भेजकर 30 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई।

आरोपी ने कबूला जुर्म

जांच के दौरान आरोपी रोहित ने पुलिस पूछताछ में बताया कि कमल प्रताप की हत्या कर दी गई है। उसने खुलासा किया कि शव को घर के पास पशुबाड़े में बोरे में भरकर मिट्टी में दबा दिया गया था। पुलिस ने मौके से शव बरामद कर लिया।

मुठभेड़ में लगी गोली

घटना के खुलासे के दौरान हत्या में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी के लिए आरोपियों को ले जाते समय उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली से मुख्य आरोपी रोहित के पैर में गोली लग गई, जबकि दूसरा आरोपी तेज प्रताप ने मौके पर आत्मसमर्पण कर दिया।

पुलिसकर्मियों पर क्या आरोप?

पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह को जांच में गंभीर लापरवाही के तथ्य मिले। सामने आया कि कोतवाली प्रभारी बिकेश बाबू ने मामले में तत्परता नहीं दिखाई। वहीं, उपनिरीक्षक रामऔतार सिंह पर रुपये मांगने और एक दीवान पर परिजनों को गुमराह करने के आरोप लगे। इन अनियमितताओं को देखते हुए एसपी ने शनिवार रात तत्काल प्रभाव से तीनों पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया। वहीं, पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दूल्हे के पिता समेत 6 बारातियों की मौत

हापुड़, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के हापुड़ में रविवार देर रात 1.30 बजे बारातियों से भरी बस को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में 5 बारातियों समेत 6 की मौके पर मौत हो गई। 7 गंभीर हैं। बारात गाजियाबाद के डासना से बुलंदशहर के गुलावठी गई थी। बस में कुल 13 बाराती थे। बाकी दूसरी कारों से पीछे आ रहे थे। शादी के बाद वापस लौटते वक्त बस रोड किनारे खड़ी थी।

रास्ता काफी सकरा था। इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बस को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद रोड की ढलान पर पहले बस पलटी, फिर बेकाबू ट्रक भी उस पर पलट गया। भारी भरकम ट्रक के पलटने पर बस पिचक गई। बस की छत उखड़कर अलग हो गई। बाराती अंदर दब गए। चीख-पुकार मच गई। पीछे आ रहे बारातियों ने पुलिस को सूचना दी। बस के शीशे तोड़कर कुछ लोगों को बाहर निकाला गया।

नोएडा के सेक्टर 57 में 50 कंपनी और 200 गाड़ियों में तोड़फोड़

आग लगाने की कोशिश; पुलिस ने किया लाठीचार्ज

नोएडा, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। गौतमबुद्धनगर जिले के नोएडा में निजी कंपनियों के कर्मचारियों का प्रदर्शन जारी है। प्रदर्शनकारी कई सेक्टरों में जमकर उत्पात मचा रहे हैं। पुलिस ने उपद्रवियों पर लाठीचार्ज भी किया है। सेक्टर 57 में पिछले एक घंटे में प्रदर्शनकारियों ने करीब पचास कंपनियों और दो सौ गाड़ियों में तोड़फोड़ की है।

उन्होंने कंपनी को आग लगाने की कोशिश भी की। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस को दौड़ा दिया। सेक्टर 57 में उपद्रवियों ने कंपनियों में तोड़फोड़ की और इमारतों के शीशे तोड़े, जिससे स्टाफ को भागना पड़ा। बड़ी संख्या में कंपनियों में तोड़फोड़ और पथराव हुआ। सेक्टर 59 में पुलिस की जीप का शीशा तोड़ा गया और कंपनी में आग लगाने की कोशिश की गई। सेक्टर 58 में श्रमिकों ने आगजनी की और जुलूस के रूप में निकले कर्मचारियों ने कई फैक्ट्रियों में पत्थरबाजी की। उपद्रवी सेक्टर 58 की कंपनी में घुस गए और जमकर तोड़फोड़ की।

प्रदर्शनकारियों का हिंसक रूप

प्रदर्शनकारी अब समूह में निकल रहे हैं। उनके हाथों में डंडे और छड़ हैं। वे लगातार पत्थर भी चला रहे हैं। लोगों ने पुलिस को भी दौड़ाया है। यह प्रदर्शन हिंसक होता जा रहा है।

पुलिस की कार्रवाई

पुलिस ने सेक्टर 57 और सेक्टर 58 में लाठीचार्ज किया है। फेस दो में पत्थरबाजी करने वाले प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए पुलिस ने स्मॉग गन चलाई। प्रदर्शनकारियों ने फैक्ट्रियों के सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ दिए हैं। पुलिस स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने सोमवार को कहा कि पुलिस उन तत्वों की पहचान कर रही है, जिन्होंने कथित तौर पर नोएडा में श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़काई थी, और उन्होंने चेतावनी दी कि उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीजीपी ने कहा कि अशांति में शामिल भड़काने वाले तत्वों और बाहरी तत्वों का पता लगाया जा रहा है। एक बार जब उनकी पहचान स्थापित हो जाएगी, तो उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दो सोशल मीडिया हैंडल पर एफआईआर

अफवाह फैलाने वालों पर पुलिस ने की कार्रवाई

नोएडा, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। नोएडा में कई स्थानों पर प्रदर्शन हुए। इन प्रदर्शनों को कथित तौर पर राज्य के बाहर के तत्वों ने उकसाया था। केवल एक स्थान पर हिंसा देखी गई थी। पुलिस ने न्यूनतम बल का प्रयोग कर स्थिति को नियंत्रण में लिया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि घटना के दौरान कोई गोलीबारी नहीं की गई थी। पुलिस ने कहा कि झूठी और भ्रामक जानकारी फैलाने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने सोमवार को एक बयान जारी किया। पुलिस ने सोमवार को नोएडा में हो रहे फैक्टरी मजदूरों के विरोध प्रदर्शन से संबंधित अफवाहें फैलाने के आरोप में दो सोशल मीडिया हैंडल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

बिकरू कांड की तरह बीच सड़क ट्रैक्टर खड़ा कर खाकी को घेरा

दरोगा समेत पुलिस टीम को दौड़ाकर पीटा

कानपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। बिकरू कांड की तरह नरवल के पाली गांव में भी दबंगों ने दुस्साहस दिखाते हुए पुलिस को घेरकर हमला किया। जुलाई 2020 में जिस तरह बिकरू गांव में कुख्यात विकास दुबे ने पुलिसकर्मियों को रास्ते में जेसीबी खड़ा कर घेरा था उसी तरह पाली में भी हमलावरों ने पुलिस को घेरने के लिए रास्ते में ट्रैक्टर खड़ा कर दिया। हालांकि, पुलिस ने बाद में आरोपी मनोज को गिरफ्तार कर लिया। नरवल थाने के उपनिरीक्षक अनुज तिवारी ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 10 अप्रैल की रात पाली में वाहन चेकिंग में हुए बवाल के दौरान जान पर बन आई। आरोपी मनोज पासवान और उसके डेढ़ दर्जन से ज्यादा साथियों ने पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमला कर दिया। फोर्स बुलाने पर आरोपी वहां से तो भाग निकले लेकिन चौकी के रास्ते पर अंधेरे में सड़क पर ट्रैक्टर खड़ाकर घेरने की कोशिश की।

जब तक थाने में सूचना दी गई तब तक मनोज पासवान ने और साथियों को फोन करके बुला लिया। वह लोग किसी तरह चौकी भागते हुए पहुंचे और अंदर से दरवाजा बंद कर अपनी जान बचाई। इस बीच मनोज अपने दर्जनों साथियों के साथ पुलिस चौकी पर पहुंच गया। हत्या करने की धमकी दी। अतिरिक्त फोर्स पहुंचने की भनक लगते ही आरोपी भाग निकले।

नरवल इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह ने बताया कि बाद में दबिश देकर आरोपी मनोज पासवान को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बिहार में कल नई सरकार, 14 को तीन बड़ी बैठकें

पटना, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। दो दिन बाद यानी 15 अप्रैल को बिहार में नए मुख्यमंत्री शपथ लेंगे। पार्टी दफ्तार से लेकर राजभवन तक इसकी तैयारी चल रही है। आज केवल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के आवास पर बैठक हुई। सोमवार सुबह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पर हाईलेवल मीटिंग चली। इसमें जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, ललन सिंह, बिजेंद्र यादव, विजय चौधरी, श्रवण कुमार, जमा खान मौजूद थे। सभी लोगों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ बैठक की। इसमें 14 अप्रैल को होने वाली एनडीए की विधायक दल की बैठक और जदयू कोटे से बनने वाले मंत्री और निशांत कुमार को लेकर बातचीत हुई।

बैठक खत्म होने के बाद बाहर निकले मंत्री जमा खान ने साफ कहा कि 15 अप्रैल को ही नई सरकार का शपथ ग्रहण होगा। इसकी तैयारी चल रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास से निकलने के बाद बाद ललन सिंह और संजय झा ने डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के आवास पर जाकर बैठक की। यहां पर नेताओं के बीच नए मंत्रिमंडल पर बाचतीत की।

इधर, पटना जिला प्रशासन की ओर से एयरपोर्ट, अणे मार्ग, राजभवन की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पटना में डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम को लोकभवन बुलाया गया था। उन्होंने राज्यपाल से मुलाकात की। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर डीएम को कई दिशा निर्देश दिए गए हैं। सूत्रों की मानें तो केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी भी पटना आ सकते हैं। पीएम मंगलवार शाम को पटना आएंगे। वह लोक भवन में रुकेंगे। पीएम 15 अप्रैल को नई सरकार के शपथ ग्रहण में शामिल होंगे।

भाजपा की बैठक के बाद एनडीए के विधायक दल की बैठक

जनता दल यूनाईटेड के वरिष्ठ नेता संजय झा और विजय चौधरी की ओर से पिछले 24 घंटे में जो बयान जारी किया गया है, उससे साफ लग रहा है कि मुख्यमंत्री के नाम पर जदयू कोई खास लेना देना नहीं है। जदयू का स्पष्ट कहना है कि मुख्यमंत्री भाजपा को ही तय करनी है। इधर, भाजपा में मुख्यमंत्री पद लेकर चर्चा चल ही है। पर्यवेक्षक बने शिवराज सिंह चौहान के आने के बाद ही कुछ स्पष्ट हो पाएगा।

प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने साफ कहा कि 14 अप्रैल को पहले भाजपा के विधायक दल की बैठक होगी। इसके बाद सरकार के गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। सबकुछ तय कार्यक्रम के अनुसार ही चल रहा है। भाजपा की बैठक के बाद एनडीए के विधायक दल के नेताओं की बैठक होगी। इसमें सभी विधायक भाजपा की ओर से तय किए गए चेहरे पर अपनी स्वीकृति देंगे।

संदिग्ध हैदर और उवैद की गिरफ्तारी से बौखलाया आकिब

वीडियो में खुद को बेगुनाह बता रहा; पुलिस कस रही शिकंजा

बिजनौर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल आकिब खान, संदिग्ध जलाल हैदर और उवैद मलिक की गिरफ्तारी के बाद बौखला गया है। कानूनी शिकंजे में खुद को फंसता देख वीडियो जारी कर खुद को बेगुनाह बताने लगा है। उधर पुलिस की रडार पर दो और संदिग्ध हैं, जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार किरतपुर में गाड़ी में आग लगाने की घटना में तीन आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है जबकि एक की तलाश में दूसरे राज्यों में भी दबिश दी जा रही है। बता दें कि इंस्टाग्राम के जरिये की गई कॉल की एक वीडियो नवंबर में वायरल हुई थी। इसमें सऊदी में रहने वाला मेरठ के गांव सठला निवासी आकिब ने दक्षिण अफ्रीका में रहने वाले मैजुल निवासी सौफतपुर थाना नांगल, आजाद निवासी इनामपुरा थाना मेरठ और उवैद निवासी टांडामाईदास थाना नगीना देहात को जोड़ा था। इस वीडियो कॉल में आकिब ने एके-47 और हैंड ग्रेनेड का प्रदर्शन किया था। इस वीडियो के संबंध में पिछले साल नवंबर में थाना नांगल में आकिब, मैजुल और एक अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई थी।

वृंदावन नाव हादसा : यमुना नदी से दो शव और बरामद, मृतकों की संख्या हुई 15, एक अब भी लापता, सर्च ऑपरेशन जारी

मथुरा, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा के वृंदावन में यमुना नदी में 10 अप्रैल को हुए दर्दनाक नाव हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। सोमवार को एनडीआरएफ और स्थानीय पुलिस की टीमों ने सर्च ऑपरेशन के दौरान दो और शव बरामद किया, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है।

पंजाब के यश भल्ला के रूप में हुई पहचान

बरामद किए गए शव की पहचान पंजाब निवासी यश भल्ला उर्फ युवराज और महिला मोनिका के रूप में हुई है। वह उन 16 लोगों में शामिल थे, जो नाव पलटने के बाद यमुना के तेज बहाव में लापता हो गए थे। प्रशासन के अनुसार, यश भल्ला का शव केशीघाट के पास देवराह बाबा घाट के किनारे झाड़ियों में फंसा हुआ मिला। लंबे समय तक पानी में रहने के कारण शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हालत में था।

अब तक 15 शव बरामद, एक की तलाश जारी

सोमवार को चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान अब तक दो शव बरामद किए गए हैं, जिनमें एक महिला मोनिका और दूसरा यश भल्ला का शव शामिल है। इस हादसे में कुल 16 लोग लापता हुए थे, जिनमें से अब तक 15 के शव मिल चुके हैं। हालांकि, एक व्यक्ति अभी भी लापता है और उसकी तलाश जारी है।

एनडीआरएफ और जल पुलिस का संयुक्त अभियान

एनडीआरएफ और जल पुलिस की टीमें लगातार नावों और आधुनिक ड्रोन कैमरों की मदद से यमुना नदी के हर हिस्से को खंगाल रही हैं। सर्च ऑपरेशन को और तेज कर दिया गया है ताकि अंतिम लापता व्यक्ति का जल्द से जल्द पता लगाया जा सके। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जब तक आखिरी व्यक्ति का पता नहीं चल जाता, तब तक यह अभियान जारी रहेगा।

इलाके में शोक, परिजनों का बुरा हाल

इस हृदयविदारक हादसे ने पूरे इलाके में शोक की लहर पैदा कर दी है। खासकर पंजाब से आए मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्रशासन ने जारी किए सख्त निर्देश

घटना के बाद स्थानीय प्रशासन ने नदी किनारे सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया है। साथ ही नावों के संचालन को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

विशेष संसद सत्र से पहले जेडीयू का तीन-लाइन व्हिप

सभी सांसदों की उपस्थिति अनिवार्य

पटना, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने सोमवार को अपने सभी सांसदों के लिए लोकसभा और राज्यसभा में तीन-लाइन व्हिप जारी किया है। पार्टी ने निर्देश दिया है कि सभी सांसद 16 से 18 अप्रैल तक होने वाले विशेष संसद सत्र के दौरान सदन में अनिवार्य रूप से मौजूद रहें।

यह कदम उस विशेष संसद सत्र से पहले उठाया गया है, जिसमें सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम के क्रियान्वयन को आसान बनाने के लिए संशोधन पेश कर सकती है। यह कानून लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने से जुड़ा है। इससे पहले भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने भी अपने सभी सांसदों को तीन-लाइन व्हिप जारी किया था और 16 से 18 अप्रैल तक संसद में मौजूद रहने का निर्देश दिया था। पार्टी ने अपने पत्र में कहा कि सभी सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों की उपस्थिति अनिवार्य है और किसी को भी छुट्टी नहीं दी जाएगी। पत्र में स्पष्ट कहा गया कि सभी सदस्य व्हिप का पालन करें और सदन में लगातार मौजूद रहें। विशेष संसद सत्र 16 अप्रैल से शुरू होगा, जिसमें मुख्य रूप से महिला आरक्षण विधेयक (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) में संशोधन पर चर्चा होगी।

'गुजरात में साथ आ गए भाजपा और कांग्रेस'

अरविंद केजरीवाल ने किया दावा

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात में पंचायत चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है। ऐसे में सभी दलों के बड़े-बड़े नेता भी अपने-अपने उम्मीदवारों के लिए प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। इधर आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दावा किया कि गुजरात में भाजपा और कांग्रेस साथ मिलकर आप के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर अपने एक पोस्ट में लिखा, "गुजरात में बीजेपी और कांग्रेस मिलकर "आप" के ख़िलाफ़ चुनाव लड़ रहे हैं। अब ये लोग खुलकर एक साथ आ गए हैं।"

मनीष सिसोदिया ने किया पोस्ट

इधर मनीष सिसोदिया ने अपने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते किया जिसमें दावा किया कि भाजपा विधायक एक जनसभा को संबोधित करते हुए कह रहे कि कांग्रेस के उम्मीदवार उन्हीं लोगों के द्वारा तय किए जाते हैं। वहीं, दावा किया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने भाजपा को वोट देने को कहा। मनीष सिसोदिया ने पोस्ट में कैप्शन लिखा, "गुजरात में कांग्रेस-बीजेपी की 'डबल-इंजन' सरकार का नज़ारा किसी अजूबे से कम नहीं है। भाजपा विधायक तो यहाँ तक दावा कर रहे हैं कि नगर निगम चुनावों में कांग्रेस के उम्मीदवार भी उन्हीं लोगों द्वारा तय किए जा रहे हैं और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जनता से कह रहे हैं कि वे बेझिझक बीजेपी को वोट दें और आप से दूर रहें। बीजेपी और कांग्रेस का यह साथ अब अधिक समय तक चलने वाला नहीं है।

इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल को पत्र लिखकर स्थानीय निकाय चुनाव से पहले आप कार्यकर्ताओं के खिलाफ सुनियोजित कार्रवाई किए जाने का आरोप लगाया था। साथ उन्होंने मुख्यमंत्री से इस मुद्दे पर मिलने के लिए समय भी मांगा था। पत्र में अरविंद ने राज्य में पिछले तीन माह में दर्ज 145 एफआईआर और 160 से अधिक गिरफ्तारियों का हवाला दिया था। साथ ही आरोप भी लगाया था कि भाजपा सरकार आप कार्यकर्ताओं को निशाना बना रही है।

ऑनलाइन दोस्ती के जाल में फंसी नाबालिग का अपहरण

बुर्के में छिपाई पहचान, आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। शहर के खाराकुआं थाना क्षेत्र से नाबालिग बालिका के अपहरण का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। 13 वर्षीय मासूम को क्षेत्र का ही एक युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और पहचान छिपाने के लिए उसे बुर्का पहनाकर अपने घर में रखा। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर घेराबंदी कर कुछ ही घंटों में बालिका को सुरक्षित बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। खाराकुआं थाना प्रभारी लक्ष्मणसिंह देवड़ा ने बताया कि शनिवार रात करीब 11 बजे बालिका के माता-पिता थाने पहुंचे और बेटी के लापता होने की सूचना दी। प्रारंभिक रूप से गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की गई लेकिन रात करीब 1 बजे परिजनों ने अपहरण की आशंका जताते हुए दोबारा शिकायत दर्ज कराई।

सीमेंट मिक्सर वैन की टक्कर में 11 की मौत

ठाणे, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे में सोमवार सुबह एक सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा सुबह करीब 10:45 बजे मुर्बाड के गोविली गांव स्थित रायता ब्रिज पर हुआ। पुलिस ने बताया कि कल्याण से मुर्बाड जा रही एक वैन की सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर से आमने-सामने टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी तेज थी कि वैन में सवार 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मुर्बाड के तहसीलदार अभिजीत देशमुख के मुताबिक, घायलों को उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मरने वालों में आठ पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। इसी बीच पुलिस ने बताया कि अब तक छह मृतकों की पहचान हो चुकी है, जबकि बाकी की पहचान की प्रक्रिया जारी है। हादसे के बाद कुछ घंटों तक कल्याण से अहिल्यानगर जाने वाले मार्ग पर लंबा जाम लग गया।

बंगाल में आरोप-प्रत्यारोप तेज

भाजपा बोली-टीएमसी कर रही नियमों का उल्लंघन; ईसीआई जांच में जुटा

कोलकाता, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। तृणमूल के एक उम्मीदवार ने धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करके आचार संहिता के कथित उल्लंघन की शिकायतें मिली। इसके बाद, आयोग के अधिकारी मामले की जांच के लिए हावड़ा जिले के बाली गए। यह जानकारी चुनाव आयोग के अधिकारियों ने सोमवार को दी। भाजपा ने आरोप लगाया है कि बाली से तृणमूल उम्मीदवार कैलाश मिश्रा ने मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए 'नाम-संकीर्तन' का आयोजन किया। उम्मीदवार का नाम 'संकीर्तन' कार्यक्रम में शामिल है।

चुनाव आयोग कर रहा जांच

शिकायत मिलने के बाद, चुनाव अधिकारी रविवार शाम को केंद्रीय बलों के साथ मौके पर 'संकीर्तन' कार्यक्रम का निरीक्षण करने गए। उन्होंने पूछताछ की और यह देखना चाहा कि क्या इसके लिए कोई अनुमति प्राप्त थी। तृणमूल ने इस घटना को लेकर भाजपा को निशाना बनाया है। जैसे-जैसे मतदान का दिन नजदीक आ रहा है, बाली में राजनीतिक माहौल गरमाता जा रहा है। भाजपा उम्मीदवार संजय सिंह ने आरोप लगाया कि उनके प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार ने तृणमूल कार्यालय के सामने एक धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया, जो चुनाव आयोग के नियमों की पूरी तरह से अवहेलना दर्शाता है।

मंच पर लगे बैनर पर तृणमूल उम्मीदवार का नाम भी अंकित है। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार, किसी उम्मीदवार को धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करने की अनुमति नहीं है, जब तक कि पहले से विशेष अनुमति प्राप्त न कर ली जाए। शिकायत मिलने पर आयोग मौके पर गया और आयोजकों से प्रशासनिक अनुमति मांगी। तृणमूल के एक नेता के अनुसार, उनके उम्मीदवार कैलाश ने आयोग के अधिकारियों से बात की और उन्होंने कहा कि यदि अनुमति नहीं मिली तो कार्यक्रम को रोकना पड़ेगा।

धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की कोशिश

कैलाश ने दावा किया कि भाजपा सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, वे हमारे कार्यक्रम को रोकने के लिए चुनाव आयोग और प्रशासन का इस्तेमाल कर रहे हैं। आम लोग धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। भाजपा इसका विरोध कर रही है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, घटना अभी भी जारी है और इस मामले पर निर्णय की प्रतीक्षा की जा रही है। हालांकि, भाजपा के एक नेता ने दावा किया कि धार्मिक आयोजन करना विधानसभा चुनावों के लिए लागू आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। हावड़ा जिले की बली विधानसभा सीट पर दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा।

ब्रिगेडियर की फैमिली के साथ दिल्ली में शराबियों ने की मारपीट

एक्शन में आई मिलिट्री पुलिस

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में एक हैरान करने वाला शर्मनाक केस सामने आया है। यहां एक सेना के ब्रिगेडियर की फैमिली के साथ शराबियों ने मारपीट की है। इस केस में हैरानी भरी बात यह भी है कि शुरुआती समय में दिल्ली पुलिस की तरफ से इस पर कोई एक्शन नहीं लिया गया, जिसके कारण अब मिलिट्री पुलिस एक्शन में आ गई है। सेना ने मिलिट्री पुलिस को सैन्य ऑफिसर की मदद करने के लिए कहा है।

दरअसल, मामला दिल्ली के वसंत एन्क्लेव का है। यहां भारतीय सेना के ब्रिगेडियर अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनका बेटा आईआईटी दिल्ली में पढ़ता है। 11 अप्रैल की रात 10 बजे ब्रिगेडियर को उनके घर के पास एक कार खड़ी नजर आई, जिसमें दो लोग बैठकर शराब पी रहे थे। ब्रिगेडियर ने गाड़ी के पास जाकर उसमें सवार लोगों से सार्वजनिक स्थान पर शराब न पीने के लिए कहा। लेकिन वो दोनों इस बात से नाराज हो गए और अपने साथियों को फोन कर दिया।

बेटे पर हमला, ब्रिगेडियर से धक्का-मुक्की

शराबियों ने फोन करके अपने 7-8 साथियों को मौके पर ही बुला लिया और सबने मिलकर ब्रिगेडियर के बेटे पर हमला कर दिया। इस हमले में उनके बेटे को गंभीर चोटें आईं। शराबियों ने ब्रिगेडियर के साथ भी धक्का-मुक्की की। घटना के तुरंत बाद ब्रिगेडियर ने पुलिस हेल्पलाइन (112) पर कॉल किया। मौके पर एक पीसीआर गाड़ी भी पहुंच गई, लेकिन पुलिसकर्मियों ने तत्काल कोई एक्शन नहीं लिया।

प्रियंका चतुर्वेदी बोलीं-टीसीएस की बहुत बड़ी लापरवाही

नासिक यौन उत्पीड़न और धर्मांतरण मामले पर जमकर लताड़ा

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्यसभा की पूर्व सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने नासिक दफ्तर में महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न और जबरन धर्मांतरण वाले आरोपों को लेकर बीपीओ कंपनी टीसीएस (टीसीएस) पर जोरदार हमला बोला है।

शिवसेना (यूबीटी) नेता इतनी भयानक घटना पर टीसीएस के जवाब पर उसे जमकर लताड़ा है। पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने नासिक स्थित टीसीएस के दफ्तर में महिला कर्माचारियों के साथ हुए यौन उत्पीड़न के कथित मामले में कंपनी के रवैये पर बहुत ही ज्यादा निराशा जताई है। उन्होंने एक्स पर लिखे अपने पोस्ट में लिखा है कि टीसीएस ने बहुत ज्यादा हताश किया है।

'टीसीएस का जवाब लापरवाही से भरा निराशाजनक'

प्रियंका चौधरी ने एक्स पर लिखा है, 'डियर टीसीएस नासिक बीपीओ पर आपके जवाब से जो उभर कर आया है, वह न सिर्फ अपर्याप्त है, बल्कि लापरवाही और टालमटोल भरा है।' पिछले कुछ साल से महिलाओं के यौन उत्पीड़न और धर्मांतरण के आरोपों के सिलसिले में आपकी ओर से जारी प्रेस नोट में जो बेपरवाह रवैया दिखा है, वह आपके जैसे प्रतिष्ठित बीपीओ के लिए बहुत ही निराशाजनक और हताश करने वाला है।

टीसीएस की ओर से जारी बयान में क्या कहा गया

टीसीएस ने कहा कि वह केस की जांच में पुलिस से सहयोग कर रही है और आगे कि कोई कार्रवाई जांच के निष्कर्षों के आधार पर की जाएगी। जैसे ही हमें नासिक के मामले की जानकारी मिली, हमने तुरंत कार्रवाई की। जिन कर्मचारियों के खिलाफ जांच चल रही है, उन्हें जांच तक के लिए सस्पेंड किया गया है।

टीसीएस यौन उत्पीड़न मामला क्या है

नासिक स्थित टीसीएस बीपीओ में टीम लीड्स के एक ग्रुप पर महिला कर्मचारियों से लगातार यौन उत्पीड़न करने का आरोप है

आरोपों में महिला कर्मचारियों को गलत तरीके से छूने, अश्लील बातें कहने, छेड़छाड़ और झूठे वादे करके जबरन शारीरिक संबध बनाने जैसे आरोप भी शामिल हैं। धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाने, जबरन नमाज पढ़ने और मुस्लिम धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होने का दबाव डालने जैसे आरोप भी शामिल हैं।

'आसिफ शेख और शहादत हुसैन ने जुटाई भीड़'

बीजेपी का आरोप मालदा हिंसा के पीछे कांग्रेस का हाथ

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान मालदा हिंसा मामले को लेकर देश का सियासी पारा चढ़ गया है। दरअसल मालदा के कालियाचक क्षेत्र में बीते 1 अप्रैल को हुई हिंसा ने पूरे देश का ध्यान खींचा, जब न्यायिक अधिकारियों को एक उग्र भीड़ ने कई घंटों तक घेर लिया।

यह अधिकारी चुनाव से जुड़ी मतदाता सूची की शिकायतों की सुनवाई के लिए वहां पहुंचे थे। हालात इतने बिगड़ गए कि उन्हें करीब 8–10 घंटे तक बाहर निकलने नहीं दिया गया। इस पूरी घटना ने चुनावी माहौल में तनाव बढ़ा दिया है और कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। बीजेपी ने इस मामले में कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मालदा हिंसा के पीछे कांग्रेस का हाथ, जहां न्यायिक अधिकारियों पर हमला किया गया था! मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, एजेंसियों ने कांग्रेस के दो कार्यकर्ताओं आसिफ शेख और शहादत हुसैन को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने मालदा के कालियाचक में भीड़ जुटाने में अहम भूमिका निभाई थी! उन्होंने आगे लिखा है कि राहुल गांधी की 'मोहब्बत की दुकान' का सच सामने आ गया! कांग्रेस हो या टीएमसी, दोनों ही 'दंगा पार्टी' और 'आग लगाने वाली दुकान' हैं!' एनआईए ने मालदा में न्यायिक अधिकारियों के घेराव के मामले में, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के एक उम्मीदवार सहित 7 लोगों को हिरासत में लिया और इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के एक पंचायत सदस्य को भी गिरफ्तार किया।

उत्तर भारत में पहली बार बनेगा विमान इंजन टेस्टिंग केंद्र

ब्रिटिश कंपनी के साथ मिलकर परियोजना शुरू

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में उन्नत विमानन तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट बोर्ड (टीडीबी), विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) ने गुरुग्राम स्थित केसी एविएशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता किया है। यह समझौता बूस्ट इलेक्ट्रिक जंप टेक-ऑफ (बीई-जेटीओ) परियोजना के तहत किया गया है, जिसे भारत-यूके इंडस्ट्रियल सस्टेनेबिलिटी सहयोग कार्यक्रम के अंतर्गत यूके की एआरसी एयरोसिस्टम्स लिमिटेड के साथ मिलकर विकसित किया जाएगा।

परियोजना का मुख्य उद्देश्य क्या है?

इस परियोजना के लिए टीडीबी ने सशर्त अनुदान स्वीकृत किया है। इसका मुख्य उद्देश्य हाइब्रिड प्रोपल्शन आधारित जंप टेक-ऑफ (जेटीओ) सिस्टम विकसित करना है, जिससे ड्रोन और हल्के विमानों की उड़ान क्षमता और संचालन में बड़ा सुधार हो सके। यह तकनीक कम दूरी या लगभग वर्टिकल टेक-ऑफ की सुविधा देगी, जिससे दुर्गम और दूरदराज

इलाकों में भी आसानी से संचालन संभव होगा। परियोजना के तहत उत्तर भारत में एक अत्याधुनिक टेस्ट-बेंच सुविधा स्थापित की जाएगी, जहां रोटरक्राफ्ट प्रोपल्शन सिस्टम का परीक्षण और अनुकूलन किया जाएगा। यह सुविधा न केवल कंपनी के लिए बल्कि स्टार्टअप्स और अन्य डेवलपर्स के लिए भी उपयोगी साबित होगी, जो एडवांस्ड एरियल मोबिलिटी और ड्रोन तकनीक पर काम कर रहे हैं। इस तकनीक के इस्तेमाल से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, आपदा राहत, मेडिकल इवैक्यूएशन, ड्रोन लॉजिस्टिक्स और निगरानी जैसे क्षेत्रों में बड़े बदलाव की उम्मीद है। खासकर उन इलाकों में जहां पारंपरिक विमान संचालन मुश्किल होता है, वहां यह तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। टीडीबी के सचिव राजेश कुमार पाठक ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग के जरिए इस तरह के अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम रणनीतिक क्षेत्रों में नई तकनीकों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

प्रधानमंत्री बनने के बाद 28वीं बार उत्तराखंड आ रहे मोदी, देवभूमि से कर्म और मर्म का रिश्ता

हरिद्वार, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत के लिए उत्तराखंड तैयार है। पीएम बनने के बाद मोदी मंगलवार को 28वीं बार उत्तराखंड आएंगे। वह 11,963 करोड़ की लागत से बने 213 किमी लंबे दून-दिल्ली ऐलिवेटेड एक्सप्रेस-वे की सौगात देंगे। इसके अलावा एक हजार मेगावाट क्षमता के देश के पहले वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज संयंत्र का भी लोकार्पण करेंगे।

प्रदेश सरकार लोकार्पण समारोह को यादगार बनाने की तैयारियों में जुटी है। बता दें कि मोदी, प्रधानमंत्री बनने के बाद पांच बार केदारनाथ आ चुके हैं, साथ ही बदरीनाथ व मुखबा का भी दौरा कर चुके हैं। बीते वर्ष मार्च में उत्तरकाशी जिले में मां गंगा के शीतकालीन प्रवास स्थल मुखबा पहुंचकर प्रधानमंत्री ने शीतकालीन यात्रा का संदेश दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड से कर्म और मर्म का रिश्ता रहा है। उत्तराखंड उनके हृदय में बसता है। उनके दौरे को लेकर देवभूमि वासियों में भारी उत्साह है। उनके मार्गदर्शन में दो लाख करोड़ से अधिक की विकास योजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं। कनेक्टिविटी के क्षेत्र में क्रांति आई है। चारधाम ऑलवेदर रोड परियोजना, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, केदारनाथ एवं हेमकुंट साहिब रोपवे परियोजना, देहरादून-दिल्ली एलिवेटेड रोड जैसी बड़ी परियोजनाओं को स्वीकृति दी है।

एनआईटी हमीरपुर के छात्रों का कमाल

अंडे के छिलकों से जुड़ेगी टूटी हड्डी दोहरी सर्जरी से मिलेगी निजात

हमीरपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। फ्रेक्चर के इलाज में अब महंगी और दोहरी सर्जरी से राहत मिलेगी। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) हमीरपुर के छात्रों ने अंडे के छिलकों और जैविक तत्वों से ऐसा बॉयोडिग्रेडेबल स्कैफोल्ड (रॉड) तैयार किया है, जो हड्डी को सहारा देने के बाद शरीर में खुद ही घुल जाएगा।

इससे मरीज को रॉड निकालने के लिए दोबारा ऑपरेशन नहीं करवाना पड़ेगा।

अभी तक फ्रेक्चर में इस्तेमाल होने वाली टाइटेनियम रॉड हड्डी जुड़ने के बाद निकालना अनिवार्य होती है। कई बार यह प्रक्रिया मरीजों के लिए महंगी और दर्दनाक साबित होती है। नए स्कैफोल्ड के आने से इलाज न सिर्फ आसान होगा, बल्कि किफायती भी बनेगा। विद्यार्थियों ने अंडे के छिलकों से कैल्शियम कार्बोनेट निकालकर ऑर्थोफॉस्फोरिक एसिड से रिएक्शन कराया, जिससे हाइड्रॉक्सीएपेटाइट प्राप्त हुआ। हाइड्रॉक्सीएपेटाइट मानव हड्डियों का प्रमुख घटक है। इसके बाद इसे जिलेटिन और काइटोसैन से बने बायोपॉलीमर मैट्रिक्स के साथ मिलाकर माइनस 55 डिग्री सेल्सियस पर प्रोसेस किया गया। तैयार संरचना हड्डी के अंदर स्कैफोल्ड की तरह काम करेगी और समय के साथ शरीर में अवशोषित हो जाएगी। इस प्रोजेक्ट को मैटीरियल साइंस (सामग्री विज्ञान) विभाग के विद्यार्थियों सक्षम, कृष, तनिष्क और प्रकृति ने फैकल्टी इंचार्ज डॉ. विक्रम वर्मा के निर्देशन में तैयार किया है। छात्रों के मुताबिक यह स्कैफोल्ड पूरी तरह बॉयोडिग्रेडेबल और सुरक्षित है, जिससे साइड इफेक्ट की संभावना भी कम है। इस नवाचार को संस्थान के टेकफेस्ट निंबस में पेश किया गया, जहां इसे काफी सराहना मिली। इस नवाचार के सफल रूप से विकसित होने की स्थिति में हेल्थकेयर की दिशा में मरीजों को बेहतर उपचार मिल सकेगा।

मरीज को कम दर्द और जोखिम

विद्यार्थियों की ओर से हेल्थकेयर के साथ अन्य क्षेत्रों में नवाचार पेश किए गए हैं। इनका समाज को लाभ मिले, इसके लिए इन्हें इंडस्ट्री के साथ जोड़ने और विकसित करने के लिए संस्थान का प्रयास रहेगा।

यह है खासियत

शरीर में खुद घुलने वाली रॉड, हड्डी जैसी ही जैविक संरचना, दूसरी सर्जरी से छुटकारा, सस्ता इलाज।

उम्र सिर्फ एक नंबर

55 साल के पूर्व सैनिक दशरथ सिंह ने 138 डिग्री लेकर रचा इतिहास

झुंझुनूं, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के रहने वाले पूर्व सैनिक दशरथ सिंह इन दिनों अपनी अनोखी उपलब्धि को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने अब तक कुल 138 डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट हासिल किए हैं, जो सामान्य लोगों के मुकाबले कई गुना ज्यादा है। हाल ही में उन्हें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (आईजीएनओयू) के दीक्षांत समारोह में वेदिक स्टडीज में मास्टर डिग्री प्रदान की गई, जिसमें उन्होंने डिस्टिंक्शन भी हासिल किया।

11 वर्ल्ड रिकॉर्ड का दावा

55 वर्षीय दशरथ सिंह का दावा है कि उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में 11 वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं, जिसमें इंडिया बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स, गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स शामिल हैं। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो पाई है।

छोटे गांव से शुरू हुआ सफर

दशरथ सिंह का जन्म झुंझुनूं जिले के खीरोड़ गांव (नवलगढ़ तहसील) में एक किसान परिवार में हुआ। परिवार में शिक्षा का माहौल नहीं था, फिर भी उन्होंने सरकारी स्कूल से 10वीं तक पढ़ाई पूरी की। आर्थिक तंगी के कारण आगे की पढ़ाई मुश्किल लग रही थी, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी।

सेना में रहते हुए भी जारी रखी पढ़ाई

साल 1988 में उन्होंने भारतीय सेना जॉइन की और 16 साल तक पंजाब, जम्मू-कश्मीर समेत कई जगहों पर सेवा दी। सेना में रहते हुए भी उन्होंने पढ़ाई जारी रखी। हर साल मिलने वाली 2 महीने की छुट्टी का उपयोग वे पढ़ाई के लिए करते थे। रिटायरमेंट के बाद पढ़ाई को बनाया जुनून 2004 में रिटायर होने के बाद उन्होंने पूरी तरह शिक्षा पर ध्यान दिया। उन्होंने रेगुलर स्टूडेंट के रूप में, बी.कॉम, एलएलबी, एलएलएम, बीजेएमसी और बी.एड जैसी डिग्रियां हासिल कीं। इसके अलावा उन्होंने इग्नू, जैन विश्व भारती संस्थान और अन्य विश्वविद्यालयों से कई कोर्स पूरे किए। दशरथ सिंह ने अब तक, जो प्रमुख उपलब्धियां हासिल की हैं उसमें 3 पीएचडी, 7 ग्रेजुएशन डिग्री, 46 पोस्टग्रेजुएशन डिग्री, 23 डिप्लोमा, 7 मिलिट्री स्टडीज डिग्री और 52 सर्टिफिकेट शामिल हैं।

सैनिकों के लिए कर रहे हैं काम

रिटायरमेंट के बाद उन्होंने केवल पढ़ाई ही नहीं की, बल्कि समाज सेवा भी शुरू की। उन्होंने कानून की पढ़ाई पूरी कर वकालत शुरू की और सैनिकों के मामलों में मदद करने लगे। वह सप्त शक्ति कमान में लीगल एडवाइजर के रूप में भी काम कर चुके हैं और सेवारत एवं रिटायर्ड सैनिकों के केस संभालते हैं।

पूर्व सैनिक और डिग्री मैन ऑफ इंडिया दशरथ सिंह की कहानी यह साबित करती है कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने जुनून और मेहनत से एक मिसाल कायम की है,जो हर उस व्यक्ति के लिए एक मिसाल है, जिन्हें लगता है कि पढ़ने के लिए उम्र की सीमा होती है।

अमेरिका-ईरान के बीच तैयार था समझौता

नेतन्याहू की एक फोन कॉल ने बिगाड़ दी बात, ईरानी विदेश मंत्री का दावा

तेहरान, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान इस्लामाबाद में पिछले हफ्ते के आखिर में जब शांति वार्ता की मेज पर बैठे तो दुनिया भर ने इसे अच्छी उम्मीद के रूप में देखा। करीब 21 घंटे की मैराथन बैठकों के बाद ऐसा लग रहा था कि बातचीत सकारात्मक दिशा में चल रही थी लेकिन रविवार 12 अप्रैल की सुबह अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इसके खत्म होने का ऐलान कर दिया। वेंस ने कहा कि बातचीत खत्म हो गई है और बुरी खबर यह है कि कोई समझौता नहीं हो सका है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान ने शर्तें मानने से इनकार कर दिया है। लेकिन अब तेहरान ने दावा किया है कि इजरायल से आई एक फोन काल के बात बातचीत खत्म हुई।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने दावा किया है कि बातचीत के बीच में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जेडी वेंस को एक फोन कॉल की थी, जिसके बाद वार्ता टूट गई। अब्बासी ने एक्स पर एक पोस्ट में यह बात कही है। अराघची ने कहा कि ईरान अच्छी नीयत से पाकिस्तान में आयोजित वार्ता में शामिल हुआ था। साथ ही यह भी कहा कि पाकिस्तान से रवाना होने से पहले वेंस की प्रेस कॉन्फ्रेंस गैर-जरूरी नहीं थी। वॉशिंगटन ने नेतन्याहू के फोन कॉल की न तो पुष्टि की है और न ही खंडन किया है।

इस्लामाबाद में तैयार था समझौता

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची का दावा है कि प्रस्तावित "इस्लामाबाद समझौता" (एमओयू) लगभग तैयार था और दोनों पक्ष अंतिम सहमति के बेहद करीब थे। उनका कहा है कि इन परिस्थितियों के चलते 21 घंटे तक चली गहन और मुश्किल बातचीत आखिरकार बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। तेहरान ने यह भी संकेत दिया कि अगर बातचीत के दौरान शर्तों में लगातार बदलाव न किए जाते, तो यह डील संभव हो सकती थी।

अराघची ने एक्स पर लिखा, 47 सालों में सबसे ऊंचे स्तर पर हुई गहरी बातचीत में, ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका के साथ अच्छी नीयत से बातचीत की। लेकिन जब 'इस्लामाबाद एमओयू' से बस कुछ इंच दूर थे, तो हमें गोलपोस्ट बदलने और ब्लॉकेड का सामना करना पड़ा। कोई सबक नहीं मिला। अच्छी नीयत से अच्छी नीयत पैदा होती है। दुश्मनी से दुश्मनी पैदा होती है।

ईरानी विदेश मंत्री का यह कहना कि दोनों पक्ष एक समझौते को फाइनल करने से कुछ ही दूर थे, यह दिखाता है कि आखिरी स्टेज पर तनाव तेजी से बढ़ने से पहले अमेरिका और ईरान के बीच हुई बातचीत सफलता के कितने करीब आ गई थी।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि अमेरिका के साथ डिप्लोमैटिक ब्रेकथ्रू की संभावना अभी भी है, बशर्ते वॉशिंगटन अपना नजरिया बदले। उन्होंने अमेरिका से सर्वाधिकारवाद को छोड़ने और ईरान के अधिकारों का सम्मान करने की अपील की। ऐसा बदलाव एक समझौते का रास्ता बना सकता है।

बहन को टांगी से काटा, ट्रेन से कटकर किया सुसाइड

पलामू, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पलामू जिले के मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र में फुफेरे भाई ने अपनी ममेरी बहन की टांगी से काट कर हत्या कर दी। इसके बाद उसने घर से दो किमी दूर ट्रेन से कट कर जान दे दी। यह घटना बखारी स्थित रेलवे लाइन और पिपरडीह गांव में हुई है। घटना का खुलासा तब हुआ जब पुलिस को बखारी स्थित रेलवे लाइन से एक युवक का शव बरामद हुआ। इसके बाद जांच के क्रम में रेलवे लाइन से कुछ ही दूरी पर स्थित पिपरडीह गांव में युवक के घर के एक कमरे में बिस्तर पर नाबालिग लड़की का खून से लथपथ शव मिला।

लड़की की हत्या बेहद निर्ममता से की गई थी। घटना की जांच के क्रम में सदर थाना पुलिस ने दोनों स्थानों का मुआयना कर शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया।

मृतक युवक की पहचान पिपरडीह निवासी 23 वर्षीय बिट्टू कुमार सिंह के रूप में हुई है। उसके पिता का नाम स्वर्गीय शिव शंकर कुमार सिंह है।

युगांडा आर्मी चीफ ने तुर्किये से सबसे खूबसूरत महिला मांगी

कहा- शादी करूंगा, नहीं मिली तो डिप्लोमेटिक रिश्ते तोड़ेंगे, तुर्किश एयरलाइंस पर भी रोक लगा देंगे

कम्पाला, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। युगांडा के आर्मी चीफ और राष्ट्रपति के बेटे मुहूजी कैनेरुगाबा ने तुर्किये से 1 अरब डॉलर (9000 करोड़) और देश की 'सबसे खूबसूरत महिला' को अपनी पत्नी बनाने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं हुई तो तुर्किये से कूटनीतिक संबंध खत्म कर दिए जाएंगे और तुर्किश एयरलाइन पर रोक लगाई जा सकती है।

कैनेरुगाबा ने X पर लिखा कि अगर तुर्किये ने हमारी समस्याओं का समाधान नहीं किया, तो 30 दिन में संबंध तोड़ दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि या तो वे भुगतान करें या हम उनका दूतावास बंद कर देंगे। उन्होंने युगांडावासियों को तुर्किये यात्रा से बचने की सलाह दी और इजराइल के समर्थन में 1 लाख सैनिक भेजने की पेशकश की। हालांकि, इस पर तुर्किये की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। कैनेरुगाबा ने पोस्ट में तुर्किये पर आरोप लगाया कि उसने सोमालिया में इंफ्रास्ट्रक्चर, पोर्ट और एयरपोर्ट प्रोजेक्ट्स से फायदा उठाया, जबकि युगांडा ने अल-शबाब जैसे आतंकी संगठनों से लड़ने का बोझ उठाया। इसी आधार पर उन्होंने 1 अरब डॉलर की मांग की।

हाल ही में भी कैनेरुगाबा ने सोशल मीडिया पर कई विवादित पोस्ट किए हैं। उन्होंने विपक्षी नेता बॉबी वाइन को लेकर सिर काटने जैसी धमकी दी, जिस पर काफी विवाद हुआ। हालांकि बाद में उन्होंने इसे मजाक बताया और माफी मांग ली। इसी बीच, कैनेरुगाबा ने कुछ दिन पहले X अकाउंट हटा दिया था। फिर उन्होंने 'आई एम बैक' लिखकर वापसी की घोषणा की और कहा था कि वे दुनिया को हिला देंगे। वापसी के बाद उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को आदेश दिया कि जो भी व्यक्ति सेना जैसी वर्दी में दिखे, उसे तुरंत गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने एक अमेरिकी राजनयिक को गिरफ्तार करने की धमकी दी, अगर वह उन्हें सलाम नहीं करता।

50 साल के कैनेरुगाबा को पिता और राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी का संभावित उत्तराधिकारी माना जाता है। हालांकि मुसेवेनी ने इससे इनकार किया है। हालांकि कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वे धीरे-धीरे खुद को राजनीति में स्थापित कर रहे हैं और भविष्य में राष्ट्रपति पद की दावेदारी कर सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में पहली बार महिला बनेगी सेना प्रमुख

सुसान कॉयल को जिम्मेदारी

कैनबरा, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने इतिहास में पहली बार एक महिला को सेना प्रमुख बनाने का फैसला किया है।

लेफ्टिनेंट जनरल सुसान कॉयल जुलाई से यह जिम्मेदारी संभालेंगी। सरकार के मुताबिक, कॉयल लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट की जगह लेंगी।

प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि 125 साल के इतिहास में यह पहली बार है जब किसी महिला को सेना प्रमुख बनाया जा रहा है। रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि यह महिलाओं के लिए प्रेरणा बनेगा।

55 वर्षीय कॉयल 1987 में सेना में शामिल हुई थीं और कई वरिष्ठ पदों पर काम कर चुकी हैं। ऑस्ट्रेलियाई डिफेंस फोर्स में फिलहाल महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 21% है और 2030 तक इसे 25% करने का लक्ष्य रखा गया है।

हाल के वर्षों में सेना में यौन उत्पीड़न और भेदभाव के आरोपों के बीच यह फैसला अहम माना जा रहा है।

सरकार ने इसके साथ ही नौसेना प्रमुख मार्क हैमंड को डिफेंस फोर्स का नया प्रमुख और मैथ्यू बकली को नौसेना प्रमुख नियुक्त किया है।

पाकिस्तान को 46,500 करोड़ की मदद देंगे सऊदी-कतर

इससे यूएई का 29,000 करोड़ कर्ज चुकाएगा, पैसे लौटाने के लिए सिर्फ 11 दिन बाकी

इस्लामाबाद, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान को सऊदी अरब और कतर से 5 अरब डॉलर (लगभग 46,500 करोड़ रुपए) की वित्तीय मदद मिलेगी। यह मदद ऐसे समय में आ रही है, जब देश को इस महीने के अंत तक यूएई को 3.5 अरब डॉलर (लगभग 29,000 करोड़ रुपए) चुकाने हैं।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की कमजोर विदेशी मुद्रा स्थिति संभालने के लिए यह मदद अहम मानी जा रही है। यूएई ने हाल ही में कर्ज रोलओवर की नीति में बदलाव किए थे। इसके बाद पाकिस्तान ने अप्रैल तक यूएई का 3.5 अरब डॉलर का कर्ज चुकाने का फैसला किया।

तय शेड्यूल के मुताबिक 23 अप्रैल तक पाकिस्तान को इस कर्ज की आखरी किस्त देनी है। इसका मतलब कर्ज चुकाने के लिए सिर्फ 11 दिन का समय बाकी है। इसके अलावा, अप्रैल में पाकिस्तान को कुल करीब 4.8 अरब डॉलर चुकाने हैं, जिसमें एक बड़ा बॉन्ड भी शामिल है।

आईएमएफ ने पाकिस्तान की खराब आर्थिक स्थिति को संभालने के लिए 3 साल का प्रोग्राम शुरू किया है, जिसके तहत उसे करीब 7 अरब डॉलर की मदद मिलेगी।

इसके बदले आईएमएफ ने शर्त रखी है कि पाकिस्तान के बड़े कर्जदाता सऊदी अरब, चीन और यूएई अपने कर्ज के पैसे 3 साल तक तक पाकिस्तान में ही रखेंगे, यानी वे पैसा वापस नहीं निकालेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आगे चलकर कतर, यूएई की जगह ले सकता है।

यूएई ने हाल में कर्ज रोलओवर की नीति बदलकर शॉर्ट-टर्म एक्सटेंशन शुरू कर दिया है, जिससे पाकिस्तान पर जल्दी भुगतान का दबाव बढ़ा। इसके बाद पाकिस्तान ने यूएई का 3.5 अरब डॉलर यानी करीब 29,000 करोड़ रुपए का कर्ज 11, 17 और 23 अप्रैल को अलग-अलग किस्तों में लौटाने का फैसला लिया।

ये फैसला ऐसे समय लिया गया है, जब देश के विदेशी मुद्रा भंडार का बड़ा हिस्सा पहले ही दूसरे देशों की मदद पर टिका है।

ये कर्ज पाकिस्तान को अलग-अलग समय पर मिला था। यूएई ने 2018 में 2 अरब डॉलर का लोन दिया था, जिसे बार-बार बढ़ाया गया। 2023 में 1 अरब डॉलर और दिया गया था, ताकि पाकिस्तान आईएमएफ की शर्तें पूरी कर सके।

साऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच साझेदारी काफी समय से चल रही है। इससे पहले पाकिस्तान के वित्त मंत्री औरंगजेब ने इस्लामाबाद में सऊदी के वित्त मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल्ला अल-जादान से मुलाकात की थी। उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी मुलाकात की। इस बैठक के बाद अधिकारियों ने इसे सकारात्मक बताया था। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंध और आर्थिक सहयोग पर चर्चा की। औरंगजेब ने वॉशिंगटन में फिर से मुलाकात की इच्छा भी जताई।

प्रज्ञा केंद्र संचालिका से दिनदहाड़े 3 लाख लूटे

बाइक सवार पति-पत्नी को रोका फिर लूटा, विरोध करने पर मार दी गोली

पलामू, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पलामू जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत हुटार में अपराधियों ने दिनदहाड़े लूटपाट की घटना को अंजाम दिया है। अपराधियों ने प्रज्ञा केंद्र चलाने वाली शमा प्रवीण और उनके पति को हथियार के बल पर रोककर लूटपाट की। इस दौरान विरोध करने पर गोली मार दी। जानकारी के अनुसार, दोनों पति-पत्नी मोटरसाइकिल से जा रहे थे, तभी बाइक सवार दो अपराधियों ने उनका पीछा किया। ओवरटेक कर रास्ते में रोक लिया।

इसके बाद बदमाशों ने हथियार के बल पर करीब 3 लाख रुपए नकद और एक लैपटॉप लूट लिया।

घटना के दौरान अपराधियों ने 6 से 7 राउंड फायरिंग भी की, जिससे इलाके में दहशत फैल गई।

लूटपाट के दौरान जब शमा प्रवीण और उनके पति ने विरोध किया तो अपराधियों ने बेरहमी दिखाते हुए महिला के पैर में गोली मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। वहीं, उनके पति को बंदूक के बट से पीटकर घायल कर दिया गया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर के एमएमसीएच रेफर कर दिया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, महिला को एक गोली लगी है। उनकी हालत पर नजर रखी जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही रामगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से गोली के खोखे बरामद किए हैं। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, दोनों अपराधी बाइक पर सवार थे। जिनमें से एक ने हेलमेट पहन रखा था। दूसरे ने चेहरे को कपड़े से ढक रखा था।

लड़ाकू विमान, एयर डिफेंस सिस्टम

ईरानी दल की सुरक्षा में पाकिस्तान ने झोंक दी थी पूरी ताकत, सता रहा था बड़ा डर

इस्लामाबाद, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच शांति वार्ता नाकाम हो गई है। हालांकि इस शांति वार्ता की सुरक्षा के लिए पाकिस्तान को काफी पापड़ बेलने पड़े हैं। खासकर ईरानी नेताओं की सुरक्षा के लिए। इजरायल चूंकी तेहरान में कई हाई प्रोफाइल नेताओं को मार चुका है इसलिए पाकिस्तान ईरानी नेताओं की सुरक्षा में कोई कोताही बरतना नहीं चाहता था। अब जबकि ये शांति वार्ता खत्म हो चुकी तो पाकिस्तान के उच्च-स्तरीय सूत्रों ने बताया है कि ईरानी नेताओं की सुरक्षा के लिए असाधारण हवाई सुरक्षा अभियान चलाया गया था। पाकिस्तान किसी भी तरह का कोई रिस्क नहीं लेना चाहता था।

पाकिस्तान वायु सेना और सुरक्षा से जुड़े शीर्ष सूत्रों ने बताया है कि 10 अप्रैल यानि शुक्रवार की देर रात दो ईरानी विमानों ईरान04 और ईरान05 के इस्लामाबाद पहुंचने से पहले पाकिस्तान ने अरब सागर के ऊपर अपने दक्षिण-पश्चिमी हवाई क्षेत्र में एक बहु-स्तरीय हवाई रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध कवच को एक्टिव कर दिया था। सूत्रों ने बताया है कि पाकिस्तान ने ईरानी विमानों को किसी भी संभावित खतरे से बचाने के लिए अपने इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सपोर्ट सिस्टम चालू कर दिए थे। सभी एयर सर्विलांस रडार सक्रिय थे और एयर डिफेंस के साथ साथ मिसाइल सिस्टम को हाई अलर्ट पर रखा गया था।

इस सुरक्षा योजना के तहत हवाई क्षेत्र में भ्रम की स्थिति पैदा करने के लिए एक नागरिक एयरबस ए-321 को भी रणनीतिक रूप से उड़ाया गया। इस रिपोर्ट के मुताबिक बेहतर कमांड और कंट्रोल सुनिश्चित करने के लिए पाकिस्तान ने अपने हवाई क्षेत्र में अपना एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम (एडब्ल्यूएसीएस) विमान तैनात किया था। पाकिस्तान के खुफिया सूत्रों को आशंका थी कि इजरायल हमला कर सकता है।

फ्रांस राफेल एफ4 के बजाय एफ5 वेरिएंट पर क्यों लगा रहा दांव?

भारत के एमआरएफए डील पर असर

पेरिस, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन राफेल एफ5 वेरिएंट को विकसित कर रही है। यह वेरिएंट कई अत्याधुनिक तकनीकों से लैस होगा, जो इसे छठी पीढ़ी के फाइटर जेट के समकक्ष खड़ा कर सकता है। उम्मीद है कि राफेल एफ5 वेरिएंट 2030 तक ऑपरेशनल क्लियरेंस पा लेगा, जिसके बाद इसका बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू किया जा सकता है। भारत भी फ्रांस की इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर नजर बनाए हुए है, जिसका प्रमुख कारण भारतीय वायुसेना में पहले से ऑपरेशनल राफेल एफ3आर वेरिएंट को जरूरत के हिसाब से अपग्रेड करना है। इसके अलावा यह अपग्रेडेशन भारत के एमआरएफए डील के लिए भी जरूरी बताया जा रहा है।

इसके अलावा भारतीय वायुसेना के लिए 114 राफेल लड़ाकू विमानों को भी मल्टी रोल फाइटर एयरक्राफ्ट (एमआरएफए) डील के तहत खरीदने की तैयारी की जा रह है। इस डील को रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने पहले ही मंजूरी दे दी है।

इसके तहत फ्रांस से 114 राफेल फाइटर जेट्स की खरीद की जाएगी। इनमें से लगभग 96-98 राफेल विमान दसॉल्ट एविएशन के सहयोग से भारत में निर्मित किए जाएंगे। बाकी बचे विमान फ्रांस से उड़ान भरने की स्थिति में प्राप्त होंगे। भारत इन विमानों में स्वदेशी रूप से विकसित मिसाइलें और हथियार इंटीग्रेट करने की शर्त रख रहा है, हालांकि फ्रांस इसमें कुछ तकनीकी परेशानियों का हवाला दे रहा है। इस कारण यह डील अभी फाइनल नहीं हो सकी है। डसॉल्ट राफेल के एफ4 और एफ5 वेरिएंट के बीच का मुख्य अंतर इसकी तकनीक है।

कारोबारी को मारकर गाड़ा, अर्धनग्न हालत में मिली लाश

खून से सनी बाइक मिली, 4 दिन से लापता थे, कोंडागांव में लूट-अफेयर एंगल से जांच

कोंडागांव, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में टेंट कारोबारी सुरेश चौहान की हत्या कर दी गई है। उनकी लाश हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पीछे अर्धनग्न हालत में खेत में दफन मिली है। पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस लूट, अफेयर और जुआ-सट्टा एंगल से भी जांच कर रही है।

कारोबारी सुरेश चौहान शनिवार (11 अप्रैल) से लापता थे। जिसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई गई थी। उसके बाद से पुलिस लगातार उनकी तलाश कर रही थी और शहर के करीब 150 सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। मामला कोंडागांव थाना इलाके का है। पुलिस के अनुसार, सुरेश चौहान (53) पिता रामसूरत सिंह चौहान, शिरोमणि डेकोरेट टेंट के संचालक थे। वो शादीशुदा है, उनके दो बेटियां और एक बेटा है।

सुरेश के लापता होने के बाद परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच कर रही थी। जांच के दौरान कोंडागांव के विकास नगर ग्राउंड में खून से सनी एक बाइक बरामद हुई। टैक्टिकल सबूत और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया। उससे पूछताछ के बाद पुलिस हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पीछे स्थित एक खेत तक पहुंची।

यहां करीब डेढ़ किलोमीटर दूर जमीन में दफन सुरेश चौहान का शव बरामद किया गया। ऊपर से मिट्टी पाट दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि, जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। इसमें शामिल बाकी आरोपियों को भी गिरफ्तार किया जाएगा। मृतक के परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

होटल में अवैध शराब का भंडाफोड़

रामगढ़, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के बासल थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बलकुदरा सियारी टोला स्थित होटल साई रेसीडेंसी में छापेमारी कर भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब और बीयर जब्त की है। मामले में होटल मालिक समेत तीन लोगों को आरोपी बनाया गया है। जानकारी के अनुसार, बासल थाना प्रभारी कैलाश कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि होटल में अवैध रूप से शराब का भंडारण किया गया है।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता फेल होने से घबराया पाकिस्तान

सऊदी अरब-तुर्की की शरण में शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच इस्लामाबाद शांति वार्ता के नाकाम होने से घबराया हुआ है। ऐसे में शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार प्लान-बी पर काम कर रही है। अमेरिका-ईरान वार्ता रुकने के बाद पाकिस्तान ने सऊदी अरब और तुर्की से सैन्य और कूटनीतिक संपर्क बढ़ा दिया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय के सूत्रों के अनुसार, पीएम शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असीम मुनीर अगले 48 घंटों के अंदर सऊदी अरब का दौरा कर सकते हैं। इसका प्रमुख मकसद ईरान और अमेरिका को फिर से बातचीत की मेज पर लाना है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री कार्यालय के सूत्र का दावा है कि शहबाज शरीफ को सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमत्री मोहम्मद बिन सलमान के कार्यालय से निमंत्रण मिला है। माना जा रहा है कि इस यात्रा के दौरान शहबाज शरीफ सऊदी क्राउन प्रिंस को अमेरिका और ईरान के बीच हुई नाकाम शांति वार्ता और मध्य पूर्व में व्यापक सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दे सकते हैं। इसके अलावा वे मोहम्मद बिन सलमान से अमेरिका को फिर से बातचीत में शामिल होने के लिए मनाने को भी कह सकते हैं। सऊदी अरब मध्य पूर्व में अमेरिका के सबसे बड़े सहयोगियों में शामिल है।

संभावना जताई जा रही है कि इस दौरे पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पाकिस्तान के आर्थिक संकट के बारे में सऊदी अरब से बात कर सकते हैं।

एनकाउंटर में महिला नक्सली लीडर रूपी ढेर

डेडलाइन के बाद बस्तर की आखिरी कैडर का सफाया, शव के साथ पिस्टल बरामद

कांकेर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के छोटेबेठिया क्षेत्र के जंगलों में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें एक महिला नक्सली ढेर हुई है। मारी गई नक्सली की पहचान वांटेड एसीएम (एरिया कमेटी मेंबर) रूपी रेड्डी के रूप में हुई है, जो लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर थी। मौके से उसके पास से एक पिस्टल बरामद हुई है।

पुलिस के मुताबिक, उसे लगातार सरेंडर के लिए कहा जा रहा था, लेकिन वह सक्रिय रूप से नक्सली गतिविधियों में शामिल रही। बस्तर में बड़े कैडर के कई नक्सलियों के मारे जाने या सरेंडर के बाद वह प्रमुख सक्रिय कैडर में गिनी जा रही थी।

पुलिस को इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। जिसके बाद तड़के 4 से 5 बजे सुरक्षाबलों ने छोटेबेठिया थाना क्षेत्र के माचपल्ली के जंगल में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इसी दौरान नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। जिसके जवाब में जवानों ने भी मोर्चा संभाला। मुठभेड़ खत्म होने के बाद मौके से महिला नक्सली रूपी का शव बरामद किया गया। कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। फिलहाल, इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है।

पुलिस बाकी नक्सलियों की तलाश में जुटी हुई है। महिला नक्सली रूपी स्टेट कमेटी मेंबर (एससीएम) विजय रेड्डी की पत्नी थी। विजय रेड्डी राजनांदगांव और मोहला-मानपुर-चौकी जिले में हुई मुठभेड़ में मारा गया था।

अप्रैल में पहला प्रदोष व्रत कल

अप्रैल प्रदोष व्रत 2026 पूजा मुहूर्त

बुध प्रदोष पूजा के लिए शुभ मुहूर्त 15 अप्रैल को शाम 6 बजकर 56 मिनट से रात 9 बजकर 13 मिनट तक रहेगा। आपको बता दें कि भगवान शिव की पूजा के लिए प्रदोष काल यानी सूर्यास्त का समय सबसे ज्यादा उत्तम माना जाता है।

प्रदोष व्रत भगवान शिव को समर्पित है। प्रत्येक महीने के शुक्ल और कृष्ण पक्ष त्रयोदशी तिथि के दिन प्रदोष का व्रत किया जाता है। प्रदोष का दिन सप्ताह के जिस दिन पड़ता है उसका नाम उसी वार के हिसाब से रखा जाता है। अप्रैल में पहला प्रदोष व्रत बुधवार को रहेगा, इसलिए इसे बुध प्रदोष के नाम से जाना जाएगा। बुध प्रदोष व्रत करने से बुद्धि, वाणी और व्यवसाय के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होती है। बुध ग्रह को वाणी, बुद्धि, तर्क, संवाद, गणित, व्यापार आदि का कारक माना जाता है। इसलिए विद्यार्थियों एवं व्यापारियों के लिये यह व्रत विशेष रूप से फलदायक होता है।

अप्रैल प्रदोष व्रत 2026 डेट

पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि का आरंभ 15 अप्रैल को मध्यरात्रि 12 बजकर 12 मिनट पर होगा। त्रयोदशी तिथि का समापन 15 अप्रैल को रात 10 बजकर 31 मिनट पर होगा।अप्रैल का पहला प्रदोष व्रत 15 अप्रैल 2026, बुधवार के दिन रखा जाएगा।

अप्रैल प्रदोष व्रत 2026 पूजा मुहूर्त

बुध प्रदोष पूजा के लिए शुभ मुहूर्त 15 अप्रैल को शाम 6 बजकर 56 मिनट से रात 9 बजकर 13 मिनट तक रहेगा। आपको बता दें कि भगवान शिव की पूजा के लिए प्रदोष काल यानी सूर्यास्त का समय सबसे ज्यादा उत्तम माना जाता है।

बुध प्रदोष व्रत का महत्व

बुध प्रदोष का व्रत करने से संतान सुख की प्राप्ति होती है और संतान का स्वास्थ्य व करियर बेहतर होता है।। साथ ही रुके हुए सारे काम शीघ्र पूरे हो जाते हैं। यह व्रत ज्ञान, बुद्धि और सुख-शांति के लिए किया जाता है। वहीं जिन जातकों की कुंडली में बुध ग्रह कमजोर है या नीच का है, उन्हें इस व्रत से विशेष लाभ मिलता है। प्रदोष व्रत करने से घर में सुख-शांति आती है और मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

प्रेरक कथा

जो व्यक्ति सकारात्मक सोच और धैर्य के साथ आखिरी पल तक प्रयास करता है, वही सफल होता है

पुराने समय में एक राजा के राज्य पर उसके शत्रु राज्य ने आक्रमण कर दिया। युद्ध में राजा हार गया। उसके अधिकांश सैनिक मारे गए और शत्रु सेना उसके पीछे पड़ गई। अपनी जान बचाने के लिए राजा जंगल की ओर भागा और एक गहरी गुफा में जाकर छिप गया।

शत्रु सैनिक उसका पीछा करते-करते गुफा तक पहुंच गए। उन्होंने गुफा के अंदर जाकर राजा को खोजा, लेकिन वह उन्हें नहीं मिला। बाहर निकलकर उन्होंने गुफा के मुंह पर बड़े-बड़े पत्थर लगा दिए, ताकि राजा बाहर न निकल सके। सैनिकों को विश्वास था कि अब राजा का अंत निश्चित है।

गुफा के अंदर राजा अकेला, थका हुआ और भूख-प्यास से परेशान बैठा था। चारों ओर अंधेरा था और बाहर निकलने का कोई रास्ता दिखाई नहीं दे रहा था। धीरे-धीरे उसके मन में निराशा घर करने लगी। उसने सोचा कि अब उसका जीवन यहीं समाप्त हो जाएगा। इसी बीच उसे अपनी मां की कही हुई एक बात याद आई- "कुछ तो कर, यूं ही मत मर।" यह बात याद आते ही उसके मन में ऊर्जा और सकारात्मकता आ गई। उसने खुद से कहा कि जब तक सांस है, तब तक प्रयास करना चाहिए। बिना कोशिश किए हार मान लेना सबसे बड़ी हार है।

राजा ने हिम्मत जुटाई और गुफा के मुख्य द्वार पर रखे पत्थरों को हटाने का प्रयास शुरू किया। शुरुआत में उसे बहुत कठिनाई हुई, लेकिन उसने हार नहीं मानी। धीरे-धीरे उसने एक-एक पत्थर को खिसकाना शुरू किया। कई घंटों की मेहनत के बाद उसने बाहर निकलने का एक छोटा सा रास्ता बना लिया।

राजा गुफा से बाहर निकलने में सफल हो गया। बाहर निकलकर वह अपने मित्र राज्य के पास पहुंचा और सहायता मांगी। मित्र राजा की मदद से उसने फिर से सेना तैयार की और शत्रुओं पर आक्रमण किया। इस बार वह पूरी तैयारी और आत्मविश्वास के साथ लड़ा और अंततः विजय प्राप्त कर अपना राज्य वापस हासिल कर लिया।

प्रसंग की सीख

सबसे पहली और सबसे महत्वपूर्ण सीख है- कभी हार न मानना। जीवन में कठिन परिस्थितियां सभी के सामने आती हैं, लेकिन जो व्यक्ति आखिरी पल तक प्रयास करता है, वही सफल होता है। जैसे उस राजा ने निराशा के बावजूद कोशिश जारी रखी, वैसे ही हमें भी हर परिस्थिति में उम्मीद बनाए रखनी चाहिए।

दूसरी सीख है- सकारात्मक सोच बनाए रखना। जब राजा पूरी तरह निराश हो चुका था, तभी उसकी मां की बात ने उसे नई ऊर्जा दी। इसका मतलब है कि हमारे विचार ही हमें आगे बढ़ाते हैं या पीछे खींचते हैं। इसलिए हमेशा सकारात्मक सोच रखें।

तीसरी सीख- छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिणाम दे सकते हैं। राजा ने एक-एक पत्थर हटाया और अंत में बाहर निकल गया। जीवन में भी बड़े लक्ष्य एकदम से हासिल नहीं होते, बल्कि छोटे-छोटे कदमों से ही सफलता मिलती है।

चौथी सीख है- मुश्किल समय में धैर्य रखना। कठिन समय में घबराने की बजाय शांत रहकर समाधान खोजने की जरूरत होती है। धैर्य और संयम हमें सही निर्णय लेने में मदद करते हैं।

पांचवीं सीख- सहयोग का महत्व समझना। राजा ने अपने मित्र की मदद ली और फिर से अपना राज्य प्राप्त किया। जीवन में हमें यह समझना चाहिए कि हम सब कुछ अकेले नहीं कर सकते। सही समय पर मदद लेना और दूसरों का सहयोग करना सफलता का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

छठी सीख - आत्मविश्वास और मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। यदि हम खुद पर विश्वास रखें और निरंतर मेहनत करें, तो कोई भी बाधा हमें रोक नहीं सकती। इसलिए, जीवन में चाहे कितनी भी मुश्किलें क्यों न आएं, हमें हार नहीं माननी चाहिए।

सपने में खुद की शादी देखना शुभ या अशुभ ?

शादी के सपनों का महत्वः स्वप्न शास्त्र के अनुसार नींद में दिखने वाले हर सपने का एक अर्थ होता है। शादी से जुड़े सपने कभी शुभ संकेत देते हैं तो कभी किसी परेशानी की चेतावनी भी हो सकते हैं। इसलिए इन्हें नजरअंदाज करने के बजाय समझना जरूरी होता है।

दोबारा शादी का सपनाः सपने में खुद की दूसरी शादी देखना वैवाहिक जीवन में तनाव या मतभेद बढ़ने की ओर इशारा करता है। ऐसे में रिश्तों को संभालकर रखने की जरूरत होती है।

घोड़ी पर सवार होनाः अगर आप खुद को अपनी बारात में घोड़ी पर बैठे देखते हैं, तो यह एक सकारात्मक संकेत माना जाता है। यह जीवन में तरक्की और सफलता के नए अवसर मिलने का संकेत देता है।

हल्दी और मेहंदी की रस्मः सपने में शादी की हल्दी या मेहंदी की रस्म देखना शुभ माना जाता है। यह नई शुरुआत, नए काम या बिजनेस के लिए अच्छा समय दर्शाता है।

खुद को दुल्हन के रूप में देखनाः अगर कोई लड़की खुद को दुल्हन के रूप में सजा हुआ देखती है, तो यह घर में सुख-समृद्धि और धन लाभ का संकेत हो सकता है। साथ ही यह किसी शुभ कार्य के होने की ओर भी इशारा करता है।

विदाई का दृश्य देखनाः सपने में विदाई या रोने का दृश्य देखना सावधानी का संकेत माना जाता है। यह भविष्य में किसी परेशानी या नुकसान की ओर इशारा कर सकता है, इसलिए सतर्क रहना जरूरी होता है।

14 अप्रैल को खरमास खत्म फिर गूंजेगी शहनाइयां

19 अप्रैल को पहला विवाह मुहूर्त

14 अप्रैल को सूर्य के राशि परिवर्तन के बाद से फिर शादियों का दौर शुरू हो जाएगा। खरमास खत्म होते ही विवाह, देव प्रतिष्ठा, नूतन गृह निर्माण, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्य 14 अप्रैल के बाद शुरू हो गए हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि 15 मार्च से लगे खरमास की समाप्ति 14 अप्रेल को रही है। जिसके बाद मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाएंगे। सूर्य के मेष राशि में प्रवेश के साथ ही खरमास यानी मीन महीना खत्म हो गया है। इससे पहले 15 मार्च को सूर्य के मीन राशि में आने के बाद मीन मास चल रहा था। खरमास होने के कारण पिछले एक महीने से हर तरह के मांगलिक कामों पर रोक लगी हुई थी। लेकिन अब इनके लिए मुहूर्त रहेंगे। ज्योतिष ग्रंथों में कहा गया है कि जब सूर्य मीन राशि में रहता है तब इन दिनों में किसी भी तरह के शुभ काम नहीं करने चाहिए। इस दौरान सिर्फ जप, तप और स्नान-दान करना चाहिए। खासकर 19 अप्रैल 2026 को अक्षय तृतीया का अबूझ मुहूर्त है, जिसमें बिना पंचांग देखे विवाह किए जा सकते हैं। मई का महीना भी शादियों के लिए काफी अच्छा रहने वाला है।

इस दौरान गुरु और शुक्र की स्थिति अनुकूल रहने से वैवाहिक जीवन सुखमय रहता है। 14 अप्रैल 2026 सेविवाह का मौसम पुनः शुरू हो जाएगा, जो चातुर्मास के प्रारंभ तक जारी रहेगा। चातुर्मास देवशयनी एकादशी से प्रारंभ होकर देवउठनी एकादशी पर समाप्त होता है। देवउठनी एकादशी के अगले दिन तुलसी विवाह किया जाता है और इसके साथ ही शुभ कार्य शुरू हो जाते हैं। देवशयनी एकादशी 25 जुलाई 2026 को और देवउठनी एकादशी 20 नवंबर 2026 को पड़ेगी। इसलिए, 25 जुलाई से 20 नवंबर 2026 के बीच कोई भी शुभ कार्य नहीं होंगे।

पति के लिए राजयोग लेकर आती हैं इस मूलांक की लड़कियां

अंकज्योतिष में एक ऐसे मूलांक के बारे में बताया गया है जिस मूलांक की लड़कियां पति के लिए बेहद भाग्यशाली मानी जाती हैं। कहते हैं ये अपने जीवनसाथी के जीवन में राजयोग लेकर आती हैं। यहां हम मूलांक 4 की बात कर रहे हैं। जिन लोगों की जन्म तारीख 4, 13, 22 और 31 होती है उनका मूलांक 4 होता है। इस मूलांक का स्वामी राहु है। ज्योतिष में राहु को अचानक देने वाली चीजों का कारक माना जाता है। यही कारण है कि मूलांक 4 वालों के जीवन में कुछ भी अचानक से होता है और ये रातोंरात सफल हो जाते हैं। चलिए अब जानते हैं मूलांक 4 वाली लड़कियों के बारे में दिलचस्प बातें।

पति के लिए होती हैं भाग्यशाली

मूलांक 4 का स्वामी राहु है, जिसे अचानक फल देने वाला ग्रह माना जाता है। यही कारण है कि मूलांक 4 की लड़कियां जिस व्यक्ति से शादी करती हैं उसकी किस्मत अचानक से चमकना शुरू हो जाती है। शादी के बाद से ही इनके पति को करियर में अनपेक्षित लाभ मिलने लगता है।

निडर और साहसी

इस मूलांक की लड़कियां निडर और साहसी होती हैं। विपरीत परिस्थितियों में घबराती नहीं हैं। जब इनका पति किसी बड़ी मुश्किल में फंसता है, तब ये आउट ऑफ द बॉक्स सोचकर उन्हें रास्ता दिखाती हैं।

अत्याधिक मेहनती

ये लड़कियां बड़ी मेहनती होती हैं। यही कारण है कि जीवन में अपार सफलता प्राप्त करती हैं। जो ठान लेती हैं उसे पूरा करके ही दम लेती हैं।

प्रैक्टिकल

इस मूलांक की लड़कियां काफी प्रैक्टिकल होती हैं। यही कारण हैं कि इनके ज्यादातर निर्णय सही साबित होते हैं। इन्हें कोई इमोशनल फूल नहीं बना सकता।

वफादार

ये रिश्ते निभाने में बहुत पक्की होती हैं। जिसे अपना मान लेती हैं उसका साथ पूरी जिंदगी निभाती हैं। लेकिन अगर कोई इन्हें धोखा देने की कोशिश करे तो ये जिंदगी भर मांफ नहीं करती हैं।

स्वतंत्र सोच वाली

इस मूलांक की लड़कियां स्वतंत्र सोच वाली होती हैं। अपना जीवन अपनी शर्तों पर जीती हैं। हमेशा कुछ नया और आधुनिक करने की कोशिश करती हैं। पुरानी परंपराओं को नहीं मानती हैं।

तेज दिमाग

इनकी ऑब्जर्वेशन पावर बहुत बढ़िया होती है। जिसका फायदा इन्हें जीवन के कई क्षेत्रों में मिलता है।

मूलांक 4 की लड़कियों की खामियां

मूलांक 4 की लड़कियों में कुछ खामियां भी देखने को मिलती है। इनकी सबसे बड़ी कमी इनका तेज गुस्सा है, जिसके कारण इन्हें कई बार नुकसान भी पहुंचता है। ये काफी जिद्दी स्वभाव की होती हैं। जिसके कारण ये कई बार अपना और दूसरों का नुकसान कर बैठती हैं।

ये बहुत ज्यादा ओवरथिंकिंग करती हैं। जिसके चलते इन्हें मानसिक तनाव काफी ज्यादा रहता है।

दुनिया हर पल बदल रही है, लोग भी बदल जाते हैं, सिर्फ हमारी आत्मा नहीं बदलती है

दुनिया हर पल बदल रही है। हमारा जीवन भी बदल रहा है। हमारे अंदर और बाहर जो भी है- मन, बुद्धि, शरीर, सब बदलता रहता है। प्रकृति भी लगातार बदल रही है। इस दुनिया में कुछ भी एक जैसा नहीं रहता। यहां कुछ भी हमेशा रहने वाला नहीं है। हमारे आसपास के लोग भी बदल जाएंगे, उनका स्वभाव भी बदल जाएगा। सिर्फ हमारी आत्मा ही नित्य और शाश्वत है।

कांगड़ा के इस मंदिर में 'रोते' हैं बाबा काल भैरव

क्या है प्रतिमा से गिरते आंसुओं का 5 हजार साल पुराना रहस्य ?

देवभूमि हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ अपने रहस्यमयी मंदिरों के लिए भी विश्व विख्यात है। इसी पावन भूमि के कांगड़ा जिले में स्थित है 'श्री बज्रेश्वरी देवी मंदिर'। यह मंदिर न केवल अपनी भव्यता के लिए जाना जाता है, बल्कि यहां स्थित भगवान काल भैरव की एक ऐसी प्रतिमा है, जिसे देखकर वैज्ञानिक भी हैरान हैं।

जब आपदा आने वाली होती है, तो 'रो' पड़ते हैं काल भैरव। स्थानीय मान्यताओं और मंदिर के पुजारियों के अनुसार, जब भी कांगड़ा या आसपास के इलाकों में कोई बड़ी आपदा, महामारी या संकट आने वाला होता है, तो मंदिर में स्थापित बाबा काल भैरव की 5 हजार साल पुरानी प्रतिमा की आंखों से आंसू बहने लगते हैं।

स्थानीय लोग इसे एक गंभीर चेतावनी या 'अपशकुन' मानते हैं। इतिहास गवाह है कि 1976-77 में जब इस प्रतिमा से आंसू और पसीना निकला था, उसके तुरंत बाद कांगड़ा बाजार में भीषण अग्निकांड हुआ था।

पांडवों ने एक ही रात में किया था निर्माण

पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस भव्य मंदिर का निर्माण महाभारत काल में पांडवों ने किया था। कहा जाता है कि माता दुर्गा ने पांडवों को स्वप्न में दर्शन देकर 'नगरकोट' (कांगड़ा) में मंदिर बनाने का आदेश दिया था ताकि वे सुरक्षित रह सकें। नागर शैली में बना यह मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है, जहां माता सती का दाहिना वक्षस्थल गिरा था, इसलिए इसे 'स्तनपीठ' भी कहा जाता है।

क्या है आंसुओं के पीछे का वैज्ञानिक तर्क ?

जहां भक्तों की अटूट आस्था इसे ईश्वरीय संकेत मानती है, वहीं वैज्ञानिकों का एक अलग नजरिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रतिमा जिस पत्थर या रसायन से बनी है, वह नमी के संपर्क में आने पर प्रतिक्रिया देता है, जिससे एक तरल पदार्थ निकलता है जो आंसू जैसा प्रतीत होता है।

हालांकि, मंदिर के पुजारी इन मौकों पर विशेष हवन और पूजा-अर्चना करते हैं ताकि आने वाले संकटों को टाला जा सके। इतिहास की परतों में लिपटा वैभव यह मंदिर कभी इतना वैभवशाली था कि इसे महमूद गजनवी ने 5 बार लूटा था।

1905 के विनाशकारी भूकंप में मंदिर पूरी तरह ध्वस्त हो गया था, जिसे 1920 के आसपास दोबारा बनाया गया। मंदिर के प्रवेश द्वार पर बना 'नगारखाना' और इसकी किले जैसी दीवारें आज भी इसकी ऐतिहासिक वास्तुकला की गवाही देती हैं।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 14 अप्रैल - 2026

सुरों की मिसाल थीं आशा ताई

भारतीय सिनेमा के स्वर्णिम इतिहास में अपनी बहुरंगी आवाज से अमिट छाप छोड़ने वाली महान पार्श्वगायिका आशा ताई का निधन संगीत जगत के लिए गहरी क्षति है। उनके जाने से हिंदी फिल्म संगीत का एक बेहद सजीव और चमकदार अध्याय अचानक थम गया। दशकों तक अपनी आवाज से करोड़ों दिलों को झंकृत करने वाली यह शख्सियत अब हमारे बीच नहीं रही, लेकिन उनके गीत आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करते रहेंगे। शनिवार शाम 'कार्डियक अरेस्ट' के बाद उन्हें पुणे के कैंडी अस्पताल ले जाया गया था। चिकित्सकों ने पूरी कोशिश की, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। 92 वर्ष की आयु में उनका निधन केवल एक कलाकार का अंत नहीं, बल्कि एक युग की विदाई है। देश ही नहीं, विदेशों तक उनके निधन की खबर ने संगीत प्रेमियों को भावुक कर दिया। आशा ताई का जीवन संघर्ष, साहस और निरंतर मेहनत की मिसाल रहा। बेहद कम उम्र में गायन शुरू करने से लेकर हिंदी फिल्मों की अग्रणी आवाज बनने तक का उनका सफर आसान नहीं था। निजी जीवन की कठिनाइयों और पेशेवर चुनौतियों के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी। यही जिंदादिली उन्हें बाकी कलाकारों से अलग बनाती थी। उन्होंने लगभग बीस भाषाओं में बारह हजार से अधिक गीत गाकर एक अनोखा रिकॉर्ड स्थापित किया। उनकी आवाज में वह चंचलता, ऊर्जा और भावनात्मक गहराई थी, जो हर पीढ़ी के श्रोताओं को अपनी ओर खींचती रही। शास्त्रीय संगीत से लेकर आधुनिक धुनों तक, हर शैली में उनकी पकड़ अद्भुत थी।संगीतकार ओ.पी. नैयर और आर.डी. बर्मन के साथ उनकी जोड़ी ने हिंदी फिल्म संगीत को कई यादगार गीत दिए। उनकी आवाज में रोमांस था, शरारत थी, दर्द था और जीवन का उत्साह भी था। यही कारण है कि उनके गीत केवल सुने नहीं गए, बल्कि महसूस किए गए। आशा ताई की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने अपने भीतर की चुलबुली और जीवंत लड़की को कभी मरने नहीं दिया। यही ऊर्जा उनके व्यक्तित्व और गायन दोनों में झलकती रही। 92 वर्ष की उम्र में भी उनका सक्रिय रहना इस बात का प्रमाण है कि जुनून उम्र का मोहताज नहीं होता। उन्हें पद्म विभूषण, दादा साहेब फाल्के पुरस्कार सहित कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया। हालांकि उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान हमेशा श्रोताओं का प्रेम ही रहा। संगीत प्रेमियों के दिलों में जो स्थान उन्होंने बनाया, वह शायद ही किसी और को नसीब हो। आज जब संगीत का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है, तब आशा ताई की आवाज एक ऐसी धरोहर बन चुकी है, जो समय के साथ और भी मूल्यवान होती जाएगी। उनका जाना निश्चित रूप से एक अपूरणीय क्षति है, लेकिन उनकी मधुर आवाज हमेशा हमारे बीच जीवित रहेगी। सच तो यह है कि कलाकार कभी नहीं मरते। वे अपनी रचनाओं में हमेशा जीवित रहते हैं। आशा ताई भी अपने हजारों गीतों के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेंगी। भारतीय संगीत जगत में उनका योगदान सदैव स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा।

जब-जब बजेगी सरगम, याद आएंगी आशा भोसले

सुरेश गांधी

आशा जी का गायन किसी एक शैली में सीमित नहीं था। वे ठुमरी की कोमलता भी थीं, गजल की नज़ाकत भी, और फिल्मी गीतों की चपलता भी। "पिया तू अब तो आजा" की चुलबुली अदा से लेकर "इन आंखों की मस्ती" की गहराई तक, उन्होंने हर भाव को अपने स्वर में ढाला। उनकी आवाज़ में एक ऐसा जादू था, जो श्रोता के मन के सबसे भीतरी कोनों को छू लेता था। 8 सितंबर 1933 को सांगली में जन्मी आशा भोसले ने अपने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे। महान गायक दीनानाथ मंगेशकर की पुत्री होने के बावजूद उन्हें अपनी पहचान बनाने के लिए कठिन संघर्ष करना पड़ा। उनकी बहन लता मंगेशकर पहले से ही संगीत जगत की स्थापित हस्ती थीं, लेकिन आशा जी ने अपने अलग अंदाज और प्रयोगशीलता से खुद की एक विशिष्ट पहचान बनाई। जब आरडी बरमन के साथ उनकी जुगलबंदी बनी, तो हिंदी सिनेमा को एक नया संगीत मिला, आधुनिक, प्रयोगशील और दिलकश। "दम मारो दम", "चुरा लिया है तुमने" जैसे गीतों ने युवाओं की धड़कनों को नया सुर दिया। वहीं ओपी नायर के साथ उनके गीतों ने शास्त्रीयता और पाश्चात्य संगीत का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। आशा भोसले ने हिंदी के साथ-साथ मराठी, बंगाली, गुजराती, पंजाबी, तमिल, मलयालम, और यहां तक कि अंग्रेज़ी में भी गीत गाए। उनका स्वर भारत की विविधता का प्रतीक बन गया, हर भाषा में उतना ही सहज, उतना ही आत्मीय। राष्ट्रीय पुरस्कारों से लेकर पद्म विभूषण तक, उन्हें असंख्य सम्मानों से नवाजा गया। लेकिन उनकी असली पूंजी थी, श्रोताओं का प्रेम। उनकी आवाज़ में जो अपनापन था, वह हर पीढ़ी को जोड़ता रहा।

आज जब हम आशा भोसले को श्रद्धांजलि देते हैं, तो यह मानना कठिन लगता है कि वह स्वर अब हमारे बीच नहीं है। लेकिन सच यह है कि ऐसे स्वर कभी समाप्त नहीं होते, वे समय की सरहदों से परे जाकर अमर हो जाते हैं। उनकी गायकी हमें यह सिखाती है कि जीवन चाहे जैसा भी हो, उसमें सुर और लय बनाए रखना ही सबसे बड़ी कला है। आशा भोसले सिर्फ एक नाम नहीं थीं, वह भारतीय संगीत की धड़कन थीं। उनका हर गीत, हर आलाप, हर ठहराव हमें यह याद दिलाता रहेगा कि संगीत कभी मरता नहीं, वह बस रूप बदलकर हमारे भीतर जीवित रहता है। स्वर की वह चिरंजीवी नदी आज भी बह रही है... बस अब वह सुनाई नहीं देती, महसूस होती है।

23 अप्रैल 2017 का वह दिन काशी की स्मृतियों में आज भी सजीव है, जब आशा भोसले का प्रथम आगमन केवल एक सांगीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भावनाओं का महाकुंभ बन गया। काशी के भैंसासुर घाट पर आयोजित "सुर गंगा" मंच पर जैसे ही वह पहुँचीं, पूरा वातावरण "हर-हर महादेव" के जयघोष से गूंज उठा। गंगा घाट के किनारे उमड़ी जनसैलाब की वह तस्वीर आज भी रोंगटे खड़े कर देती है। हजारों प्रशंसकों के अपार प्रेम से अभिभूत आशा ताई ने फोल्डेड हैंड के साथ सबका अभिवादन किया और भावुक होकर कहा कि बनारसी साड़ी की तरह यहां के लोग भी बेहद खूबसूरत हैं। उन्होंने पहले मंच पर गाने से इनकार किया था, लेकिन काशी के प्रेम ने उन्हें मजबूर कर दिया, और फिर सुरों की वह गंगा बही, जिसमें पूरा शहर डूब गया। संगीत को अपनी "सांस" मानने वाली इस साधिका ने जब अपने जीवन के संघर्ष, भक्ति और साधना की बातें साझा कीं, तो वह पल सिर्फ सुनने का नहीं, महसूस करने का बन गया, एक ऐसा संगम, जहाँ स्वर, श्रद्धा और काशी एकाकार हो गए। घाटों पर बहती गंगा की लहरें भी जैसे सुरों में झूम रही थीं, और सीढ़ियों पर उमड़ी भीड़ किसी महोत्सव नहीं, बल्कि एक युग के स्वागत की साक्षी बन रही थी। और काशी ने उन्हें केवल सुना नहीं... उन्हें जी लिया। घाटों की सीढ़ियों से लेकर दूर तक फैली भीड़... हर आँख में दीवानगी, हर दिल में एक ही धड़कन, आशा। वह क्षण किसी संगीत कार्यक्रम का नहीं, एक भावनात्मक मिलन का था। दस साल की उम्र में पहला गीत, संघर्षों से भरा सफर, ट्रेन से स्टूडियो तक की यात्रा, और एक माँ का त्याग... यह सिर्फ एक गायिका की कहानी नहीं थी, यह एक साधिका की तपस्या थी। उनकी स्मृतियों में लता मंगेशकर के साथ बचपन की मासूमियत भी झलक उठी, वह साथ स्कूल जाना, साथ रोना, और फिर जीवन भर साथ सुरों में जीना। आशा भोसले ने खुद को भगवान शिव का भक्त बताया। दस ज्योतिर्लिंगों के दर्शन कर चुकी इस साधिका की इच्छा थी कि वह अपनी आध्यात्मिक यात्रा को पूर्ण करें। अगले दिन उन्होंने बाबा विश्वनाथ धाम में रुद्राभिषेक कर आशीर्वाद लिया। वैदिक मंत्रों के बीच वह सिर्फ एक कलाकार नहीं थीं, वह एक भक्त थीं। दो दिन के प्रवास के बाद उन्होंने कहा, "यह शहर बदल रहा है... स्वच्छता दिखती है, विकास दिखता है... और सबसे बढ़कर, यहाँ का प्रेम दिल में बस जाता है।" एक आवाज... जो कभी बूढ़ी नहीं होती। 'नया दौर' से 'रंगीला' तक, समय बदलता गया, पीढ़ियाँ बदलती गईं, लेकिन आशा भोसले की आवाज हमेशा जवान रही। तीसरी मंजिल की की चंचलता, उमराव जान की नज़ाकत, और रंगीला की आधुनिकता, हर दौर में उन्होंने खुद को नए सिरे से रचा।

भारतीय संगीत जगत में आशा भोसले का नाम केवल उनके गीतों से नहीं, बल्कि उनकी जीवन शैली, सोच, अनुशासन और जिंदादिली से भी पहचाना जाता है। वे सिर्फ सुरों की साधिका नहीं रहीं, बल्कि जीवन को एक कला की तरह जीने वाली ऐसी शख्सियत रहीं, जिन्होंने हर मोड़ पर खुद को नए रूप में ढाला। आशा भोसले की जीवन शैली हमेशा संतुलित और अनुशासित रही। बड़े से बड़े मंच पर चमकने वाली यह गायिका निजी जीवन में बेहद सरल थीं। उन्हें अच्छे भोजन, खासकर पारंपरिक व्यंजनों का शौक रहा, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने अपने स्वास्थ्य और दिनचर्या का विशेष ध्यान रखा। सुबह का रियाज, समय की पाबंदी, और काम के प्रति पूर्ण समर्पणकृये उनके जीवन के मूल तत्व रहे। उम्र के अंतिम पड़ाव तक भी उनका यह अनुशासन कायम रहा, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है। उन्हें नए-नए प्रयोग करना पसंद था, चाहे वह संगीत में हो या जीवन में। उन्होंने कभी खुद को किसी एक दायरे में सीमित नहीं कियाज़ जहाँ एक ओर वे पारंपरिक गीतों में डूबी नजर आती थीं, वहीं दूसरी ओर आधुनिक संगीत और पॉप संस्कृति के साथ भी सहजता से जुड़ जाती थीं। उनकी यही सोच उन्हें हर पीढ़ी के करीब ले आई।

गीतों की विविधता : हर मूड की आवाज़

अगर उनके गीतों को देखें, तो वह एक पूरी दुनिया की तरह हैं। "पिया तू अब तो आजा" जैसी चंचलता, "दिल चीज क्या है" जैसी नज़ाकत, "मेरा कुछ सामान" जैसी गहराई, हर गीत में एक नया रंग, एक नया एहसास। उन्होंने सिर्फ गाया नहीं, बल्कि हर गीत को जियाज़ उनकी आवाज़ में भावनाओं की ऐसी परतें थीं, जो सीधे दिल तक पहुँचती थीं।

व्यक्ति नहीं, क्रांति का नाम है डॉ. भीमराव अंबेडकर

योगेश कुमार गोयल

भारत के सामाजिक, राजनीतिक और संवैधानिक इतिहास में डॉ. भीमराव अंबेडकर का व्यक्तित्व एक ऐसे विराट बौद्धिक और नैतिक शिखर के रूप में स्थापित है, जिसने भारतीय समाज की जड़ता को चुनौती देते हुए उसे समता, न्याय और बंधुत्व के आधुनिक मूल्यों से आलोकित किया। वे केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक जीवंत विचारधारा, एक जागृत चेतना और एक सतत सामाजिक क्रांति के पर्याय हैं। 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में जन्मे अंबेडकर ने उस सामाजिक यथार्थ को स्वयं जिया, जिसमें जन्म के आधार पर मनुष्य की गरिमा निर्धारित की जाती थी। बाल्यावस्था में झेली गई उपेक्षा, भेदभाव और अपमान ने उनके भीतर निराशा नहीं, परिवर्तन की एक प्रखर और संगठित चेतना को जन्म दिया। उनके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह थी कि उन्होंने अपने व्यक्तिगत संघर्षों को व्यापक सामाजिक संघर्ष में रूपांतरित किया। शिक्षा उनके लिए केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं थी बल्कि सामाजिक मुक्ति का सबसे सशक्त औजार थी।

सीमित संसाधनों और विषम परिस्थितियों के बावजूद डॉ. अंबेडकर ने अपनी अदम्य इच्छाशक्ति के बल पर उच्च शिक्षा प्राप्त की। कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसे विश्वविख्यात संस्थानों में अध्ययन करते हुए उन्होंने अर्थशास्त्र, राजनीति और विधि के क्षेत्र में गहन अध्ययन किया और अपने ज्ञान को सामाजिक परिवर्तन के लिए समर्पित किया। यह शिक्षा ही थी, जिसने उन्हें भारतीय समाज की संरचनात्मक विसंगतियों को समझने और उनके समाधान के लिए ठोस नीतिगत दृष्टिकोण विकसित करने में सक्षम बनाया। अंबेडकर का जीवन केवल संघर्षों का इतिहास नहीं बल्कि समाधान की एक सुविचारित और व्यवस्थित प्रक्रिया है। उन्होंने यह स्पष्ट रूप से समझ लिया था कि सामाजिक परिवर्तन केवल भावनात्मक आवेग से संभव नहीं है बल्कि इसके लिए वैचारिक स्पष्टता, संगठित प्रयास और संस्थागत ढांचे की आवश्यकता होती है। 1927 का महाड़ सत्याग्रह इसी सोच का परिणाम था, जिसमें उन्होंने दलितों के लिए सार्वजनिक जल स्रोतों तक पहुंच सुनिश्चित करने के अधिकार की मांग की। यह केवल पानी के अधिकार का प्रश्न नहीं था बल्कि सामाजिक समानता के मूल सिद्धांत की स्थापना का प्रयास था। इसी प्रकार 1930 का कालाराम मंदिर प्रवेश आंदोलन धार्मिक स्थलों में समान अधिकार की मांग का प्रतीक था, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि अंबेडकर का संघर्ष केवल सामाजिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक और धार्मिक समानता के लिए भी था।

महात्मा गांधी के साथ 1932 में हुआ पूना समझौता अंबेडकर की राजनीतिक दूरदर्शिता और सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचायक था। उन्होंने अपने सिद्धांतों से समझौता किए, बिना राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता को प्राथमिकता दी। यह समझौता इस बात का उदाहरण था कि वे केवल संघर्ष करने वाले नेता नहीं थे बल्कि समाधान खोजने वाले युगदृष्टा भी थे। भारतीय संविधान के निर्माण में अंबेडकर की भूमिका उन्हें इतिहास में एक अद्वितीय स्थान प्रदान करती है। संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने एक ऐसे लोकतांत्रिक ढांचे की रचना की, जिसमें प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, स्वतंत्रता और न्याय की गारंटी मिले। उनके लिए संविधान केवल एक विधिक दस्तावेज नहीं था बल्कि सामाजिक परिवर्तन का एक सशक्त साधन था। उन्होंने संविधान में समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों को इस प्रकार समाहित किया कि यह भारतीय समाज की विविधता के बीच एकता को बनाए रखने का माध्यम बन सके।

डॉ. अंबेडकर ने यह स्पष्ट चेतावनी दी थी कि यदि सामाजिक लोकतंत्र स्थापित नहीं हुआ तो राजनीतिक लोकतंत्र भी स्थायी नहीं रह पाएगा। उनका यह दृष्टिकोण आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना उस समय था। उन्होंने अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था, मौलिक अधिकारों की स्थापना और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के माध्यम से एक समावेशी समाज की नींव रखी।

अंबेडकर की क्रांतिकारी चेतना का एक महत्वपूर्ण आयाम उनका धार्मिक दृष्टिकोण भी था। उन्होंने धर्म को व्यक्ति की गरिमा और सामाजिक समानता के संदर्भ में देखा। 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में उन्होंने बौद्ध धर्म ग्रहण किया, जो उनके जीवन का एक ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक निर्णय था। यह केवल धर्म परिवर्तन नहीं था बल्कि सामाजिक अन्याय के विरुद्ध एक सशक्त वैचारिक घोषणा थी। बौद्ध धर्म के माध्यम से उन्होंने करुणा, समता और मानवता के मूल्यों को पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया। डॉ. अम्बेडकर के जीवन का एक और महत्वपूर्ण पहलू उनका बौद्धिक और वैचारिक संघर्ष था। उन्होंने लेखन और भाषणों के माध्यम से समाज की जटिल समस्याओं का विश्लेषण किया और उनके समाधान प्रस्तुत किए। उनकी कुछ प्रसिद्ध कृतियां आज भी सामाजिक चिंतन का महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने तर्क, विज्ञान और विवेक को अपने विचारों का आधार बनाया और अंधविश्वास, रूढ़ियों तथा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई। 1951 में हिंदू कोड बिल के पारित न होने पर उनका मंत्रिमंडल से इस्तीफा इस बात का प्रमाण है कि उनके लिए सत्ता से अधिक महत्वपूर्ण सिद्धांत थे। यह घटना उनके चरित्र की दृढ़ता और नैतिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों के लिए जो संघर्ष किया, वह उस समय के सामाजिक परिप्रेक्ष्य में अत्यंत क्रांतिकारी था।

आज, जब भारत सामाजिक और आर्थिक विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है, डॉ. अंबेडकर के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो उठते हैं। जातीय भेदभाव, लैंगिक असमानता और सामाजिक विषमता जैसी चुनौतियां यह संकेत देती हैं कि उनकी आरंभ की गई सामाजिक क्रांति अभी अधूरी है। उनके विचार हमें यह सिखाते हैं कि लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं है बल्कि यह सामाजिक न्याय और समान अवसरों की सतत प्रक्रिया है। अंबेडकर का मानना था कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जाना चाहिए। यह विचार आज भी लैंगिक समानता के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने श्रमिकों के अधिकारों के लिए भी महत्वपूर्ण योगदान दिया और 8 घंटे के कार्यदिवस जैसी अवधारणाओं को बढ़ावा दिया। अम्बेडकर की सबसे बड़ी देन यह है कि उन्होंने समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों को आत्मसम्मान और अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा दी। उनका प्रसिद्ध नारा "शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो" आज भी सामाजिक परिवर्तन का मूल मंत्र है। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि वास्तविक परिवर्तन विचारों, शिक्षा और संवैधानिक मार्ग से ही संभव है।

ईरान आखिर लेबनान को इजराइली हमलों से क्यों बचा रहा?

राजेश श्रीवास्तव

दुनिया भर की निगाहें ईरान और अमेरिका की पाकिस्तान के इस्लामाबाद में हुई शांति वार्ता पर लगी थीं लेकिन एक दिन के भीतर ही दोनों देशों के अड़ियल रवैये के चलते इस्लामाबाद शांति वार्ता धूल चाटते नजर आयीं। अब जब दोनों देशों के बीच वार्ता टूट गयी है और दोनों देश वापस आमने-सामने हैं तो परिणाम भी और घातक होने की उम्मीद है। इस वार्ता में सबसे बड़ी बाधा बना इजरायल का लेबनान पर हमला। ईरान किसी कीमत पर इस मुद्दे को छोड़ने को राजी नहीं हुआ और उधर इजरायल ने भी अमेरिका को दो टूक कह दिया कि परिणाम कुछ भी हो लेकिन वह लेबनान को अंतिम क्षण तक नहीं छोड़ेगा। तो आखिर ऐसा क्या है कि लेबनान का साथ छोड़ने को ईरान तैयार नहीं हो रहा है, यह हमें समझना होगा। शांति वार्ता में ईरान ने लेबनान का मुद्दा उठाया। ईरान लेबनान में इजराइल के हमले रोकने अमेरिका से अड़ गया। अब सवाल है कि ईरान लेबनान पर हमले रोकने की बात क्यों कर रहा है? उसे लेबनान की इतनी चिता आखिर क्यों है?

इस्लामाबाद में ईरान-अमेरिका की शांति वार्ता में लेबनान एक बड़ा मुद्दा बना। ईरान ने साफ कहा, इजराइल लेबनान पर हमले तुरंत बंद करे और इसके लिए अमेरिका इजराइल पर दबाव बनाए। उसे यह भी पता है कि अगर अमेरिका कहेगा तो इजराइल हमले बंद कर सकता है अन्यथा वह इस काम को जारी रखेगा। ऐसे में सवाल है कि युद्धरत ईरान, अपने सुप्रीम लीडर को खोने वाला ईरान, दर्जनों टॉप लीडर्स की मौत के बाद भी वह लेबनान पर हमले रोकने की बात क्यों कर रहा है? उसे लेबनान की इतनी चिता आखिर क्यों है?

दरअसल पश्चिम एशिया की राजनीति बहुत जटिल है। ईरान और लेबनान का रिश्ता भी अलग तरह का है। इसके पीछे रणनीति, सुरक्षा, विचारधारा और क्षेत्रीय असर की बड़ी कहानी है। ईरान के लिए लेबनान सिर्फ एक छोटा अरब देश नहीं है बल्कि यह उसके क्षेत्रीय समीकरण का अहम हिस्सा है। अगर लेबनान अस्थिर होता है तो उसका असर सिर्फ बेरूत तक नहीं रहता। उसकी गूंज तेहरान, दमिश्क, गाजा, इराक और यहां तक कि इजरायल की सीमा तक सुनाई देती है। ईरान लंबे समय से खुद को पश्चिम एशिया की बड़ी ताकत के रूप में देखता है। वह चाहता है कि इस क्षेत्र में उसका प्रभाव बना रहे। इस मकसद के लिए, उसे ऐसे स्थान चाहिए, जहां उसका राजनीतिक और सामरिक असर हो। लेबनान ऐसा ही एक अहम बिंदु है। लेबनान की स्थिति बहुत खास है। यह इजराइल के बेहद करीब है। सीरिया से इसका सीधा संपर्क है। भूमध्य सागर तक इसकी पहुंच है। यानी यह एक ऐसा भू-राजनीतिक ठिकाना है, जहां से बड़े क्षेत्रीय समीकरण प्रभावित किए जा सकते हैं। इसीलिए ईरान के लिए लेबनान सिर्फ एक दोस्त देश नहीं है। यह एक रणनीतिक जगह है। अगर यहां उसका प्रभाव कम होता है, तो क्षेत्र में उसकी पकड़ भी कमजोर पड़ सकती है। इसी कारण वह लेबनान को अपने बड़े सुरक्षा ढांचे का हिस्सा मानता है। दूसरी तरफ अगर यह चर्चा की जाये तो हिजबुल्लाह की चर्चा भी जरूरी है। यह लेबनान का एक बड़ा राजनीतिक और सैन्य संगठन है। दुनिया इसे ईरान का करीबी मानती है। ईरान हिज्बुल्लाह को सिर्फ एक सहयोगी संगठन के रूप में नहीं देखता। वह इसे अपनी प्रतिरोध नीति का हिस्सा मानता है। ईरान का मानना रहा है कि इजरायल के खिलाफ दबाव बनाए रखने में हिज्बुल्लाह की बड़ी भूमिका है। यदि लेबनान में बड़ा युद्ध होता है, तो सबसे बड़ा असर हिज्बुल्लाह पर पड़ता है। यदि हिज्बुल्लाह कमजोर होता है, तो ईरान की क्षेत्रीय ताकत भी कम होती है। इसी कारण ईरान लेबनान में तनाव बढ़ने से चिंतित रहता है। वह चाहता है कि हालात इतने न बिगड़ें कि उसका सबसे महत्वपूर्ण सहयोगी गहरे संकट में पड़ जाए। ईरान और इजराइल के रिश्ते लंबे समय से टकराव वाले रहे हैं। दोनों देश एक-दूसरे को बड़े खतरे के रूप में देखते हैं। ईरान सीधे इजराइल से पारंपरिक युद्ध नहीं लड़ता। इसके बजाय वह क्षेत्रीय नेटवर्क, सहयोगी समूहों और राजनीतिक प्रभाव के जरिए संतुलन बनाने की कोशिश करता है। ईरान के नजरिए से देखें तो लेबनान में मौजूद उसका प्रभाव, इजरायल पर एक तरह का सामरिक दबाव है। यह दबाव सिर्फ सैन्य नहीं, मनोवैज्ञानिक और कूटनीतिक भी है। अगर लेबनान में जंग फैल जाती है तो पूरा संतुलन बिगड़ सकता है। या तो वहां क्षेत्रीय युद्ध छिड़ सकता है, या फिर ईरान का एक अहम दबाव बिंदु कमजोर हो सकता है।

इसीलिए ईरान यह चाहता है कि हालात उसके नियंत्रण से बाहर न जाएं। वह तनाव को अपने हित में बनाए रखना चाहता है लेकिन पूर्ण युद्ध से बचना भी चाहता है। ईरान खुद को सिर्फ एक देश के रूप में नहीं, बल्कि एक विचार के रूप में भी पेश करता है। इस सोच में ऐसे समूह और देश शामिल माने जाते हैं, जो इजरायल और पश्चिमी दबाव का विरोध करते हैं। लेबनान इस विचारधारा में महत्वपूर्ण जगह रखता है। यहां शिया समुदाय की बड़ी आबादी है। हिज्बुल्लाह का सामाजिक और राजनीतिक आधार भी इसी समाज में है। ईरान ने बरसों तक इस जुड़ाव को मजबूत किया है। इस रिश्ते में धर्म, राजनीति और पहचान तीनों जुड़े हुए हैं।

साहूकार से सिस्टम तक: 11 साल में बदलता वित्तीय भारत

आरके जैन

जब किसी देश की अर्थव्यवस्था की असली नब्ज टटोलनी हो, तो उसे सेंसेक्स की ऊंचाइयों में नहीं, बल्कि उन तंग गलियों में तलाशना पड़ता है जहां छोटे-छोटे कारोबार उम्मीद के सहारे सांस लेते हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के 11 वर्ष दरअसल उसी उम्मीद की गूंज हैं—एक ऐसा प्रयास, जिसने 'फंडिंग द अनफंडेड' के संकल्प को हकीकत में बदलते हुए उन हाथों तक पूंजी पहुंचाने की कोशिश की, जो अब तक केवल श्रम और जज्बे के भरोसे आगे बढ़ रहे थे। 8 अप्रैल 2015 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई इस पहल ने सूक्ष्म उद्यमिता को न केवल पहचान दी, बल्कि उसे एक नई दिशा भी दी। फिर भी, ग्यारह साल बाद यह सवाल और अधिक तीखा हो उठा है-क्या यह बदलाव सचमुच जमीनी स्तर पर स्थायी रूप ले पाया है, या फिर आंकड़ों की चमक ने हकीकत के धुंधलेपन को ढक दिया है?

ग्यारह वर्षों की यह यात्रा केवल समय का विस्तार नहीं, बल्कि पैमाने और प्रभाव का भी सशक्त प्रमाण है। मार्च 2026 तक 57 करोड़ से अधिक ऋण खाते और 40 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का वितरण-ये आंकड़े अपने आप में एक आर्थिक परिवर्तन की कहानी बयां करते हैं। विशेष रूप से वित्त वर्ष 2025-26 में 5.65 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड वितरण यह दर्शाता है कि योजना अब केवल शुरुआत नहीं, बल्कि निरंतर विस्तार के चरण में है। बिना किसी गारंटी के 20 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराना उस वर्ग के लिए ऐतिहासिक कदम साबित हुआ, जिसे कभी बैंकिंग व्यवस्था के दरवाजे पर भी जगह नहीं मिलती थी। इस पहल ने वित्तीय समावेशन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाते हुए न केवल छोटे उद्यमियों को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ा, बल्कि उन्हें विकास की मुख्यधारा में सक्रिय भागीदार भी बनाया।

इस योजना का सबसे मजबूत पक्ष इसका सामाजिक समावेशन है। लगभग 67 प्रतिशत (दो-तिहाई) ऋण खातों/लाभार्थियों का महिलाओं के नाम होना आर्थिक स्वतंत्रता में उनके बढ़ते योगदान और सशक्त भूमिका को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों की उल्लेखनीय भागीदारी यह बताती है कि योजना वंचित और हाशिए पर खड़े वर्गों तक प्रभावी रूप से पहुंची है। 12 करोड़ से अधिक नए उद्यमियों का पहली बार बैंकिंग प्रणाली से जुड़ना इसके व्यापक प्रभाव और वित्तीय समावेशन की गहराई को स्पष्ट करता है। लगभग 2 प्रतिशत के आसपास की कम एनपीए दर यह संकेत देती है कि छोटे उद्यमी भी ऋण का जिम्मेदारी से उपयोग कर रहे हैं और इसे सफलतापूर्वक चुकाने में सक्षम हैं। महिलाओं के सशक्तिकरण में मुद्रा योजना का प्रभाव बेहद स्पष्ट और दूरगामी रहा है। पिछले कुछ वर्षों में 67 प्रतिशत से अधिक ऋण महिलाओं को मिलना इस बात का मजबूत संकेत है कि वे अब केवल घरेलू भूमिकाओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि स्थानीय और सूक्ष्म अर्थव्यवस्था की सक्रिय धुरी बन चुकी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे कस्बों तक बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ने से साहूकारों पर निर्भरता में उल्लेखनीय कमी आई है। उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में बड़े पैमाने पर ऋण वितरण ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति दी है। इसके परिणामस्वरूप छोटे-छोटे व्यवसायों का विस्तार हुआ है और स्वरोजगार के माध्यम से रोजगार सृजन के नए अवसर लगातार विकसित हो रहे हैं।

बिहार की पूनम कुमारी (मशरूम उत्पादन) और असम की विनीता (हस्तशिल्प/चाय उद्योग/स्थानीय उत्पाद) जैसी उद्यमियों की सफलता यह स्पष्ट करती है कि सीमित संसाधनों वाले छोटे सपनों को जब समय पर पूंजी मिलती है, तो वे बड़े और स्थायी बदलाव में बदल सकते हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट भी इस तथ्य को स्वीकार करती है कि मुद्रा योजना ने सूक्ष्म उद्यमों को औपचारिक ऋण व्यवस्था से जोड़कर वित्तीय समावेशन को मजबूत किया है। इन उदाहरणों से यह साफ होता है कि यह योजना केवल ऋण देने तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने लोगों को आत्मविश्वास, अवसर और आगे बढ़ने की नई दिशा भी प्रदान की है।

एक भारतीय पति

डॉ. सुरेश कुमार

भारतीय गृहस्थी के कुरुक्षेत्र में पत्नी वह अपराजेय महारथी है, जो बेलन को गांडीव की तरह नहीं, बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम के डंडे की तरह इस्तेमाल करती है ताकि पति का 'स्व' और 'अहं' दोनों कुचले जा सकें। बेचारा पति एक ऐसा क्लर्क है, जिसकी फाइल पर पत्नी रूपी उच्चाधिकारी हर दस मिनट में नई आपत्ति लगा देता है। वह जब घर में प्रवेश करता है, तो उसे अहसास होता है कि उसकी हैसियत उस फटे हुए पायदान जैसी है जिसे सिर्फ पोंछा लगाने के काम लाया जा सकता है। पत्नी की वाणी में वह मधुरता होती है जो सीधे कान के पर्दे फाड़कर कलेजे में छेद कर देती है, और उसका तर्क इतना वैज्ञानिक होता है कि वह सिद्ध कर देती है कि अगर सब्जी में नमक कम है, तो इसके पीछे पति के खानदान का सामंती इतिहास जिम्मेदार है। वह एक ऐसी तानाशाह है जो प्रजातंत्र का ढोंग करते हुए पति से पूछती है कि 'खाने में क्या बनेगा?', लेकिन अंततः वही बनता है जो पति को नापसंद हो, क्योंकि कष्ट ही मोक्ष का मार्ग है। पति के लिए पत्नी का सताना कोई आकस्मिक घटना नहीं, बल्कि एक व्यवस्थित 'पंचवर्षीय योजना' है जिसे वह प्रतिदिन सफलतापूर्वक लागू करती है। वह उसकी अलमारी को इस तरह 'व्यवस्थित' करती है कि बेचारा अपनी बनियान खोजने के लिए यूनेस्को की मदद मांगने पर मजबूर हो जाए, और जब वह न मिले, तो पत्नी अपनी दिव्य दृष्टि से उसे वहीं से निकाल लेती है जहाँ से वह दस बार देख चुका होता है। इस चमत्कार के बाद जो ताना मारा जाता है, वह किसी धारदार छुरे से अधिक गहरा घाव देता है कि 'आंखें हैं या बटन?'। वह पति की छोटी-छोटी खुशियों को वैसे ही निगल जाती है जैसे कोई भ्रष्ट नेता विकास का बजट डकार जाता है। यदि पति दोस्तों के साथ हंसने की गुस्ताखी कर ले, तो घर लौटते ही उसे वह मौन व्रत झेलना पड़ता है जिसकी भयावहता के सामने हिमालय की गुफाएं भी फीकी पड़ जाएं। उसके व्यंग्य बाण इतने सटीक होते हैं कि अर्जुन भी शरमा जाए, और हर पंचलाइन में पति की सात पीढ़ियों का उद्धार हो जाता है।

एक सताने वाली पत्नी का सबसे प्रिय हथियार 'तुलना' है, जिसमें वह पड़ोस के उस निठल्ले वर्मा जी को भी साक्षात कुबेर और सत्यवादी हरिश्चंद्र सिद्ध कर देती है, ताकि पति को अपनी दरिद्रता और नैतिक पतन का बोध होता रहे। वह पति को एक ऐसा 'प्रोजेक्ट' मानती है जो कभी पूरा नहीं हो सकता, इसलिए वह उस पर लगातार संशोधन करती रहती है—कभी उसकी चाल-ढाल पर, तो कभी उसकी अक्ल के अंधेपन पर। उसके लिए पति एक ऐसा रेडियो है जिसका वॉल्यूम तो उसके हाथ में है, लेकिन उसकी बैटरी हमेशा पति के खून से चार्ज होती है। जब वह कहती है कि 'मुझे आपसे कुछ नहीं चाहिए', तो समझ लीजिए कि वह अगले तीन घंटे तक उन सब चीजों की लिस्ट सुनाने वाली है जो आपने उसे पिछले दस साल में नहीं दीं। उसकी शिकायतों का रजिस्टर कभी नहीं भरता, क्योंकि उसमें हर रोज नए अध्याय जोड़े जाते हैं, और पति उस पुराने स्कूल के मास्टर की तरह है जो बिना तनख्वाह के सजा भुगतने का आदि हो चुका है। आखिरकार सताया हुआ पति उस दार्शनिक की तरह हो जाता है जिसे नरक से अब डर नहीं लगता, क्योंकि उसका 'होम ट्रायल' पहले ही चल रहा है।

वेजिटेरियन लोगों के शरीर पर मांस चढ़ाने का देसी उपाय, सत्तू खाने के 5 तरीके

आज के जमाने में विदेशी सुपरफूड और प्रोटीन सप्लीमेंट्स का बोलबाला है। लोग एवाकाडो, क्विनोआ जैसे विदेशी फूड्स के पीछे भाग रहे हैं। लेकिन एक भारतीय डॉक्टर होने के नाते आज भी मेरा विश्वास कई सारे देसी खाद्य पदार्थों पर बना हुआ है, जिसमें सत्तू भी शामिल है। यह प्लांट बेस्ड प्रोटीन सोर्स वेजिटेरियन लोगों के शरीर पर मांस यानी मसल्स बढ़ाने में मदद करता है। इसे भुने चनों से बनाया जाता है, जो डाइट में कई सारे महत्वपूर्ण और जरूरी पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाता है।

मॉडर्न वर्ल्ड में भी क्यों जरूरी है सत्तू का न्यूट्रिशन?

सत्तू काफी पौष्टिक फूड है। इसके अंदर काफी अधिक मात्रा में प्लांट बेस्ड प्रोटीन होता है, जो शाकाहारी लोगों के मसल्स गेन के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसका हाई फाइबर पाचन को सुधारता है और पेट को देर तक भरा रखता है। जिससे आपकी भूख शांत रहती है। इसके अंदर आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे जरूरी मिनरल्स होते हैं और कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट्स भी मौजूद होते हैं, जो लंबे समय तक एनर्जी देने में मदद करते हैं। इतने सारे पोषण की मौजूदगी और संतुलन शरीर के वजन को मैनेज करने में मदद करता है। इससे आपका एनर्जी और ब्लड शुगर का लेवल मेंटेन रहता है। रिफाइंड फ्लोर के मुकाबले सत्तू आपके मेटाबॉलिज्म के लिए ज्यादा अच्छा है और ब्लड ग्लूकोज में अचानक स्पाइक भी नहीं लाता।

डाइट में सत्तू को शामिल करने के 5 तरीके

सत्तू को कई तरीकों से डाइट में शामिल किया जा सकता है, इसलिए यह मॉडर्न और ट्रेडिशनल डाइट में आसानी से मिल जाता है।

नमकीन सत्तू ड्रिंक: 2-3 चम्मच सत्तू को ठंडे पानी के साथ मिलाएं। इसके अंदर भुना जीरा पाउडर, काला नमक, नींबू का रस और ताजा धनिया डालें। यह ड्रिंक शरीर को हाइड्रेट करने और खोए हुए साल्ट की रिकवरी करने में मदद करेगी।

सत्तू की मीठी ड्रिंक: सत्तू को पानी या दूध में मिलाएं। फिर इसके अंदर गुड़ और इलायची पाउडर डालकर पीएं। यह एक नेचुरल एनर्जी बूस्ट देगा।

सत्तू पराठा: सत्तू को मसाले, प्याज और कुछ हर्ब्स के साथ मिलाकर व्होल व्हीट आटे से तैयार पराठों की स्टफिंग के रूप में इस्तेमाल करें।

सत्तू का दलिया: यह जल्दी बनने वाला हेल्दी नाश्ता है। इसे बनाने के लिए सत्तू को गर्म पानी या दूध के साथ मिलाकर सेवन कर सकते हैं।

सत्तू के लड्डू: इसे एक हेल्दी स्नैक और मिठाई के रूप में उपयोग कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए सत्तू को घी और गुड़ के साथ मिलाकर लड्डू की शेप दें।

सत्तू खाने के फायदे

आज के दौर में खाने की अनियमित आदतें, प्रोसेस्ड फूड का सेवन और पाचन से जुड़ी समस्याएं काफी आम हो गई हैं। सत्तू का सेवन इन समस्याओं से राहत दिलाता है। इसका फाइबर गट हेल्थ को सपोर्ट करता है और प्रोटीन मसल्स को मेंटेन करने में मदद करता है। गर्मी के दिनों में यह बॉडी को ठंडक देने का काम करता है। साथ ही इसका सेवन करने के लिए आपको कोई मेहनत नहीं करनी पड़ती है।

सत्तू खाते हुए किन बातों का रखें ध्यान?

सत्तू शरीर के लिए हेल्दी है, लेकिन इसका मॉडरेशन में सेवन करना चाहिए। पर्याप्त फ्लूइड के बिना और बहुत ज्यादा सत्तू खाने पर ब्लोटिंग और पेट की दिक्कतें हो सकती हैं। इसका सेवन करते हुए हमेशा पर्याप्त तरल लेने पर ध्यान दें। किडनी की बीमारी से परेशान या प्रोटीन नियंत्रित डाइट वाले लोगों को इसे नियमित तौर पर लेने से पहले डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

कितना सत्तू लेना ठीक है?

अधिकतर वयस्कों के लिए रोजाना 2 से 3 चम्मच सत्तू लेना काफी है। आप इसे नाश्ते और लंच के बीच में ड्रिंक के तौर पर, हल्की मील के तौर पर या एक्सरसाइज के बाद वाले प्लांट बेस्ड प्रोटीन सपोर्ट के रूप में ले सकते हैं।

सत्तू बताता है कि पारंपरिक डाइट आज की मॉडर्न न्यूट्रिशनल जरूरतों में भी फिट बैठ सकती है। यह बेहद सस्ता, आसानी से मिलने वाला और पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ है, जो आपकी रोजाना की डाइट को सुपरहेल्दी बनाता है।

सिर घूमना और चक्कर आना: अलग-अलग हैं दोनों चीज, डॉक्टर ने बताया क्या है बारीक-सा अंतर?

दुनिया के किसी भी कोने में चक्कर आने की समस्या आम मिलेगी। मेरे पास आने वाले कुछ लोग अपनी इस दिक्कत को सिर घूमना बताते हैं तो कुछ चक्कर आना कहते हैं। अक्सर दोनों बातों से लोगों का मतलब उस स्थिति से होता है, जिसमें उनका संतुलन और स्थिरता प्रभावित होती है। सिर घूमना को मेडिकल भाषा में वर्टिगो और चक्कर आने को डिजीनेस कहा जाता है।

अक्सर दोनों शब्दों को एक-दूसरे के लिए इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि दोनों का सही मतलब अलग-अलग होता है। दोनों कंडीशन के कारण और इलाज भी अलग-अलग होते हैं। इसलिए सही इलाज पाने के लिए आपको अपनी समस्या के बारे में सही जानकारी होना बहुत जरूरी है। जब आप डॉक्टर को अपनी समस्या आसानी से सटीकता के साथ समझाते हैं तो प्रभावी इलाज जल्दी मिलने की संभावना भी बढ़ जाती है।

चक्कर आने और सिर घूमने के बीच का अंतर

चक्कर आना या डिजीनेस एक सामान्य शब्द है, जिसे बेहोशी, कमजोरी, असंतुलन, अस्थिरता या लाइट हेडेडनेस के एहसास के लिए मेडिकल भाषा में इस्तेमाल किया जाता है। आमतौर पर, इसके अंदर मूवमेंट का एहसास होना शामिल नहीं होता।

डिजीनेस के कारण क्या हैं?

डिजीनेस के कई सारे कारण हो सकते हैं, जैसे-

डिहाइड्रेशन -फ्लूइड इनटेक में कमी आने से ब्लड प्रेशर गिर सकता है, जिससे बेहोशी या चक्कर खाकर गिरने का खतरा हो सकता है।

लो ब्लड शुगर -

यह हाइपोग्लाइसेमिया की स्थिति है, जो डायबिटिक या भोजन छोड़ने वालों में ज्यादा देखी जाती है।

बीपी का अचानक गिरना -

इसे पोस्टुरल हाइपोटेंशन कहा जाता है, जो कि अक्सर अचानक और तेजी से खड़े होने पर होता है।

एनीमिया -

हीमोग्लोबिन लेवल की कमी से दिमाग को मिलने वाली ऑक्सीजन की सप्लाई कम हो जाती है।

स्ट्रेस और एंग्जायटी -

इन साइकोलॉजिकल फैक्टर्स की वजह से चक्कर आने जैसे शारीरिक लक्षण भी दिख सकते हैं।

दवाओं का साइड इफेक्ट -

एंटी-हाइपरटेंसिव जैसी कई सारी दवाओं के सेवन से चक्कर आने के मामले देखे जाते हैं।

वर्टिगो के कारण क्या हैं?

वर्टिगो एक खास समस्या है, जिसके पीछे बैलेंस के लिए जिम्मेदार मैकेनिज्म होते हैं।

बिनाइन पेरोक्सीमल पोजिशनल वर्टिगो - यह सबसे आम कारण है, जो सिर की मूवमेंट के साथ शुरू होता है।

इनर ईयर डिसऑर्डर्स - वेस्टिबुलर न्यूराइटिस या मेनियर डिजीज जैसे कान के अंदरुनी हिस्से से जुड़े विकार।

माइग्रेन एसोसिएटेड वर्टिगो - माइग्रेन के दौरान कुछ लोगों को वर्टिगो के एपिसोड झेलने पड़ सकते हैं।

न्यूरोलॉजिकल कंडीशन - स्ट्रोक, मल्टीपल स्क्लेरोसिस या ब्रेन ट्यूमर की वजह से, हालांकि यह वजहें आम नहीं होती और इनमें तुरंत इलाज की जरूरत होती है।

घर पर कैसे बचाव किया जा सकता है?

वर्टिगो या डिजीनेस की हल्की समस्याओं से बचने के लिए कुछ टिप्स अपनाए जा सकते हैं। लेकिन यह केवल हल्की परेशानी या निदान हो चुकी स्थिति में ही अपनाएं।

पानी का पर्याप्त सेवन करने पर डिहाइड्रेशन के कारण होने वाले डिजीनेस से बचाव किया जा सकता है। अगर आप लेटे या बैठे हुए हैं तो धीरे-धीरे खड़े हों।अगर आपको सिर घूमने या चक्कर आने का एहसास हो तो तुरंत बैठ या लेट जाएं ताकि गिरने से चोट ना लगे।

वजन तेजी से घटाने से जुड़ी गलत धारणा और अफवाहें

स्नेहा सिंह

आज के समय में मोटापा कई लोगों के लिए चिंता का विषय बन गया है। पेट पर जमी जिद्दी चर्बी से लोग परेशान हैं और हर कोई स्वस्थ व खुशहाल जीवन चाहता है। लेकिन मोटापा इसमें बाधा बनता है। इससे न सिर्फ शरीर बेडौल होता है, बल्कि हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, आर्थराइटिस जैसी कई बीमारियां भी जन्म लेती हैं। इसलिए लोग बिना सोचे-समझे किसी भी उपाय को अपनाने लगते हैं और दूसरों की बताई तरकीबों पर भरोसा कर लेते हैं।

लेकिन यदि वास्तव में वजन कम करना है, तो बेहतर होगा कि किसी विशेषज्ञ डाइटिशियन और फिजिकल ट्रेनर की सलाह ली जाए। वे सही मार्गदर्शन देकर वजन कम करने में मदद कर सकते हैं।

इंटरनेट पर वजन घटाने के हजारों लेख और वीडियो मौजूद हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश गलत धारणाओं और अफवाहों पर आधारित होते हैं। आइए ऐसी ही आम गलतफहमियों को समझें-

1- कार्बोहाइड्रेट वजन बढ़ाते हैं,

यह पूरी तरह सही नहीं है। कार्बोहाइड्रेट दो प्रकार के होते हैं, साधारण और जटिल। साधारण कार्ब (जैसे चीनी) वजन बढ़ाती हैं, जबकि जटिल कार्ब (फल, सब्जियां) वजन घटाने में मदद करते हैं।

2- जितनी ज्यादा एक्सरसाइज, उतना जल्दी वजन कम

यह आधा सच है। जरूरी यह नहीं कि आप कितने घंटे व्यायाम करते हैं, बल्कि यह है कि आप कितनी ऊर्जा खर्च करते हैं। सही और तीव्र कसरत अधिक प्रभावी होती है।

3- हेल्दी डाइट और एक्सरसाइज से वजन बढ़ेगा

यह गलत है। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम वजन को नियंत्रित रखते हैं। डाइटिंग का मतलब कम खाना नहीं, बल्कि सही पोषण लेना है।

4- खाना छोड़ने से वजन जल्दी घटेगा

यह एक बड़ी गलतफहमी है। खाना छोड़ने से मेटाबालिज्म धीमा हो जाता है, जिससे वजन घटने की बजाय बढ़ सकता है।

5- शाकाहार से जल्दी वजन घटता है

सिर्फ शाकाहार अपनाने से वजन नहीं घटता। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कितनी कैलोरी लेते और खर्च करते हैं।

6- मांस खाने से वजन बढ़ता है

मांस में प्रोटीन होता है और सीमित मात्रा में लेने पर यह वजन नहीं बढ़ाता। अत्यधिक सेवन ही नुकसानदायक होता है।

7- धीमा मेटाबालिज्म होने पर एक्सरसाइज बेकार है

यह गलत है। नियमित व्यायाम से मेटाबालिज्म सुधरता है और शरीर की अतिरिक्त चर्बी कम होती है।

8- ज्यादा पानी पीने से वजन तेजी से घटता है

पानी जरूरी है, लेकिन यह सीधे चर्बी नहीं घटाता। यह शरीर को हाइड्रेट रखता है और भूख को नियंत्रित करता है।

9- वेटलिफ्टिंग सिर्फ बाडीबिल्डर्स के लिए है

ऐसा नहीं है। वेट ट्रेनिंग से मांसपेशियां मजबूत होती हैं और कैलोरी तेजी से जलती है। यह सभी के लिए फायदेमंद है।

10- देर रात खाने से वजन बढ़ता है

वजन इस बात पर निर्भर करता है कि आप क्या खा रहे हैं। भारी और मीठा खाने से वजन बढ़ेगा, लेकिन हल्का और हेल्दी भोजन नुकसान नहीं करेगा।

वजन घटाने का मूल सिद्धांत है कि

जितनी कैलोरी लें, उससे ज्यादा खर्च करें, संतुलित आहार लें, नियमित व्यायाम करें। अगर प्रयास के बावजूद वजन कम न हो, तो डाइटिशियन की सलाह अवश्य लें।

भौहों के ऊपर दर्द का आयुर्वेदिक उपचार

प्रश्न. मेरी उम्र 54 वर्ष है। पिछले दो माह से पीठ के दर्द से पीड़ित हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

– आनंद मोहन, विकाराबाद

उत्तर. पीठ का दर्द कई कारणों से हो सकता है। जन्मजात विकृतियां, उठने बैठने के ढंग में खराबी, कमजोर मांस पेशिया , कंडराओ में अकड़न या सूजन, व्यायाम का अभाव, भोजन में पोषक तत्वों की कमी, बचपन में पीठ पर चोट लगना, वात वृद्धि आदि कारणों से पीठ में दर्द हो सकता है।

आप जिस स्कूटर या मोटरसाइकिल का प्रयोग करते हैं यदि उसके शाक अब्जॉर्बर खराब हो गए हो तभी भी कंधे व पीठ में दर्द संभव है। ज्यादा झुक कर कार्य करना,एक हाथ से वजन उठाना घंटों एक ही आसन में बैठे रहना भी पीठ के दर्द को बढ़ा सकता है।

पीठ पर रूमाटाइज तेल या उंझा महानारायण तेल की मालिश क रें । रू मा टा इ ज टीकिया, उंझा महायोगराज गुग्गुलु व उंझा वातगजांकुश रस की टिकिया दिन में तीन बार भोजन के बाद लेवे। उंझा अश्वगंधारिष्ट,उंझा दशमूलारिष्ट 10– 10 मिलीलीटर दवा को दुगने पानी में मिलाकर भोजन के बाद लेवे। नित्य हल्का व्यायाम करें, टहले व सदा प्रसन्नचित्त रहें। गरिष्ठ भोजन, वातकारक आहार,कंदमूल (आलू, रतालू,अरबी,मूली आदि) का सेवन एवम् रात्रिजागरण ना करें। बासी खाद्याअन्न व ठंडा पेय,आइसक्रीम आदि के सेवन से बचें।

प्रश्न : मेरी उम्र 34 वर्ष है। भौहों के ऊपर वाले हिस्से में दर्द होता है और नाक में थक्के जम जाते हैं। आयुर्वेदिक उपचार बताएं ।

- अप्पा राव, सिद्दीपेट

उत्तरः आपको पीनस रोग हो गया है । इसे ही साइनोसाइटिस के नाम से जाना जाता है। इस रोग की प्रारंभिक अवस्था में सिर में भारीपन , भूख कम हो जाना, नाक से स्राव, स्वर भेद (आवाज बदल जाना) भौंहों के ऊपर तेज दर्द आदि लक्षण दिखाई पड़ते हैं। बाद में नासिका में स्राव गाढ़ा होकर नाक में थक्के जमने लगते हैं । नासा - विवर में कफ जमने लगता है। इसमें संक्रमण होने से गंध और स्वाद का ज्ञान होना बंद हो जाता है।

घरेलू उपचार में पांच ग्राम घी में भुनी अदरक दिन में दो बार देवे। पांच ग्राम अदरक को 250 ग्राम दूध में उबाल ने और इसे नथुनों में डाले । औषधि में ऊंझा महालक्ष्मी विलास रस एक से दो गोली पीसकर मधु से या फिर चित्रक हरितकी अवलेह में

मिलाकर सेवन कराएं। ऊंझा तालीसादी चूर्ण या तालीस्यूल का सेवन भी पीनस में एक हितकारी औषध सिद्ध हुई है। नाक में षडबिंदु तेल डालने से बहुत आराम मिलता है। भौंहों के ऊपर का दर्द और पिनस से उत्पन्न शिरशूल कम होने लगता है।

लघु आहार, गरम पानी, पुराने चावल, कुलथी शिग्रु याने सहिजन की फली, मूली, लहसुन , त्रिकटु हितकारी है । अभिष्यंदीकारक जैसे दही व गुरु द्रव्य, असात्म्य भोजन, स्नान, अधारणीय वेगों का धारण, दिन में सोना, जमीन पर सोना, क्रोध करना आदि का परित्याग करें।

प्रश्न : मेरी उम्र 29 वर्ष है। मुझे नजले की शिकायत है । नाक हमेशा बहती रहती है। नाक से पीले रंग का गाढा रेशे जैसा तरल पदार्थ निकलता रहता है । सिर व आंखों में भी दर्द रहता है। कृपया उपचार बताएं।

- सदाशिव,जहीराबाद

उत्तर : नजला या दुकान आयुर्वेद का 'प्रतिश्याय' रोग है। इसमें नाक बहना , छींके आना , सर्दी लगकर बुखार आना, नाक में संक्रमण होना, नाक में सूजन आना, नाक बंद रहना या नासामल से भरी रहना, सिर व आंखों में भारीपन के साथ दर्द होना- यह सब प्रतिश्याय के लक्षण हैं।

साधारण औषधि योग में त्रिकटु चूर्ण (सोंठ , काली मिर्च एवं पिपली का समभाग चूर्ण) सबसे सरल व कारगर योग है ।इसे 2 से 3 ग्राम की मात्रा में शहद में मिलाकर लेने से लाभ मिलता है। ऊंझा लक्ष्मी विलास रस की गोली को सादे पान के पत्ते में रखकर खाने से भी नजला ठीक होता है। ऊंझा चौंसठ प्रहरी पीपल टिकिया, ऊंझा काफकेतु रस के संग ऊंझा चंद्रामृत रस टिकिया को गुनगुने पानी से देना परम गुणकारी नतीजे देता है। भोजन के बाद द्राक्षारिष्ट को 15 से 2 0 मिलीलीटर की मात्रा में समभाग गुनगुने पानी में मिलाकर पीने से सर्दी जुकाम के पार्श्व प्रभाव जल्दी ही ठीक हो जाते हैं। इसमें खासकर ठंडी चीजों एवं कफ वर्धक आहार - विहार से बचें। तेज धूप से आते ही तुरंत पानी नहीं पीना चाहिए । थोड़ी देर ठहर कर पसीना सूखने के बाद ही पानी पीना चाहिए।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

शादी ना करने से कैंसर का खतरा अधिक

40 लाख केस देखने के बाद रिसर्चर्स ने माना

वर्षों से दुनियाभर के शोधकर्ता यह जानने में लगे हुए हैं कि कैंसर में सेल्स के असामान्य विकास के पीछे क्या कारण होते हैं। इस बीच सिल्वेस्टर कंप्रेहेंसिव कैंसर सेंटर के रिसर्चर्स ने शादी और कैंसर के खतरे में एक मजबूत संबंध देखा है। उनके शोध के मुताबिक, अविवाहित रहने वाले पुरुषों और महिलाओं में कम से कम एक बार शादी कर चुके वयस्कों के मुकाबले इस जानलेवा बीमारी का खतरा अधिक होता है।

शादीशुदा लोगों में कैंसर का कम खतरा

कैंसर का कारण और खतरा बढ़ाने वाले कारकों को जानने के लिए लगातार शोध होते रहते हैं। अब कैंसर रिसर्च कम्युनिकेशन पर पब्लिश्ड सिल्वेस्टर कंप्रेहेंसिव कैंसर सेंटर की एक स्टडी ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि कभी शादी ना करने वाले लोगों में कैंसर का खतरा विवाहित लोगों के मुकाबले काफी ज्यादा होता है। बता दें कि शोध करने वाला यह सेंटर यूनिवर्सिटी ऑफ मियामी मिलर स्कूल ऑफ मेडिसिन का हिस्सा है।

स्टडी के मेन पॉइंट्स

टाइम पीरियड वर्ष 2015 से वर्ष 2022

डाटा कलेक्शन 40 लाख कैंसर के मामलों से ज्यादा

राज्य कुल 10 करोड़ से ज्यादा आबादी वाले अमेरिका के 12 राज्य (कैलिफोर्निया, कनेक्टिकट, जॉर्जिया, हवाई, आयडहो, आयोवा, केंटकी, लुइसियाना, न्यू जर्सी, न्यू मेक्सिको, न्यू योर्क, यूटा)

उम्र 30 वर्ष या उससे ज्यादा उम्र के मरीज

ग्रुप 1 कभी विवाहित ना रहे लोग

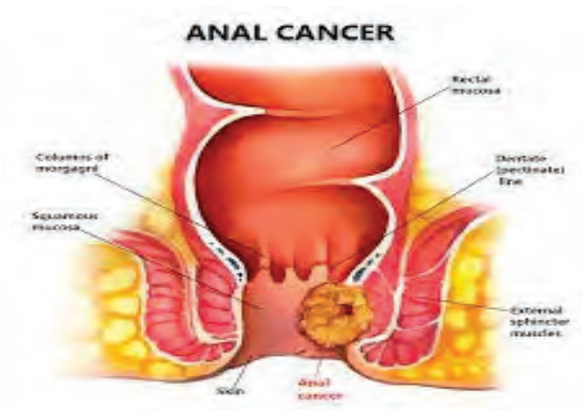

ग्रुप 2 कम से कम एक बार विवाहित रहे (विवाहित, तलाकशुदा, विधवा)

रिजल्ट विवाहित पुरुषों के मुकाबले अविवाहित पुरुषों में कैंसर का खतरा 70% अधिक और विवाहित महिलाओं के मुकाबले अविवाहित महिलाओं में कैंसर का खतरा 85% अधिक

टॉप पर निकला गुदा और सर्वाइकल कैंसर

अविवाहित लोगों में एचपीवी के कारण होने वाले कैंसर का खतरा सबसे अधिक देखा गया। इसकी वजह से अविवाहित पुरुषों में गुदा कैंसर के मामले 5 गुना और अविवाहित महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के मामले 3 गुना अधिक पाए गए। इसके अलावा, इन लोगों में विवाहितों के मुकाबले तंबाकू के कारण होने वाले फेफड़े और खाने की नली के कैंसर के मामले भी काफी थे, जिनके पीछे शराब और धूम्रपान की आदतें हो सकती हैं। पेट, कोलोरेक्टल, हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा (लिवर कैंसर), ओवेरियन और एंडोमेट्रियल कैंसर के मामलों में भी इजाफा देखा गया।

..तो क्या शादी करना जरूरी है?

सोशल स्ट्रक्चर से हटकर चलने और पूरी तरह इंडिपेंडेंट रहने की इच्छा रखने वाले लोगों के लिए इस स्टडी का रिजल्ट थोड़ा चिंताजनक हो सकता है। लेकिन क्या कैंसर से बचने के लिए शादी करना आवश्यक है? इस सवाल का जवाब देते हुए यूनिवर्सिटी ऑफ मियामी मिलर स्कूल ऑफ मेडिसिन ने कहा कि इस स्टडी का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि शादी करने से कैंसर से बचा जा सकता है या फिर लोगों को शादी करनी ही चाहिए।

सिलवेस्टर सर्वाइवरशिप एंड सपोर्टिव केयर इंस्टीट्यूट (SSCI) के डायरेक्टर और कैंसर सर्वाइवरशिप में सिल्वेस्टर डीसीसी लिविंग प्रूफ एंडोव्ड, एसोसिएट डायरेक्टर ऑफ पॉपुलेशन साइंस के डॉ. ने कहा, 'इस शोध का मतलब है कि अगर आप शादीशुदा नहीं है तो आपको कैंसर के रिस्क फैक्टर्स के बारे में जागरुक रहने, स्क्रीनिंग करवाने और अपनी हेल्थ के बारे में अप-टू-डेट रहने की आवश्यकता ज्यादा है।'

इस स्टडी को कितनी गंभीरता से लेना चाहिए?

दिल्ली स्थित एक्शन कैंसर हॉस्पिटल के डायरेक्टर मेडिकल ऑन्कोलॉजी, डॉ. समित पुरोहित ने इस स्टडी को महत्वपूर्ण बताया है, लेकिन निर्णायक मानने से मना किया है। यह एक ऑब्जर्वेशनल स्टडी है, जो शादी और कैंसर के बीच का एक संबंध दिखाती है, ना कि सीधा कारण और प्रभाव बताती है। बायोलॉजिकल रूप से शादी कैंसर से बचाव नहीं करती है, बल्कि यह बिहेवियरल, सोशल और इकोनॉमिक फैक्टर का एक प्रोक्सी इंडिकेटर है।

इस स्टडी से शादी को प्रोटेक्टिव थेरेपी समझने की जगह कैंसर के खतरे में लाइफस्टाइल और सोशल फैक्टर्स का महत्व समझें। इस अध्ययन की कई सीमाएं भी हैं, जैसे इसमें उन लोगों की स्थिति समाहित नहीं की गई, जो कानूनी रूप से शादीशुदा ना होने के बावजूद लंबे समय से किसी पार्टनर के साथ रह रहे हैं। ना ही कैंसर के निदान से पहले मरीजों की लाइफस्टाइल का अध्ययन किया गया है। हालांकि, यह भी सच है कि हेल्दी लोगों के शादीशुदा होने की संभावना ज्यादा होती है।

शादीशुदा लोगों में कैंसर के कम खतरे के संभावित कारण

डॉक्टर समित पुरोहित के मुताबिक, शादीशुदा लोगों में अत्यधिक धूम्रपान, शराब की लत, खराब डाइट की संभावना कम होती है।

जीवनसाथी को अक्सर रेगुलर हेल्थ चेक-अप और स्क्रीनिंग के लिए प्रोत्साहित करने वाला देखा जाता है।

जीवनसाथी के होने से इमोशनल और सोशल सपोर्ट मिलता है। जिससे अकेलापन, तनाव, डिप्रेशन का खतरा कम होता है और इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। इन चीजों को कैंसर जैसी बीमारी का खतरा कम करने में फायदेमंद देखा गया है।

शादीशुदा लोग अक्सर इकोनॉमिक स्टेबिलिटी पर ध्यान देते हैं, जिससे हेल्दी न्यूट्रिशन, हेल्थकेयर और समय पर इलाज मिलना आसान हो जाता है।

गुदा और सर्वाइकल कैंसर का कारण बनने वाले एचपीवी से संक्रमित होने का खतरा कम रहता है।

कैंसर से बचाव के लिए बुनियादी सावधानी

डॉ. के मुताबिक, कैंसर के करीब 40 प्रतिशत मामले ऐसे रिस्क फैक्टर्स से जुड़े होते हैं, जिनसे बचा जा सकता है। जैसे-

हर तरह के तंबाकू से दूर रहना।

शराब का सेवन कम करना।

वजन को मेंटेन रखना और रेगुलर फिजिकल एक्टिविटी करना।

ताजे फल, सब्जी और साबुत अनाज से बनी बैलेंस्ड डाइट लेना।

कैंसर स्क्रीनिंग से अप टू डेट रहना।

जरूरत होने पर वैक्सीनेशन करवाना।

सुरक्षित यौन संबंध बनाना।

तनाव को मैनेज करना और सोशल कनेक्शन को मजबूत बनाना।

एन्वायरमेंटल कार्सिनोजेन के लंबे एक्सपोजर का खतरा कम करना।

चेतावनी भरे संकेत दिखने पर तुरंत चिकित्सीय मदद लेना।

डॉक्टर का कहना है कि इस स्टडी के कारण कैंसर से बचने के लिए शादी को जरूरी नहीं समझना चाहिए। चाहे शादी करें या ना करें, लेकिन प्रीवेंटिव हेल्थकेयर पर ध्यान देने, हेल्दी हैबिट फॉलो करने और सोशली कनेक्टेड रहने से कैंसर का खतरा कम किया जा सकता है।

आशा भोसले पंचतत्व में विलीन बेटे आनंद भोसले ने दी मुखाग्नि

भारतीय संगीत की दुनिया में राज कर चुकीं आशा भोसले पंचतत्व में विलीन हो गईं। मुंबई के शिवाजी पार्क में राजकीय सम्मान के साथ उन्हें आखिरी विदाई दी गई। आशा भोसले के परिवार, फिल्मी हस्तियां और उन्हें चाहने वाले उनके अपनों ने आज सोमवार को नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि दी। बेटे आनंद भोसले ने उन्हें मुखाग्नि दी। संगीत जगत की दिग्गज सिंगर आशा भोसले का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया, जिन्हें लोग प्यार से 'आशा ताई' भी कहते थे। उनके निधन से न केवल मनोरंजन जगत में बल्कि पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है। जिन्हें लोग अब तक अपने सामने गाते हुए देखा करते थे, अब वो यादें बनकर रह जाएंगी।

बॉलीवुड जगत को सुरीला बनाने में अहम भूमिका निभा चुकीं दिग्गज गायिका आशा भोसले के अंतिम दर्शन के लिए राजनेता से लेकर बॉलीवुड जगत के सभी बड़े सितारे पहुंचे। आशा भोसले का अंतिम संस्कार आज सोमवार को मुंबई के शिवाजी पार्क में किया गया। उनकी आखिरी झलक देखने के लिए भारी संख्या में भीड़ उमड़ी और हर आंखें उदास और नम थीं।

अंतिम संस्कार के वक्त महाराष्ट्र पुलिस ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। शान, सुदेश भोसले समेत कई गायकों ने गाने गाकर आशा भोसले को श्रद्धांजलि दी।

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस और दोनों डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार ने आशा भोसले के अंतिम संस्कार से पहले उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

आशा ताई के आखिरी दर्शन के लिए पहुंचीं तब्बू और आशा पारेख काफी इमोशनल नजर आईं। बता दें कि उनके अंतिम दर्शन के लिए तब्बू से लेकर आशा पारेख, सचिन तेंडुलकर, रितेश देशमुख, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे, उनकी पत्नी रश्मी ठाकरे और नेता आदित्य ठाकरे, महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, भारतीय गायक और संगीतकार लेस्ली पीटर लुईस, और भारतीय संगीतकार उत्तम सिंह पहुंचे थे।

पवन सिंह ने किया खुशी तिवारी के साथ रोमांस नए गाने 'सड़िया ए जान' में दिखी शानदार केमिस्ट्री

भोजपुरी सिंगर और नेता पवन सिंह अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में अंजली राघव के साथ बदसलूकी के मामले में उनका नाम सामने आया था। सिंगर ने उनसे माफी मांग ली और यह मामला शांत हो गया। अब पवन सिंह अपने नए गाने 'सड़िया ए जान' की वजह से सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। इसमें वह खुशी तिवारी के साथ पर्दे पर रोमांस करते दिख रहे हैं।

पवन सिंह ने किया खुशी तिवारी संग रोमांस

पवन सिंह का नया गाना 'सड़िया ए जान' रिलीज हो चुका है। गाने में खुशी तिवारी खुद को संवारने के लिए पवन सिंह से नई-नई साड़ियों की डिमांड कर रही हैं। पवन सिंह भी उनके साड़ी लुक पर फिदा हैं। गाने में खुशी तिवारी और पवन सिंह का रोमांस भी दिखाया गया है। पर्दे पर दोनों की रोमांटिक केमिस्ट्री भी गाने की तरह खिल रही है।

किसने लिखा गाना?

'सड़िया ए जान' गाने को पवन सिंह ने सिंगर खुशी कक्कड़ के साथ मिलकर गाया है। गाने के बोल आशुतोष तिवारी ने लिखे हैं और संगीत निर्देशक प्रियांशु सिंह हैं।

गाने का म्यूजिक भी वाइब देने वाला है। लेटेस्ट गाने को सोमवार सुबह ही रिलीज किया गया है। खबर लिखे जाने तक गाने को यूट्यूब पर 1 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं।

'डकैत' में नजर आए पवन सिंह

इससे पहले साउथ की पैन-इंडिया फिल्म 'डकैतः एक प्रेम कथा' में भी पवन सिंह का स्पेशल गाना था। फिल्म में उनका गाना 'टच बेबी' को फिल्माया गया, जिसमें वे अदिवि शेष के साथ पर्दे पर धमाल मचाते हुए दिखे। यह साउथ सिनेमा में पवन सिंह का डेब्यू है, जिसे फैंस की तरफ से बहुत सारा प्यार भी मिला। 'डकैतः एक प्रेम कथा' बीते हफ्ते यानी 10 अप्रैल को रिलीज हो चुकी है।

फिर विवादों में युजवेंद्र चहल! तानिया चटर्जी को भेजा था ऐसा मैसेज, एक्ट्रेस ने मीडिया के सामने दिखाया

साल 2025 में चहल का अपनी पत्नी धनश्री वर्मा से तलाक हो गया था। इसके बाद उनका नाम आरजे महवश के साथ भी जोड़ा गया, क्योंकि दोनों को कई बार साथ देखा गया था। हालांकि, कुछ महीनों बाद दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया। अब एक एक्ट्रेस और मॉडल ने ये दावा किया है कि क्रिकेटर युजवेंद्र चहल उन्हें इंस्टाग्राम पर पर्सनल मैसेज करते हैं।

चहल ने लिखा- 'आप क्यूट हो'

दरअसल, एक्ट्रेस और मॉडल तानिया चटर्जी ने दावा किया है कि चहल ने उन्हें इंस्टाग्राम पर पर्सनल मैसेज भेजा था। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में तानिया पैपराजी को अपना इंस्टाग्राम इनबॉक्स दिखाती नजर आ रही हैं।

तानिया के मुताबिक, चहल ने उनकी एक स्टोरी पर रिप्लाई करते हुए लिखा था- 'आप क्यूट हो।' हालांकि, इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इस खबर के सामने आते ही इंटरनेट पर बहस शुरू हो गई है। इससे पहले भी एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें चहल जैसे दिखने वाले एक शख्स को कार चलाते हुए सिगरेट पीते और उसे सड़क पर फेंकते हुए देखा गया था। इस वीडियो को लेकर फैंस ने उन्हें काफी ट्रोल किया था। मैदान पर जहां चहल का प्रदर्शन ठीक-ठाक चल रहा है, वहीं मैदान के बाहर उनकी पर्सनल लाइफ लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिलहाल वे आइपीएल में पंजाब किंग्स की ओर से खेलते नजर आ रहे हैं।

'ड्रैगन' की शूटिंग के बीच जूनियर एनटीआर ने बना ली शानदार बॉडी, वायरल हो रही जिम वाली तस्वीर

साउथ के मशहूर अभिनेता जूनियर एनटीआर अपकमिंग फिल्म 'ड्रैगन' को लेकर सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रशांत नील के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग जारी है। इस बीच सोमवार को जूनियर एनटीआर ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है, जिसकी काफी चर्चा हो रही है।

एनटीआर ने फ्लॉन्ट की बॉडी

सोशल मीडिया पर जूनियर एनटीआर ने जो तस्वीर शेयर की है, वह वायरल हो रही है। इस तस्वीर में जूनियर एनटीआर अपना बैक साइड फ्लॉन्ट कर रहे हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा है 'बनाओ, खरीदो नहीं।' इस पोस्ट में उन्होंने अपने कोच और प्रशांत नील को टैग किया है।

पोस्ट पर फैंस ने किए कमेंट

तस्वीर में जूनियर एनटीआर की गठीली बॉडी देखकर फैंस हैरान हो गए। वे एनटीआर के समर्पण और जुनून की जमकर तारीफ कर रहे हैं। पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा है 'टाइगर'। एक और यूजर ने लिखा 'ड्रैगन'। एक और यूजर ने लिखा 'जय एनटीआर'। एक और यूजर ने लिखा है 'प्रशांत नील की ताकत'।

सितंबर में शुरू की तैयारी

खबरों के मुताबिक एक्टर ने अपनी फिल्म के लिए पिछले साल सितंबर में तैयारी शुरू की थी। अब ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। उनकी वर्कआउट रूटीन में ताकत बढ़ाने वाली ट्रेनिंग और कोर एक्सरसाइज शामिल हैं, ताकि एक्शन सीन्स के लिए उनका शरीर पूरी तरह से तालमेल में रहे।

कब रिलीज होगी 'ड्रैगन'?

फिल्म 'ड्रैगन' एक पैन इंडिया प्रोजेक्ट है। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी फिल्म में लंबी स्टार कास्ट हो सकती है। जूनियर एनटीआर फिल्म में मुख्य किरदार में हैं। फिल्म एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म है। रिपोर्ट्स के अनुसार पहले 2026 में रिलीज होने वाली फिल्म अब 2027 तक रिलीज हो सकती है।

कस्तूरी शंकर ने देखी लीक हुई 'जन नायकन' की क्लिप बोलीं- 'फिल्म नहीं, थलापति की पार्टी का राजनीतिक प्रचार'

कमल हासन के साथ 'इंडियन' फिल्म में काम कर चुकीं अभिनेता कस्तूरी शंकर ने विजय थलापति की फिल्म 'जन नायकन' के लीक हुई क्लिप देखने की बात मानी है। उन्होंने इसे विजय की पार्टी टीवीके के लिए तीन घंटे का प्रचार बताया है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से ठीक पहले इस लीक वीडियो ने विवाद खड़ा कर दिया।

कस्तूरी ने देखा 'जन नायकन' का लीक वीडियो

कस्तूरी ने कहा कि उन्होंने व्हाट्सएप और दूसरे प्लेटफॉर्म पर वायरल हुए फिल्म 'जन नायकन' के क्लिप देखे हैं। उन्होंने बताया, 'यह फिल्म इन दिनों हर जगह चर्चा में है। मुझे भी इसमें नई बातें पता चल रही हैं। अगर आम लोग यह फिल्म देखेंगे तो यह टीवीके के लिए फायदेमंद होगी, न कि भाजपा या डीएमके के लिए।'

फिल्म के लीक वीडियो को बताया तीन घंटे का प्रचार

कस्तूरी ने फिल्म 'जन नायकन' को तीन घंटे की प्रचार फिल्म बताया है। फिल्म बिना किसी कट-एडिट के ऑनलाइन उपलब्ध है। कस्तूरी ने कहा, 'जिसने भी फिल्म ऑनलाइन लीक की है, वह चाहता था कि फिल्म का हर शब्द लोगों तक पहुंचे।'

कस्तूरी का दावा

कस्तूरी ने डीएमके सरकार पर आरोप लगाया कि उन्होंने जानबूझकर फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि फिल्म तमिलनाडु की राजनीति पर है, इसलिए डीएमके सरकार ने इसे रोका। उसी दिन डीएमके की समर्थक फिल्म 'टीएन 2026' रिलीज हो गई थी। कस्तूरी ने दावा किया कि लीक किसी विजय समर्थक ने किया होगा।

कस्तूरी ने कहा, 'लोग अगर फिल्म देखेंगे तो प्रभावित होंगे और टीवीके को फायदा होगा। विजय या उनके लोग जो कुछ भी कह रहे हैं, वह सिर्फ दिखावा है। वे असली दोषियों से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहे हैं।'

'जन नायकन' को लेकर सेलेब्स की राय

इससे पहले निर्देशक अमीर ने भी कहा था कि लीक फिल्म की टीम के अंदर से ही हुआ होगा। उन्होंने राजनीतिक साजिश का भी इशारा किया। फिल्म में काम करने वाली अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने लीक पर दुख जताया। पूजा ने कहा कि इससे कलाकारों और क्रू का सम्मान कम हुआ है। अभिनेत्री मामिता बैजू ने भी अपना दुख व्यक्त किया। इस मामले में चेन्नई साइबर क्राइम पुलिस ने केवीएन प्रोडक्शंस की शिकायत पर छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जांच चल रही है। ऋषभ शेट्टी, चिरंजीवी और विजय देवरकोंडा समेत कई सितारों ने इस लीक की निंदा की है।

कौन हैं कस्तूरी शंकर

कस्तूरी शंकर एक भारतीय अभिनेत्री, राजनीतिज्ञ, मॉडल और टेलीविजन प्रस्तुतकर्ता हैं। कस्तूरी ने तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा की फिल्मों में अभिनय किया है। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान उन्होंने अपना करियर मॉडलिंग से शुरू किया। उनके अभिनय करियर की शुरुआत 1991 में फिल्म 'आथा उन कोयिलिले' से हुई। कम बजट की तमिल फिल्मों में काम करने से लेकर उन्होंने कमल हासन के साथ फिल्म 'इंडियन' में काम किया है।

सनी की 'बॉर्डर 3' : जेपी फिल्म्स के बैनर तले अब फैंटेसी एडवेंचर वॉर फिल्म भी बनेगी

सनी देओल और वरुण धवन स्टारर 'बॉर्डर 2' की सफलता के बाद अब जेपी फिल्म्स ने आने वाले वर्षों के लिए बड़ा रोडमैप तैयार कर लिया है। 362 करोड़ के घरेलू कलेक्शन के साथ फिल्म ने यह साबित कर दिया कि देशभक्ति और रियल-लाइफ हीरोइज्म का क्रेज आज भी दर्शकों के बीच बरकरार है। इसी सफलता को आगे बढ़ाते हुए निर्माता निधि दत्ता ने एक मेगा प्लान तैयार किया है, जिसके केंद्र में सनी को रखा गया है। 'बॉर्डर 3' पर काम शुरू हो चुका है। सनी ही मुख्य चेहरा बने रहेंगे।

सनी की 'बॉर्डर 3' को 2027 का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट माना जा रहा है। यह सनी की देशभक्ति वाली इमेज को एक बार फिर बड़े स्तर पर स्थापित करेगा। वहीं नितेश तिवारी की 'रामायण' में सनी का 'हनुमान' के रूप में नजर आना उनके करियर का एक नया और दिलचस्प अध्याय होगा। वह फिल्म

के दोनों पार्ट्स में नजर आएंगे।

जेपी फिल्म्स अब अपने पारंपरिक वॉर जोन से बाहर निकलते हुए एक बड़े बजट की फैंटेसी एडवेंचर फ्रेंचाइज पर भी काम कर रहा है। यह प्रोजेक्ट स्टूडियो के लिए एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। इसकी कहानी और राइटिंग प्रोसेस में खुद निधि शामिल हैं और यह देश की कई लोकेशंस में शूट होगी। चर्चा है कि इस प्रोजेक्ट में भी सनी का कैमियो हो सकता है। जेपी फिल्म्स भारतीय वायुसेना पर भी एक नई फिल्म भी शुरू करने जा रहा है।

'गदर 2' की जबरदस्त सफलता के बाद सनी ने अपने करियर की दिशा को काफी रणनीतिक तरीके से आगे बढ़ाया है। अब उनका फोकस ऐसे बड़े प्रोजेक्ट्स पर है, जो उन्हें सिर्फ स्टार ही नहीं, बल्कि बॉक्स ऑफिस का मजबूत पिलर भी बनाए रखें। 2027 तक सनी के पास कई फिल्में हैं जो 1000 करोड़ क्लब तक पहुंचने की क्षमता रखती हैं। इस लाइनअप में 'सफर' नाम की एक इमोशनल ड्रामा है, जिसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है।

निधि ने 'पलटन' और 'घुड़चढ़ी' जैसी फिल्मों के जरिए अपनी पहचान बनाई है। अब उनके कंधों पर 'बॉर्डर' जैसी विरासत को आगे ले जाने का मौका है। 'बॉर्डर 2' ने यह साबित किया कि बड़े परदे पर सनी का गुस्सा आज भी दर्शक जुटा सकता है। बता दें कि एक तरफ सनी जहां 'बॉर्डर 3' और एयर फोर्स ड्रामा में देशभक्ति का जज्बा जगाएंगे, वहीं 'फैंटेसी एडवेंचर' के जरिए अलग अवतार में दिखेंगे। जेपी फिल्म्स की ओर से अगले कुछ महीनों में 'बॉर्डर 3' की आधिकारिक कास्टिंग अनाउंस होगी।

नीतू कपूर ने ऋषि कपूर के साथ शेयर की थ्रोबैक तस्वीर अपनी सगाई की 47वीं सालगिरह पर किया याद

रणबीर कपूर की मां और दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर अपने दिवंगत पति ऋषि कपूर को याद करते हुए एक खास तस्वीर शेयर की है। यह खास तस्वीर उनकी सगाई की 47वीं सालगिरह के दौरान की है।

नीतू ने किया ऋषि को याद

नीतू कपूर ने इंसटाग्राम स्टोरी पर ऋषि कपूर के साथ अपनी एक खास पुरानी तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में नीतू और ऋषि दोनों बहुत खुश दिख रहे हैं। इस तस्वीर में दोनों के चेहरों पर प्यारी सी मुस्कान दिखाई दे रही है। नीतू ने इस थ्रोबैक तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, 'आज ही के दिन 1979 में हमारी सगाई हुई थी।'

नीतू और ऋषि की शादी

नीतू और ऋषि कपूर की शादी 22 जनवरी 1980 को हुई थी। उस समय यह बॉलीवुड की सबसे महंगी और चर्चित शादियों में से एक थी। शादी में फिल्म इंडस्ट्री के बहुत सारे बड़े स्टार आए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नीतू अपनी शादी के बीच में इतने सारे स्टारों और भीड़ को देखकर बेहोश हो गई थीं। शादी के बाद 1980 में उनकी बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी पैदा हुई और 1982 में बेटे रणबीर कपूर का जन्म हुआ। ऋषि कपूर का अप्रैल 2020 में कैंसर की वजह से निधन हो गया था।

'दादी की शादी' में नजर आएंगी नीतू कपूर

नीतू कपूर जल्द ही फिल्म 'दादी की शादी' में नजर आएंगी। यह फिल्म कपिल शर्मा और रिद्धिमा कपूर साहनी के साथ है। यह एक पारिवारिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जिसमें एक बुजुर्ग महिला दोबारा शादी करने का फैसला करती है। फिल्म शिमला में शूट हुई है। यह फिल्म 8 मई 2026 को रिलीज होगी।

प्रियंका चोपड़ा ने किए स्वर्ण मंदिर के दर्शन, 'वाराणसी' फिल्म में आएंगी नजर

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों भारतीय फिल्मों में वापसी की तैयारी कर रही हैं। महेश बाबू के साथ फिल्म 'वाराणसी' के बाद अब वह एक नई फिल्म पर काम कर रही हैं। जानिए प्रियंका की नई फिल्म का नाम क्या है।

प्रियंका ने किए स्वर्ण मंदिर के दर्शन

इस महीने की शुरुआत में प्रियंका चोपड़ा को स्वर्ण मंदिर में प्रार्थना करते और रसोई में सेवा करते देखा गया था। हाल ही में उन्होंने फिर से स्वर्ण मंदिर जाकर प्रार्थना की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रियंका कल रात करीब 12 बजे स्वर्ण मंदिर में नजर आईं। वह वहां प्रार्थना कर रही थीं और परिक्रमा स्थल पर कुछ देर

रुकीं।

पंजाब में कई जगहों पर की प्रार्थना

स्वर्ण मंदिर के अलावा, पिछले कुछ दिनों में प्रियंका ने पंजाब के कई और धार्मिक जगहों पर भी जाकर दर्शन किए। इनमें शहीद बाबा गुरबख्श सिंह जी, थड़ा साहिब, शहीदान सिंह मेमोरियल, झंडा बंगा साहिब, बाबा बुद्धा जी और दुख भंजनी बेर साहिब शामिल हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने स्वर्ण मंदिर में सेवा भी की

कुछ दिन पहले प्रियंका की सेवा करते हुए तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। उन तस्वीरों में प्रियंका सिर पर कपड़ा बांधे, पारंपरिक कपड़े पहने, सबके साथ एक जगह बैठी थीं। वह बर्तन धोने और दूसरे कामों में मदद कर रही थीं। प्रियंका ने मंदिर में सबके साथ प्रार्थना भी की थी।

प्रियंका की नई फिल्म 'अमरी' की शूटिंग शुरू

प्रियंका इन दिनों अपनी नई फिल्म के लिए पंजाब के अमृतसर में रुकी हुई हैं। फिल्म 'अमरी' की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है। प्रियंका अपना पूरा शेड्यूल पूरा करने में व्यस्त हैं। वह आखिरी बार फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने अभिनेता कार्ल अर्बन के साथ काम किया था। 'अमरी' के अलावा प्रियंका फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। 'वाराणसी' में प्रियंका साउथ अभिनेता महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं।

निरहुआ की 'पटना से पाकिस्तान 2' का फर्स्ट लुक देख बोली पब्लिक- भोजपुरी धुरंधर जैसा लग रहा

भोजपुरी सिनेमा के जुबली स्टार दिनेश लाल यादव निरहुआ, चर्चित प्रोड्यूसर प्रेम राय और निर्देशक अनंजय रघुराज अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'पटना से पाकिस्तान 2' को लेकर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। फिल्म का 'फर्स्ट लुकट जारी कर दिया गया है, जिसने दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। पहले भाग की अपार सफलता के बाद अब इसका सीक्वल और भी बड़े कैनवास, दमदार कहानी और भव्य प्रस्तुति के साथ दर्शकों के सामने आने वाला है।

फिल्म का पहला पार्ट बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुआ था, जिसके बाद से ही दर्शक इसके दूसरे भाग का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। निर्माताओं का दावा है कि 'पटना से पाकिस्तान 2' पहले से ज्यादा एक्शन, इमोशन और मनोरंजन से भरपूर होगी। बताया गया है कि 'हर फ्रेम में मेहनत और हर सीन में इमोशन' की थीम के साथ फिल्म को बड़े स्तर पर तैयार किया जा रहा है।

भोजपुरी सुपरस्टार निरहुआ लीड रोल में

इस बार फिल्म में भोजपुरी सुपरस्टार निरहुआ लीड रोल में नजर आएंगे। उनके साथ सेजल साहू, सपना चौहान, मीर सरवर, सुशील सिंह, मनोज टाइगर, संजय पांडेय, अमित शुक्ला, साहिल सिद्दीकी, विकास मेहता, भूपेंद्र सिंह, शंभू राणा और धामा वर्मा जैसे कई अनुभवी और प्रतिभाशाली कलाकार अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। इतनी बड़ी स्टारकास्ट फिल्म को और भी खास बनाती है।

इस बार फिल्म और भी बड़े पैमाने, दमदार कहानी और जबरदस्त एक्शन के साथ

फिल्म को लेकर निरहुआ ने कहा कि 'पटना से पाकिस्तान 2' उनके लिए बेहद खास फिल्म है, क्योंकि इसका पहला भाग दर्शकों के अपार प्रेम से ब्लॉकबस्टर साबित हुआ था। उन्होंने कहा कि इस बार फिल्म और भी बड़े पैमाने, दमदार कहानी और

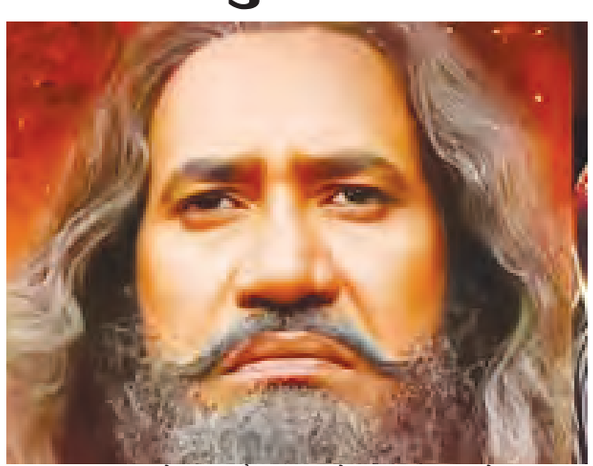

जबरदस्त एक्शन के साथ तैयार की जा रही है, जिसमें दर्शकों को इमोशन, देशभक्ति और मनोरंजन का बेहतरीन संगम देखने को मिलेगा। निरहुआ ने विश्वास जताया कि दर्शक इस फिल्म को भी उतना ही प्यार देंगे और यह फिल्म भोजपुरी सिनेमा में एक नया मुकाम स्थापित करेगी। फिल्म के फर्स्ट लुक में भव्यता और एक्शन की झलक साफ दिखाई देती है, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नया इतिहास रच सकती है।

लोगों ने कहा- पोस्टर देखकर भोजपुरी धुरंधर जैसा फील आ रहा

इस फर्स्ट लुक को देखकर लोगों ने कहा, 'पोस्टर देखकर लग रहा है कि ये सुपरहिट होगी।' एक ने कहा- भोजपुरी फिल्मों का राजा है ये। कुछ लोग इसकी तुलना 'धुरंधर' से भी कर रहे हैं। एक ने कहा है- पोस्टर देखकर भोजपुरी धुरंधर जैसा फील आ रहा।

निर्माता ने कहा- ये फिल्म हर मायने में पहले भाग से बड़ी और बेहतर होगी

निर्माता प्रेम राय ने कहा कि 'पटना से पाकिस्तान 2' को बेहद भव्य स्तर पर तैयार किया जा रहा है और यह फिल्म हर मायने में पहले भाग से बड़ी और बेहतर होगी। उन्होंने बताया कि दर्शकों की उम्मीदों को ध्यान में रखते हुए कहानी, तकनीक और प्रस्तुति पर विशेष ध्यान दिया गया है, ताकि उन्हें एक शानदार सिनेमाई अनुभव मिल सके। प्रेम राय ने विश्वास जताया कि यह फिल्म एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के साथ बॉक्स ऑफिस पर नया कीर्तिमान स्थापित करेगी।

फिल्म के साथ देशभक्ति और सामाजिक संदेश भी

निर्देशक अनंजय रघुराज ने बताया कि फिल्म की कहानी दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ने के साथ-साथ देशभक्ति और सामाजिक संदेश भी देगी। वहीं निर्माता प्रेम राय का कहना है कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट को बड़े पैमाने पर तैयार किया है, ताकि दर्शकों को एक बेहतरीन सिनेमाई अनुभव मिल सके। पटना से पाकिस्तान 2 को लेकर दर्शकों में उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है और फिल्म इंडस्ट्री के जानकार भी इसे आने वाले समय की बड़ी हिट मान रहे हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि यह फिल्म अपने पहले

हिमाचल प्रदेश में दलबदलू विधायकों को अब नहीं मिलेगी पेंशन

सुक्खू सरकार ने संशोधन विधेयक पारित किया

शिमला, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में दल-बदलू विधायकों को लेकर सरकार ने बड़ा फैसला किया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विधानसभा ने बजट सत्र के अंतिम दिन (विधायकों के भत्ते और पेंशन) संशोधन विधेयक, 2026 को पारित कर दिया। बीजपी के कड़े विरोध के बावजूद यह विधेयक ध्वनिमत से मंजूर हुआ। नए कानून के तहत अब यदि कोई विधायक संविधान की दसवीं अनुसूची (दल-बदल कानून) के अंतर्गत अयोग्य घोषित होता है तो उसे पेंशन का लाभ नहीं मिलेगा। यह संशोधन वर्ष 1971 के मूल अधिनियम में बदलाव के रूप में लाया गया है। इसमें विधायकों के वेतन, भत्ते और पेंशन से जुड़े प्रावधान शामिल हैं। बता दें कि पिछली बार जब हिमाचल में राज्यचुनाव हुए थे तो कांग्रेस के 6 विधायकों ने पार्टी लाइन से हटकर वोटिंग की थी। इसके बाद इन विधायकों को अयोग्य ठहराया गया था। उपचुनाव में इनमें से केवल दो ही विधायक दोबारा जीतकर विधानसभा पहुंच सके। नए कानून के लागू होने के बाद पूर्व विधायक चैतन्य शर्मा (गगरेट) और देवेंद्र कुमार भुट्टो (कुटलैहड़) को पेंशन से वंचित होना पड़ेगा। दोनों को फरवरी 2024 में राज्यसभा चुनाव के दौरान पार्टी व्हिप का उल्लंघन करने के कारण अयोग्यता का सामना करना पड़ा था।

हालांकि, निर्दलीय विधायक होशियार सिंह और केएल ठाकुर पर इस संशोधन का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। वहीं रवि ठाकुर और राजेंद्र राणा को 14वीं विधानसभा के कार्यकाल को छोड़कर पूर्व कार्यकाल के आधार पर पेंशन मिलती रहेगी। इसके अलावा सुधीर शर्मा, आशीष शर्मा और इंद्रदत्त लखनपाल उपचुनाव जीतकर दोबारा विधायक बन चुके हैं, इसलिए उनकी पेंशन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। सरकार का कहना है कि इस कानून का उद्देश्य राजनीतिक नैतिकता को मजबूत करना और दल-बदल की प्रवृत्ति पर रोक लगाना है।

पुलिस पर लाठी-डंडे, ईंट-पत्थर से हमला, टीआई का सिर फूटा

महासमुंद, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में पुलिस टीम अवैध शराब बेचने के मामले में फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने पहुंची थी। इस दौरान घरवालों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इस हमले में थाना प्रभारी, महिला आरक्षक सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए।

इस दौरान हमलावरों ने पुलिस की गाड़ी पर भी हमला किया और हाईवे पेट्रोलिंग वाहन के शीशे तोड़ दिए। आरोपियों के परिजनों ने उन्हें छुड़ाने की कोशिश की और पुलिस की कार्रवाई में रुकावट डाली।

पुलिस ने 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है, जबकि 3 अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। यह मामला पटेवा थाना क्षेत्र के ग्राम पचरी का है।

जानकारी के अनुसार, पटेवा थाना में आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज था। 11 अप्रैल, 2026 को इस केस में फरार आरोपी विजय मारकंडेय और विनोद मारकंडेय को पकड़ने के लिए पुलिस टीम पचरी गांव पहुंची थी।

पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। जब उन्हें गाड़ी में बैठाने की कोशिश की गई, तो आरोपियों ने विरोध शुरू कर दिया। इसके बाद उन्होंने पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की। इस दौरान आरोपियों ने घरवालों के साथ आसपास के लोगों को भी भड़काया।

इसके बाद घरवालों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण लाठी-डंडे, लोहे की रॉड और ईंट-पत्थर लेकर मौके पर आ गए और पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इस हमले में थाना प्रभारी उत्तम तिवारी के सिर, गले और सीने में गंभीर चोटें आईं। इसके अलावा कई अन्य पुलिसकर्मी, जिनमें महिला आरक्षक भी शामिल थीं, घायल हो गईं। इस दौरान हमलावरों ने पुलिस की गाड़ी को भी निशाना बनाया। हाईवे पेट्रोलिंग वाहन के शीशे तोड़ दिए।

अकेले ट्रैकिंग पर निकला केरल का युवक, बर्फ में फंसा

पुलिस ने पीठ पर उठाकर किया रेस्क्यू

मनाली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मनाली में केरल से घूमने आए युवक को अकेले ट्रैकिंग पर जाना भारी पड़ गया। दरअसल युवक व्यासकुंड की ओर अकेले ट्रैकिंग पर निकला था। इस दौरान खराब मौसम और पर्याप्त तैयारी की कमी के कारण यह ट्रैक उसके लिए मुश्किल साबित हुआ। वो बर्फ में फंस गया। उसके पैर बर्फ में सुन्न हो गए। वह चलने में पूरी तरह असमर्थ हो गया। सी बीच पुलिस को 112 हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से घटना की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस युवक को रेस्क्यू करने के लिए रवाना हो गई।

अटल टनल रोहतांग की सुरक्षा में तैनात सब-इंस्पेक्टर राज कुमार को टीम के साथ मौके पर रवाना किया गया। खराब मौसम और कठिन परिस्थितियों के बावजूद पुलिस टीम ने साहस और तत्परता दिखाते हुए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद टीम युवक तक पहुंची और उसकी स्थिति को देखते हुए उसे अपनी पीठ पर उठाकर सुरक्षित स्थान तक लाया गया। इसके बाद उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसका उपचार किया गया। समय रहते रेस्क्यू होने के कारण एक बड़ा हादसा टल गया।

मैं केरल से हूं और दिल्ली में पढ़ाई करता हूं। मैं व्यासकुंड ट्रैक के लिए निकला था। मुझे लगा था यह ट्रैक आसान होगा, लेकिन ऐसा नहीं था। यहां बिना गाइड के नहीं आना चाहिए। युवक की पहचान 20 वर्षीय अरशद नरिक्कोट्टु मेचेरी के रूप में हुई है। वो केरल के मलप्पुरम जिले का निवासी है। वह बिना किसी समूह या गाइड के अकेले ट्रैकिंग के लिए निकल पड़ा था। ट्रैक के दौरान अचानक मौसम खराब हो गया और क्षेत्र में भारी बर्फबारी शुरू हो गई।

इसी दौरान वह धुंधी ब्रिज से लगभग 2 से 3 किलोमीटर ऊपर बर्फ में फंस गया। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब उसके जूते बर्फ में भीग गए।

बोकारो स्टील प्लांट में क्रेन से गिरकर मजदूर मरा

बीजीएच में इलाज के दौरान तोड़ा दम, 51 हजार रुपए तत्काल दिए गए

बोकारो, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। बोकारो स्टील प्लांट में एक ठेका मजदूर की मौत हो गई। यह घटना प्लांट के आईएमएफ विभाग में उस समय हुई, जब मजदूर क्रेन के सहारे ऊंचाई पर काम कर रहा था। संतुलन बिगड़ने के कारण वह अचानक नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया।

आनन-फानन में उसे बोकारो जनरल अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान 38 वर्षीय गणेश महतो के रूप में हुई है, जो पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के जयपुर के निवासी थे। वह नीरज एंटरप्राइजेज के लिए क्रेन ऑपरेटर के रूप में कार्यरत थे। घटना की सूचना मिलते ही प्लांट परिसर में काम कर रहे मजदूरों और यूनियन नेताओं में भारी आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में मजदूर अस्पताल और प्लांट परिसर में जमा हो गए और प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मजदूरों ने मृतक के आश्रित को स्थायी नौकरी, उचित मुआवजा और हादसे की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई।

यूनियन के जनरल सेक्रेटरी नीतेश कुमार करण ने आरोप लगाया कि प्लांट में सुरक्षा मानकों की लगातार अनदेखी की जा रही है, जिसके कारण इस तरह की घटनाएं हो रही हैं।

कौन है चंडीगढ़ ब्लास्ट का आरोपी रूबल चौहान?

जो शिमला से आया था यूपीएससी की तैयारी करने, चिट्टे ने किया बर्बाद

चंडीगढ़, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब और हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ में बीजेपी कार्यालय के बाहर ग्रेनेड फेंकने के मामले में पुलिस ने अबतक सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान गुरतेज सिंह, अमनप्रीत सिंह, बलविंदर लाल, जसवीर सिंह, चरणजीत सिंह, मनदीप और रूबल चौहान के रूप में हुई है। इन सभी आरोपियों में एक युवक हिमाचल की राजधानी शिमला का रहने वाला है। आरोपी रूबल चौहान शिमला जिले के रोहडू के टिक्कर तहसील के थाना गांव का रहने वाला है। पुलिस ने उसे उसके घर से गिरफ्तार किया था।

चंडीगढ़ में कर रहा था यूपीएसी की तैयारी

रूबल चौहान को उसके माता-पिता ने यूपीएससी की तैयारी करने के लिए चंडीगढ़ भेजा था। 12 तक शिमला के कोटखाई में पढ़ाई करने के बाद ही वो चंडीगढ़ आ गया था। उसने आगे की पढ़ाई भी यहीं पर की। अभी रूबल यूपीएससी एग्जाम की तैयारी भी कर रहा था। पुलिस पूछताछ में आरोपी रूबल ने बताया कि हमला करने वाली गैंग के साथ चिट्टे का सेवन करता था। उसके पिता बागवानी के अलावा, दिल्ली में ही कारोबार भी करते हैं। चिट्टे की लत की वजह से रूबल इस गैंग के साथ जुड़ा था। उसने बताया कि हमला करने वाली गैंग के साथ वो चिट्टे का सेवन करता था। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान आरोपी गुरतेज सिंह ने खुलासा किया कि लगभग छह महीने पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए उसका संपर्क एक विदेशी हैंडलर से हुआ था।

पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि हैंडलर के निर्देशों पर गुरतेज ने अपने सह-आरोपी रुबल चौहान और मनदीप के साथ मिलकर 28 मार्च को एसबीएस नगर के भारपुर गांव में जसवीर से हथियारों और ग्रेनेड की खेप ली। उन्होंने आगे बताया कि गुरतेज ने अमनप्रीत सिंह को अपने साथ हमले को अंजाम देने के लिए ले गया।

डीजीपी ने बताया कि 1 अप्रैल को, रेकी करने के बाद, अमनप्रीत सिंह ने ग्रेनेड फेंका, जबकि गुरतेज सिंह ने हैंडलर के इशारे पर इस घटना को अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

एक साथ गूंजी तीन किलकारियां

जामताड़ा, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। जामताड़ा सदर अस्पताल में सोमवार सुबह एक महिला द्वारा एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया। जैसे ही यह सूचना फैली, अस्पताल में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। अस्पताल में घटना चर्चा का विषय बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार जामताड़ा प्रखंड के पंजुनिया गांव निवासी राजेश मिर्धा की पत्नी आरती कुमारी तुरी को रविवार देर रात प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिजनों ने तत्परता दिखाते हुए सहिया जयारानी दत्ता की मदद से 108 एंबुलेंस के जरिए उन्हें सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में प्रसव कराया गया।

सोमवार सुबह 5:25 बजे आरती कुमारी ने पहले शिशु (लड़की) को जन्म दिया। इसके ठीक 30 मिनट बाद 5:55 बजे दो अन्य शिशुओं (दोनों लड़के) का जन्म हुआ। खास बात यह रही कि तीनों बच्चों का जन्म सामान्य प्रसव (नॉर्मल डिलीवरी) से हुआ, जिसे चिकित्सा क्षेत्र में दुर्लभ माना जाता है।

चेन से बांधा, पीटा, अमरूद तोड़ने पर हिमाचल प्रदेश में एक्स आर्मी जवान ने बच्ची को दी 'तालीबानी सजा', एफआईआर दर्ज

ऊना, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के ऊना ज़िले से बाल शोषण का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक रिटायर्ड आर्मी जवान ने जो किया, वह हिला देनेवाला है। उसने अपने घर में एक चार साल की बच्ची को बांधकर उसे प्रताड़ित किया। उसे पीटा और सीढ़ियों से उल्टा लटका दिया। घटना का जब वीडियो सामने आया तो हर किसी के रोंगटे खड़े हो गए। वीडियो में बच्ची अंकल बचा लो, अंकल बचा लो कहती हुई सुनाई दे रही है। पुलिस ने केस दर्ज किया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। हैरानी की बात है कि उस बच्ची का कसूर सिर्फ इतना था कि उसने रिटायर्ड आर्मी जवान के घर के आंगन में लगे अमरूद के पेड़ से अमरूद तोड़ लिया था।

मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित लड़की एक प्रवासी परिवार की बेटी है। उसने आरोपी के घर के पास लगे पेड़ से अमरूद तोड़ लिए थे। वह इस बात से तिलमिला गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी कथित तौर पर लड़की को अपने घर के अंदर ले गया, उसे सीढ़ियों से एक चेन से बांध दिया और उसके साथ मारपीट की। मर्चेंट नेवी में काम करने वाले एक स्थानीय युवक ने इस घटना का एक वीडियो बना लिया। उसके बाद यह वीडियो ऑनलाइन वायरल हो गया। वीडियो में, बच्ची को रोते हुए दिखाई दे रही है। वह वीडियो बना रहे व्यक्ति से उसे बचाने की गुहार लगा रही है। वहीं आरोपी को अपने किए को सही ठहराते हुए सुना जा सकता है। वह कह रहा है कि बच्ची ने अमरूद चुराए थे। वीडियो बना रहे व्यक्ति को भी आरोपी से इस मारपीट के बारे में सवाल पूछते हुए सुना जा सकता है। रोहित नाम के एक गवाह ने बताया कि उसने इस घटना के बारे में चाइल्ड हेल्पलाइन और पुलिस को जानकारी दी थी। उसके अनुसार, बाद में आरोपी ने पीड़ित बच्ची के परिवार से माफ़ी मांगी और अपनी गलती स्वीकार कर ली। यह वीडियो भी सामने आया। वह कह रहा है कि मुझसे गलती हो गई, मैं बच्ची, उसके परिवार और आपसे माफी मांगता हूं। आगे से ऐसी गलती नहीं होगी। वीडियो बना रहा शख्स भी कर रहा है कि आप आर्मी के व्यक्ति हैं, आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। बच्चे सबके बराबर हैं, चाहें प्रवासी हों या हमारे।

इस घटना का संज्ञान लेते हुए, पुलिस ने सेना से रिटायर हुए उस व्यक्ति से पूछताछ की, पीड़ित परिवार के बयान दर्ज किए और बच्ची का मेडिकल परीक्षण करवाया।

दो सड़क हादसे, दो की मौत

गिरिडीह, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले में रविवार की देर रात हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पहली घटना मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के डुमरी-गिरिडीह मेन रोड पर बराकर जैन मंदिर के समीप हुई। बताया गया कि एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान 25 वर्षीय चार्लीस मुर्मू के रूप में हुई है। वह डुमरी थाना क्षेत्र के जीतकुंडी स्थित ओहदार गांव का रहने वाला था। वह किसी काम से गिरिडीह आया था। लौटने के दौरान हादसे का शिकार हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया और क्षतिग्रस्त बाइक को जब्त कर लिया। दूसरी घटना ताराटांड़ थाना क्षेत्र के गिरिडीह-धनबाद मेन रोड के बड़कीटांड मोड़ के पास हुई। यहां एक तेज रफ्तार स्कूटी और टाटा नेक्सोन कार के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में स्कूटी सवार 29 वर्षीय सुबोजित सिन्हा की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उनके साथ बैठे 28 वर्षीय सुरेश गोराई गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों युवक धनबाद जिले के गोबिंदपुर के निवासी बताए जा रहे हैं। किसी कंपनी के काम से गिरिडीह आए थे। काम समाप्त कर वापस लौटने के दौरान यह दुर्घटना हुई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही ताराटांड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

जमशेदपुर में 'चाइनीज चापड़' का खौफ

दो महीनों में 5 हत्याएं और 22 हमले पुलिस के लिए बनी बड़ी चुनौती

जमशेदपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के जमशेदपुर में हाल के दिनों में 'चाइनीज चापड़' का चलन तेजी से बढ़ा है। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो महीनों में पूर्वी सिंहभूम के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चाइनीच चापड़ से वार कर पांच लोगों की हत्या कर दी गई। जबकि चापड़ के हमले में 35 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शहर में चाइनीज चापड़ से हमला करना अपराधियों के बीच एक नया ट्रेंड बन गया है। चिंताजनक बात यह है कि इस खतरनाक हथियार का इस्तेमाल केवल पेशेवर अपराधी ही नहीं, बल्कि युवा वर्ग भी कर रहा है। स्कूल, कॉलेज, पार्क और सार्वजनिक स्थानों पर छोटी-छोटी बातों पर विवाद के दौरान चापड़ निकालकर हमला करने की घटनाएं बढ़ रही हैं।

जेएमएम की ओर से एसएसपी को ज्ञापन को सौंपकर चाइनीज चापड़ को खतरनाक हथियार की श्रेणी में शामिल कर इसकी बिक्री, सार्वजनिक इस्तेमाल और शहर में आयात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। जेएमएम नेताओं ने कहा कि इस हथियार को अपराधी एक सोची-समझी रणनीति के तहत इस्तेमाल कर रहे है। इस हथियार के इस्तेमाल पर होने पर बीएनएस की विभिन्न धाराएं लगाई जाती है, लेकिन वो ज्यादा कठोर नहीं होती है।

विशेषज्ञों और पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इसके पीछे कई कारण हैं। शहर के बाजारों में चापड़ आसानी से उपलब्ध है और इसकी कीमत भी कम होती है। इसकी तेज धार कम समय में गंभीर चोट पहुंचाने में सक्षम होती हैय साथ ही इसे बैग या कपड़ों में आसानी से छिपाया जा सकता है। इसके अलावा, बंदूक और पिस्तौल की तुलना में इस तरह के धारदार हथियारों पर पुलिस की निगरानी अपेक्षाकृत कम होती है, जिसका फायदा अपराधी उठा रहे हैं।

चाइनीज चापड़ की सबसे बड़ी समस्या इसकी अत्यधिक कम कीमत है। यह आसानी से हार्डवेयर की दुकानों, साप्ताहिक बाजारों और सड़क किनारे स्टालों पर 50 से 100 रुपये तक में मिल जाता है।

तानों से तंग आकर भतीजे ने बुआ की हत्या कर शव झाड़ी में फेंका

तीन दिन बाद हुआ खुलासा

चाईबासा, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के जेटेया थाना क्षेत्र से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां एक युवक ने अपनी ही बुआ की धारदार हथियार से हत्या कर दी।

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह लंबे समय से बुआ के तानों से मानसिक रूप से परेशान था और इसी गुस्से में उसने यह खौफनाक कदम उठा लिया। मामले का खुलासा तब हुआ जब राकेश सिंकू नामक शख्स ने जेटेया थाने में टुरिया गगराई नामक महिला की हत्या की जानकारी दी।

सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और एक विशेष टीम का गठन किया।

जांच के दौरान घटनास्थल से हरे रंग की टी-शर्ट और नीले रंग की पैंट बरामद की गई। ग्रामीणों से पूछताछ में पता चला कि ये कपड़े गांव के ही गागा गगराई के हैं।

इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की, जहां उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

आरोपी ने बताया कि 9 अप्रैल की रात वह कुल्हाड़ी लेकर पहले से ही घात लगाकर बैठा था। जैसे ही टुरिया गगराई वहां पहुंचीं, उसने उन पर हमला कर दिया। पहले पेट में वार किया और फिर सिर पर प्रहार कर उनकी हत्या कर दी।

25 महीने में 63 बार सैलरी! झारखंड ट्रेजरी घोटाले में अजब-गजब खुलासे

सीआईडी के साथ आईएएस खंगालेंगे फाइल

रांची, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के बोकारो और हजारीबाग जिले में ट्रेजरी से करोड़ों रुपये की अवैध निकासी के मामले ने राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर के उस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है, जिसमें एक उच्चस्तरीय आईएएस कमेटी और सीआईडी जांच की मांग की गई थी। इस घोटाले में पुलिस अधिकारियों के वेतन के नाम पर सरकारी खजाने में सेंध लगाई गई है। सोमवार को वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के नेतृत्व में वित्त विभाग की एक विशेष कमेटी का गठन होगा। वहीं, इस पूरे मामले में रची गई आपराधिक साजिश की परतें सीआईडी की तफ्तीश में खुलेंगी। झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर के अनुसार, अब तक दर्ज सभी प्राथमिकियों को सीआईडी को ट्रांसफर किया जाएगा। जहां आईएएस कमेटी वित्तीय अनियमितताओं और विभागीय खामियों की जांच करेगी। वहीं, सीआईडी ये पता लगाएगी कि इस सुनियोजित चोरी के पीछे कौन से माफिया या अपराधी सक्रिय थे। जांच का दायरा केवल दो जिलों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अन्य जिलों में भी संभावित गड़बड़ियों की पड़ताल की जाएगी।

झारखंड ट्रेजरी घोटाले की गहराई और तकनीकी बारीकियों को देखते हुए, वित्त विभाग ने प्रधान महालेखाकार (ए जी आफिस) से संपर्क किया है। सरकार चाहती है कि एजी ऑफिस के किसी अनुभवी अधिकारी को इस उच्चस्तरीय कमेटी का सदस्य बनाया जाए। इससे ट्रेजरी सॉफ्टवेयर और बिलिंग प्रक्रिया में हुई हेराफेरी को पकड़ने में आसानी होगी और दोषियों के खिलाफ ठोस सबूत जुटाए जा सकेंगे।

सरकारी विभाग में वेतन निकासी की प्रक्रिया काफी जटिल होती है, जिसमें पुलिस लाइन से मास्टर रोल पर सार्जेंट मेजर के हस्ताक्षर होते हैं। इसके बाद लेखापाल, बड़ा बाबू और अंत में डीएसपी (निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी) के हस्ताक्षर से ट्रेजरी से भुगतान होता है। ऐसे में जांच की आंच डीएसपी, सार्जेंट मेजर और लेखा शाखा के क्लर्कों तक पहुंचना तय माना जा रहा है।

'ऑपरेशन क्लीन' की बटुकुईया में छापेमारी

50 लाख की अफीम-डोडा जब्त, माफिया फरार

चतरा, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। चतरा पुलिस ने अफीम माफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन क्लीन' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए कुंदा थाना क्षेत्र के बटुकुईया गांव में छापेमारी कर करीब 50 लाख रुपए मूल्य के नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 840 ग्राम शुद्ध अफीम, 17 बोरों में भरा 315 किलोग्राम डोडा और 35 किलोग्राम पोस्ता दाना जब्त किया।

इसके अलावा अवैध अफीम की खेती और प्रोसेसिंग में इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी बरामद किए गए, जिनमें मोटर पंप, सेक्शन पाइप, फीता पाइप का बंडल और कीटनाशक स्प्रे मशीन शामिल हैं। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है। नशा तस्करों में भय का माहौल बन गया है। पुलिस को लंबे समय से इलाके में अफीम के अवैध कारोबार की सूचना मिल रही थी। इसी कड़ी में वरीय अधिकारियों को बटुकुईया गांव में एक तस्कर के घर में भारी मात्रा में अफीम और डोडा छिपाकर रखने की सटीक सूचना मिली।

सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल के निर्देश पर सिमरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। टीम ने योजनाबद्ध तरीके से देर रात गांव की घेराबंदी कर संदिग्ध ठिकाने पर छापेमारी की, जहां से बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ और उपकरण बरामद किए गए। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गए। बरामदगी से यह स्पष्ट हुआ है कि कुंदा और आसपास के क्षेत्रों में न केवल अफीम का संग्रहण, बल्कि बड़े पैमाने पर इसकी खेती और प्रोसेसिंग भी की जा रही थी। चतरा एसपी सुमित अग्रवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जब्त नशीले पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 50 लाख रुपए आंकी गई है।

उन्होंने कहा कि माफियाओं के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। जिले से नशे का कारोबार पूरी तरह खत्म किया जाएगा। फिलहाल कुंदा थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

श्रीलंका में भारत का बड़ा दांव, खरीद ली सबसे बड़ी शिपबिल्डिंग कंपनी, देखते रह गया चीन

नई दिल्ली,13 अप्रैल(एजेंसियां)। श्रीलंका में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम करने के लिए भारत ने एक बड़ा दांव खेला है। नौसेना के लिए युद्धपोत और पनडुब्बी बनाने वाली कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने वहां बड़ी खरीदारी की है।

कंपनी ने श्रीलंका की सबसे बड़ी शिपबिल्डिंग कंपनी कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी में 51 फीसदी कंट्रोलिंग हिस्सेदारी खरीदी है। रक्षा मंत्रालय के तहत आने वाली नवरत्न कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने पहली बार किसी विदेशी कंपनी में हिस्सेदारी खरीदी है। कंपनी ने यह हिस्सेदारी 249.5 करोड़ रुपये में खरीदी है।

इससे भारत सरकार के मैरिटाइम अमृत काल विजन 2047 के लिए अहम मील का पत्थर माना जा रहा है। इस डील के पूरा होने के बाद कोलंबो डॉकयार्ड के बोर्ड का पुनर्गठन किया गया है। इसमें एमडीएल की नॉमिनी शामिल किए गए हैं।

एमडीएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर कैप्टन (रिटायर्ड) जगमोहन को कोलंबो डॉकयार्ड का नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बनाया गया है। उनकी नियुक्ति 7 अप्रैल, 2026 से प्रभावी मानी जाएगी। एमडीएल के अन्य नॉमिनीज में बीजू जॉर्ज, डायरेक्टर (शिपबिल्डिंग) और रुचिर अग्रवाल, डायरेक्टर (फाइनेंस) शामिल हैं।

चीन पर लगाम

तिमिरा एस गोदाकुंबुरा कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी के एमडी और सीईओ बने रहेंगे ताकि ऑपरेशन में निरंतरता बनी रहे। सनशाइन होल्डिंग्स पीएलसी के डिप्टी चेयरमैन विश गोविंदसामी को एमडीएल के नॉमिनी डायरेक्टर के तौर पर बोर्ड में शामिल किया गया है।

एमडीएल भारत के बाहर अपना विस्तार करना चाहती है और यह अधिग्रहण इसी पहल का हिस्सा है। भारत ग्लोबल शिपबिल्डिंग और शिप रिपेयर इकोसिस्टम में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहता है। इसमें कोलंबो डॉकयार्ड अहम भूमिका निभा सकता है। इसकी स्ट्रैजिक लोकेशन और स्थापित क्षमताओं का एमडीएल को फायदा मिलेगा।

यह अधिग्रहण भारत के लिए सामरिक रूप से बहुत अहम है। इसकी वजह यह है कि चीन श्रीलंका में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। चीन ने हंबनतोता पोर्ट को 99 साल की लीज पर ले रखा है और साथ ही उसके नेवल शिप लगातार कोलंबो में लंगर डाल रहे हैं। इसने भारत की चिंता को बढ़ा दिया है। भारत के समुद्री क्षेत्र में चीन की बढ़ती उपस्थिति को काउंडर करने के लिए इस अधिग्रहण को अहम माना जा रहा है। भारत दुनिया में समुद्री ताकत के मामले में अभी 16वें नंबर पर है। भारत का लक्ष्य 2030 तक शिपबिल्डिंग के मामले में दुनिया के टॉप 10 देशों में शामिल होना है और 2047 तक टॉप 5 में आना है। शिपिंग में अपनी धाक जमाने के लिए भारत सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें भारत कंटेनर शिपिंग लाइन, एक कोस्टल ग्रीन शिपिंग कॉरिडोर और इनलैंड वॉरवेज में 100 करोड़ का निवेश शामिल है। इसके अलावा देश में समुद्री व्यापार को बढ़ावा देने के लिए सागरमाला स्टार्टअप और इनोवेशन इनिशिएटिव भी शुरू किया गया है।

गर्मी में नहीं होगा पॉवर कट ! भारत के पास है 90 दिनों का 'काला सोना', सरकार ने दिलाया भरोसा

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सोमवार को कहा कि देश में 90 दिन की जरूरत के लिए पर्याप्त 20 करोड़ टन से अधिक का कोयला भंडार उपलब्ध है.

रेड्डी ने यहां खान मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा कि देश में लगातार दूसरे वर्ष एक अरब टन कोयला उत्पादन हासिल किया गया है. उन्होंने कहा कि आज थर्मल पॉवर प्लांट्स और खदानों के पास 90 दिन के लिए पर्याप्त कोयला उपलब्ध है. पहले हमारे पास केवल 21 से 25 दिन का ही भंडार होता था, लेकिन अब 20 करोड़ टन से अधिक कोयला उपलब्ध है. रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य खनिज क्षेत्र में आयात पर निर्भरता कम करना और देश को आत्मनिर्भर बनाना है.

उन्होंने कहा कि मैं केंद्र सरकार की ओर से यह कहना चाहूंगा कि सरकार खनिज क्षेत्र में राजस्व के लिए काम नहीं करती. बल्कि वह खनिज क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाती है.भविष्य में शहरी खनन और कोयला गैसीकरण (ठोस कोयले को रासायनिक प्रक्रिया के जरिए गैस में बदलना) में महत्वपूर्ण खनिजों के निष्कर्षण की व्यापक संभावनाओं को देखते हुए, उन्होंने निजी क्षेत्र से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, राज्य सरकारों और अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि शहरी खनन के जरिए देश की जरूरत के 30-40 प्रतिशत महत्वपूर्ण खनिज कबाड़ से निकाले जा सकते हैं. सरकार इस दिशा में एक कार्ययोजना तैयार कर रही है, जिसके तहत हर शहर से कबाड़ एकत्र कर रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर आदि से महत्वपूर्ण खनिज निकाले जाएंगे.केंद्रीय खान सचिव पीयूष गोयल ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 212 खनिज ब्लॉक की नीलामी की गई, जबकि इससे पहले के चार वर्षों में कुल 364 ब्लॉक की नीलामी हुई थी. 2015 में नीलामी व्यवस्था शुरू होने के बाद से अब तक कुल 684 ब्लॉको की नीलामी हो चुकी है. उन्होंने बताया कि महत्वपूर्ण खनिज खंड में इस वर्ष 22 ब्लॉक की नीलामी हुई है.

ईरान-अमेरिका वार्ता नाकाम होने से शेयर बाजार में गिरावट

सेंसेक्स 703 अंक गिरा, सभी सेक्टर लुढ़के

नई दिल्ली: ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता नाकाम होने से आज घरेलू बाजार में भारी गिरावट आई। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 1,600 अंक से अधिक गिर गया था जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 इंडेक्स भी 400 अंक से अधिक लुढ़क गया। आखिरकार सेंसेक्स 702.68 अंक यानी 0.91% की गिरावट के साथ 76,847.57 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 207.95 अंक यानी 0.86% लुढ़ककर 23,842.65 अंक पर आ गया। सभी सेक्टरों में गिरावट रही। रुपये भी डॉलर के मुकाबले करीब 0.7 फीसदी गिरकर 93.38 पर गया।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 शेयरों में गिरावट आई। मारुति के शेयरों में सबसे ज्यादा चार फीसदी से ज्यादा गिरावट आई। इंडिगो, बजाज फाइनेंस, रिलायंस, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, आईटीसी, इटरनल और एचसीएल टेक में भी उल्लेखनीय गिरावट रही। केवल आईसीआईसीआई बैंक, एनटीपीसी और एक्सिस बैंक में तेजी रही। निफ्टी के शेयरों में एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, आईसीआईसीआई बैंक और अडानी एंटरप्राइजेज में सबसे ज्यादा तेजी रही। ब्रॉडर मार्केट में भी निफ्टी मिडकैप में 0.54 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.38 फीसदी गिरावट रही। सेक्टरवाइज देखें तो निफ्टी ऑटो और निफ्टी ऑयल एंड गैस में सबसे ज्यादा गिरावट रही। निफ्टी एमएफसीजी और निफ्टी आईटी में भी गिरावट रही। निफ्टी मेटल में सबसे कम गिरावट रही। उधर कच्चे तेल की कीमत में भारी तेजी आई है। ब्रेंट क्रूड की कीमत में करीब 8 फीसदी तेजी आई और यह सीजफायर से पहले के दौर में पहुंच गया। ब्रेंट क्रूड अभी 7.38 फीसदी तेजी के साथ 102.2 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा था।ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत नाकाम होने के बाद यूएस नेवी होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी करने जा रही है। इससे पश्चिम एशिया में सीजफायर टूटने और युद्ध के लंबा खिंचने की आशंका पैदा हो गई है। इससे एशियाई बाजारों में आज गिरावट आई। जापान का निक्केई और साउथ कोरिया का कॉस्पी एक फीसदी से अधिक लुढ़क गया। हॉन्ग कॉन्ग के हैंग सेंग में एक फीसदी से ज्यादा गिरावट आई जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट 0.25 फीसदी से ज्यादा गिरा अमेरिकी शेयर बाजार पिछले सत्र में मामूली तेजी के साथ बंद हुआ था लेकिन डाउ जोंस फ्यूचर्स में करीब एक फीसदी गिरावट आई।

चांदी में आज 2,953 की गिरावट, सोना 316 सस्ता

ईरान जंग से 45 दिन में सोना 9 हजार गिरा, चांदी 30 हजार नीचे आई

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग के बीच आज सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी 2,953 रुपए घटकर 2.37 लाख रुपए आ गई, जो 10 अप्रैल को 2.40 लाख रुपए पर थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 316 रुपए घटकर 1,50,011 रुपए आ गया है। इससे पहले शुक्रवार को यह 1,50,327 लाख पर था। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना 45 दिन में 9,086 और चांदी 29,719 सस्ती हुई है।

ऑल टाइम हाई से 1.49 लाख रुपए गिरी चांदी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे।

तब से अब तक सोना 26,110 रुपए सस्ता हो चुका है।वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक 103 दिन में चांदी 1.49 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

स्टॉक मार्केट में गिरावट लेकिन स्पाइसजेट के शेयर ने भरी उड़ान, सुबह-सुबह अपर सर्किट में फंसा, क्यों आई तेजी ?

नई दिल्ली,13 अप्रैल(एजेंसियां)। सोमवार को शेयर मार्केट में बड़ी गिरावट आई। अमेरिका-ईरान वार्ता फेल होने का असर बाजार में दिखाई दिया। सुबह-सुबह ही सेंसेक्स 1000 अंक से ज्यादा गिर गया। वहीं इस दौरान कुछ ऐसे भी शेयर रहे, जिनमें तेजी आई। इन्हीं में स्पाइसजेट एयरलाइंस का शेयर स्पाइसजेट लिमिटेड भी शामिल है। यह शेयर सुबह ही अपर सर्किट में पहुंच गया। स्पाइसजेट का शेयर शुक्रवार को 12.27 रुपये पर बंद हुआ था। सोमवार को यह 5 फीसदी के अपर सर्किट के साथ 12.88 रुपये पर खुला। यह पहली बार नहीं है जब इस शेयर में अपर सर्किट लगा है। पिछले हफ्ते भी कई दिन यह शेयर अपर सर्किट में फंसा है। इस शेयर में तेजी क्यों आ रही है, इसका कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। वहीं दूसरी ओर कंपनी को

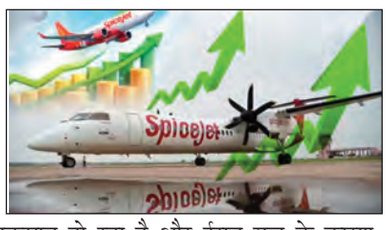

नुकसान हो रहा है और ईरान युद्ध के कारण कंपनी जेट फ्यूल की बढ़ती कीमतों से भी जूझ रही है।

4 सत्रों में 20% से ज्यादा रिटर्न

स्पाइसजेट का शेयर पिछले हफ्ते से निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दे रहा है। पिछले 4 सत्रों में इसमें 20 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। मंगलवार 7 अप्रैल को यह 10.62 रुपये पर बंद हुआ था। अभी यह शेयर 12.88 रुपये पर है। ऐसे में 4 सत्रों में यह शेयर 21.28 फीसदी उछल गया है।

6 महीने में आधी से ज्यादा गिरी कीमत

मौजूदा तेजी को छोड़ दें तो स्पाइसजेट के शेयर पिछले काफी समय से गिर रहे हैं।

एक महीने में यह शेयर 6 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गया है। 6 महीने में इसकी कीमत आधे से कहीं ज्यादा गिर गई है। 6 महीने में यह शेयर करीब 62 फीसदी फिसल गया है। एक साल में इसमें करीब 73 फीसदी गिरावट आई है। ऐसे में मौजूदा तेजी निवेशकों के चेहरे में कुछ मुस्कुराहट ला सकती है।

क्यों आई शेयर में तेजी ?

इस शेयर में तेजी क्यों आ रही है, इसका कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसे सट्टेबाजी से जुड़ा मूव माना जा रहा है। एक्सपर्ट ने चेतावनी दी है कि कंपनी पर कर्ज बढ़ रहा है और स्थिति थोड़ी गंभीर है। ऐसे में इस शेयर में कभी भी बड़ी गिरावट आ सकती है।

मुश्किल में कंपनी

स्पाइसजेट कंपनी इस समय मुश्किल भरे दौर से गुजर रही है। हाल ही में यूके की एक कोर्ट ने कंपनी को करीब 8 मिलियन डॉलर (करीब 70 करोड़ रुपये) का भुगतान करने का आदेश किया है। यह रकम विमान रखरखाव करने और पट्टे पर देने वाली कंपनी को दी जाएगी। यह रकम जनवरी 2022 से बकाया लीज किराये और नवंबर 2020 से बकाया रखरखाव खर्चों से संबंधित है। वहीं दूसरी ओर कंपनी घाटे से भी गुजर रही है। कंपनी ने दिसंबर तिमाही में बताया कि उसका कंसोलिडेटेड नेट लॉस बढ़कर 261 करोड़ रुपये हो गया है।

1 लाख के बना दिए 37 लाख रुपये

7 दिन में इस क्रिप्टोकरेंसी ने दिया ताबड़तोड़ रिटर्न

नई दिल्ली,13 अप्रैल(एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में पिछले कई दिनों से हलचल मची हुई है। कभी बाजार नीचे जा रहा है तो कभी तेजी आ रही है। इस बीच एक क्रिप्टोकरेंसी ऐसी है जिसने निवेशकों को ताबड़तोड़ रिटर्न दिया है। इस क्रिप्टोकरेंसी का नाम रेवडीएओ है।

इसकी तेजी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसने एक हफ्ते में 3600% से ज्यादा रिटर्न दिया है। पश्चिम एशिया संकट का असर क्रिप्टो मार्केट पर भी दिखाई दे रहा है। इसके कारण इनमें बड़ा उतार-चढ़ाव आ रहा है। पिछले 24 घंटे में बिटकॉइन समेत कई बड़ी क्रिप्टो में गिरावट आई है। ग्लोबल मार्केट कैप भी करीब एक फीसदी गिर गया है। इस गिरावट के साथ सोमवार दोपहर 2 बजे यह 2.41 ट्रिलियन डॉलर पर था। क्रिप्टो मार्केट में बड़े उतार-चढ़ाव के बाद भी रेवडीएओ क्रिप्टो जबरदस्त रिटर्न दे रही है। दोपहर 2 बजे पिछले एक घंटे में इसमें करीब 17 फीसदी की तेजी आई है। इस तेजी के साथ यह 9.22 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। पिछले 24 घंटे में इसने निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। 24 घंटे में इसमें करीब 228 फीसदी का उछाल आया है। यानी इसने निवेशकों के एक लाख रुपये को 24 घंटे में 3 लाख रुपये से ज्यादा में बदल दिया है। बात अगर 7 दिन की करें तो इसने निवेशकों पर पैसों की बारिश कर दी है। 7 दिन में इसका रिटर्न 3600 फीसदी से ज्यादा रहा है। यानी इसने एक हफ्ते में एक लाख रुपये की रकम को बढ़ाकर 37 लाख रुपये से ज्यादा कर दिया है।

बाकी क्रिप्टो में कितनी गिरावट ?

पिछले 24 घंटे क्रिप्टो बाजार के लिए गिरावट भरे रहे हैं। लगभग सभी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी फिसल गई हैं। जानें किसमें कितनी गिरावट आई: पिछले 24 घंटे में बिटकॉइन में 1.50% से ज्यादा गिरावट आई है। इस गिरावट के साथ यह 70630 डॉलर पर कारोबार कर रही है।

भारत में 20,400 टन एलपीजी पहुंचने वाली है

मंगलवार को होगा मंगल, जग विक्रम पर बड़ा अपडेट

नई दिल्ली,13 अप्रैल(एजेंसियां)। सरकार ने एलपीजी जहाज ' जग विक्रम ' पर बड़ा अपडेट दिया है। इसके 14 अप्रैल यानी मंगलवार को कांडला (गुजरात) पहुंचने की उम्मीद है। इस पर 20,400 टन एलपीजी लदी है। इसमें 24 नाविक सवार हैं। यह जहाज 11 अप्रैल को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरा था। संकट के बीच यह बड़ी राहत की खबर है।

सरकार ने दी है यह जानकारी

बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने सोमवार को इस बारे में पूरी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय ध्वज वाला एलपीजी जहाज 'जग विक्रम' 11 अप्रैल को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरा। इस जहाज पर लगभग 20,400 टन एलपीजी लदी है। इसमें 24 नाविक सवार हैं। इसके 14 अप्रैल को कांडला पहुंचने की उम्मीद है। इसके साथ ही मुकेश मंगल ने यह भी कहा कि भारत के सभी बंदरगाहों पर कामकाज सामान्य रूप से चल रहा है। किसी भी तरह की भीड़भाड़ (कंजेशन) की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

सीजफायर के बाद होर्मुज पार करने वाला पहला भारतीय जहाज

अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते के अस्थायी संघर्ष-विराम की घोषणा के बाद जग विक्रम होर्मुज पार करना वाला पहला भारतीय जहाज था।जग विक्रम मार्च की शुरुआत से अब तक फारस की खाड़ी से बाहर निकलने वाला भारत का नौवां जहाज भी है। भारत अपनी एनर्जी जरूरतों के लिए आयात पर काफी हद तक निर्भर है।

1 अप्रैल से हरियाणा में बढ़ी सैलरी!

अब 15,221 से कम नहीं होगी मजदूरी

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने राज्य में सभी तरह के कामों में लगे अनस्क्लिड मजदूरों के लिए न्यूनतम मजदूरी की मूल दरों में संशोधन किया है। ये नई दरें 1 अप्रैल, 2026 से लागू होंगी। हरियाणा सरकार के एक नोटिफिकेशन के अनुसार, यह संशोधन 'वेज कोड, 2019' के प्रावधानों के तहत किया गया है। यह संशोधन, मजदूरी के लेवल की समीक्षा के लिए गठित समिति द्वारा दी गई सिफारिशों के आधार पर किया गया है।

नोटिफिकेशन में आगे कहा गया है कि न्यूनतम मजदूरी के रेट, मिनिमम वेज के बेसिक रेट हैं, जिन्हें एम्प्लॉयर को अलाउंस के रूप में अलग-अलग हिस्सों में बांटने की इजाजत नहीं है। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स नंबर में होने वाली बढ़ोतरी या कमी का 100 फीसदी असर (न्यूट्रलाइजेशन) प्रो-राटा बेस पर होगा। मजदूरी में यह बदलाव 'कोड ऑन वेजेस रूल्स, 2026' में बताए गए तरीके से किया जाएगा। अब तय/बदले जा रहे न्यूनतम मजदूरी के रेट, इस लिंकेज की वजह से प्रभावित नहीं होंगे। यानी मजदूरी उन रेट से कम नहीं होगी जो अब तय/बदले जा रहे हैं।नोटिफिकेशन के अनुसार, न्यूनतम मजदूरी को स्किल लेवल के आधार पर तय किया गया है।

खुदरा महंगाई दर मार्च में बढ़कर 3.40% पर

दाल, आलू और प्याज के दाम घटे तो दबाव कहां ?

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। खुदरा मुद्रास्फीति मार्च में मामूली रूप से बढ़कर 3.4 प्रतिशत हो गई, जबकि फरवरी में यह 3.21 प्रतिशत थी। सरकार ने सोमवार को इससे जुड़े आंकड़े जारी किए। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़ों के आधार पर, मार्च में खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि की दर 3.87 प्रतिशत रही, जो पिछले महीने के 3.47 प्रतिशत से अधिक है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति क्रमशः 3.63 प्रतिशत और 3.11 प्रतिशत रही। हालांकि, यह मामूली उछाल तत्काल चिंता का विषय नहीं है क्योंकि समग्र मूल्य वृद्धि अभी भी 4 प्रतिशत के सुविधाजनक और प्रबंधनीय स्तर से नीचे बनी हुई है।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महंगाई का अंतर

आंकड़ों का गहराई से विश्लेषण करने पर स्पष्ट होता है कि शहरों की तुलना में गांवों में महंगाई का दबाव थोड़ा अधिक बना हुआ है।

ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा महंगाई दर 3.63 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि इसके मुकाबले शहरी इलाकों में यह दर 3.11 प्रतिशत के निचले स्तर पर रही। यह अंतर स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि गांवों और शहरों के बीच मूल्य दबाव किस प्रकार भिन्न है।

आवास क्षेत्र में राहत

घरेलू बजट में सबसे अहम भूमिका निभाने वाली खाद्य वस्तुओं की कीमतों में हल्का इजाफा देखा गया है। खाद्य महंगाई (सीएफपीआई): अखिल भारतीय उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (सीएफपीआई) मार्च में 3.87 प्रतिशत (अनंतिम) दर्ज किया गया, जो फरवरी के 3.47 प्रतिशत से अधिक है। यहां भी ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य महंगाई (3.96 प्रतिशत) शहरी क्षेत्रों (3.71 प्रतिशत) की तुलना में अधिक रही, जो बताता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य लागत तेजी से बढ़ रही है। इसके विपरीत, आवास (हाउसिंग) क्षेत्र में महंगाई दर 2.11 प्रतिशत (अनंतिम) के निचले स्तर पर रही।

दैनिक पंचांग

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन	मे	मीन.....	04-30 बजे
चंद्र	कुंभ	मे	मेष.....	06-05 बजे
मंगल	मीन	मे	वृष.....	07-50 बजे
बुध	मीन	मे	मिथुन..	09-50 बजे
गुरु	मिथुन	मे	कर्क....	12-02 बजे
शुक्र	मेष	मे	सिंह....	14-14 बजे
शनि	मीन	मे	कन्या...	16-21 बजे
राहु	कुंभ	मे	तुला....	18-26 बजे
केतु	सिंह	मे	वृश्चिक..	20-36 बजे
			धनु.....	22-50 बजे
			मकर....	00-57 बजे
			कुंभ....	02-51 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
सूर्योदय 06-08
सूर्यास्त. 18 -27
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष मंगलवार 14 April 2026
तिथि - द्वादशी 00-11 रात्रि तक उपरान्त त्रयोदशी
नक्षत्र - शतभिषा 16-05 तक उप पूर्वभाद्रपद
योग - शुक्ल 15-38 तक उप. ब्रह्म
करण - कौलव 12-45 तक उप तैतिल
विशेष: मेषे अर्क ०९-३३ से वरुथिनी ११ व्रतं निम्बार्क

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-24 से 16-57 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
रोग	06-09 - 07-36 अशुभ	काल	18-26 - 19-57 अशुभ
उत्पात	07-36 - 09-09 अशुभ	लाभ	19-57 - 21-24 शुभ
चंचल	09-09 - 10-43 शुभ	उत्पात	21-24 - 22-50 अशुभ
लाभ	10-43 - 12-17 शुभ	शुभ	22-50 - 00-16 शुभ
अमृत	12-17 - 13-50 शुभ	अमृत	00-16 - 01-43 शुभ
काल	13-50 - 15-24 अशुभ	चंचल	01-43 - 03-09 शुभ
शुभ	15-24 - 16-57 शुभ	रोग	03-08 - 04-35 अशुभ
रोग	16-57 - 18-26 अशुभ	काल	04-35 - 06-09 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आप आज अपने परिवहन के साधन से परेशान हो सकते हैं । अगर कहीं किसी महत्वपूरण काम के लिए जाना है तो अपने लिए वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था कर लें और कोई बैकअप योजना तैयार रखें । आज आप किसी भीतरी उलझन से परेशान हैं,लेकिन शांति बनाये रखें,यह समय जल्दी ही बीत जायेगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज कर्म में आपका विश्वास और पक्का हो जाएगा । आप यह मान लेंगे कि कर्म का फल अवश्य मिलता है । आप दूसरों की तकलीफ समझते हैं ।आप सबसे आगे चलते हुए अपने व्यक्तित्व की उदारता की भी नोट करेंगे । कोई आपसे मदद मांगेगा । प्रियजनों के साथ छोटी-मोटी यात्रा कर सकते हैं ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

दिन शांत रहेगा । पिछले सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी,जो अच्छी लगेगी । आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर नजर रखे हुए हैं ,इसीलिए अधिक मेहनत करें । कुछ अनापेक्षित निजी मुद्दे आपके सामने आ सकते हैं ,उनसे आपको आश्चर्य तो जरुर होगा,लेकिन आप संतोषजनक तरीके से उन्हें सँभालने में कामयाब होंगे ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

लम्बे समय के बाद आज आपको रहत महसूस होगी । किसी महत्वपूर्ण खबर से ख़ुशी मिलेगी । यदि माता-पिता हैं तो बेटे/बेटी के लिए सुयोग्य वर मिल सकता है । किसी लंबित अदालती मामले का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है । करियर के मामले में छोटे से प्रयास से बड़ी सफलता मिलनी तय है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

समय कुछ बहादुरी भरे कदम उठाने का है,इसमें हिचकिये मत । इसके स्थान पर ,मजबूत फैसला लीजिये । अवसरों को जाने मत दीजिये । इस समय विश्वास पूर्वक लिया गया एक फैसला नाटकीय तरीके से आपकी जिंदगी को बदल सकता है,शायद आपको अभी ये प्रतीत न हो । पुराने संबंधों के बारे में फिर से सोचने और अर्थहीन संबंधों को तोड़ देना ही सही रहेगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आज आपको कुछ चौंकाने वाली बातें पता चलेंगी । लेकिन चिंता ना करें,सब अच्छी खबरें होंगी । जिन कई चीजों के लिए आप लम्बे समय से कोशिश कर रहे थे,वे आज पूरी होने वाली हैं । जिन कोशशों को आप अपनी ओर से व्यर्थ मान चुके थे,वे अंतत आज सफल होंगी । इसीलिए आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियाँ मनाएं ,हो सकता है कि उनके पास भी आपको सुनाने के लिए कोई अच्छी खबर हो ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे । इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी –पहचानी राहों पर ही आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे । आपके सामने नए अवसर आयेंगे ,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं । इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आज के दिन आपसे बहुत सारी अपेक्षाएं रहेंगी । आप अपने वर्त्तमान घर या नौकरी में बदलाव का फैसला ले सकते हैं । कशमकश में न रहें , बदलाव होना अच्छा ही रहेगा । आपको किसी ऐसे आदमी से बात करके अप्रत्याशित सहायता मिल सकती है जो चुपचाप आपकी भलाई चाहता रहा है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आपके मन में कुछ ऐसा चल रहा है जिससे आप परेशानी महसूस कर रहे हैं,आप पिछली कुछ बातों के बारे में सोचकर परेशान हैं । अपने किसी करीबी दोस्त या सम्बन्धी के साथ अपनी भावनाएं बांटिये,आपको काफी अच्छा महसूस होगा । ये सारी घटनाएँ आपको मजबूत बनाने के लिए हैं ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आप एक आशावादी व्यक्ति हैं और आज यह बात सबको जान्ने देने और इससे लाभ उठाने का दिन है । इससे आपकी छवि एक प्रेरणात्मक वक्ता की बनेगी,जिसकी कोशिश आप लम्बे समय से करते आ रहे हो । समाज में आपके सम्बन्ध जिन लोगों के साथ बहुत अच्छे नही हैं ,उनके साथ भी आपके संबंधों में अब सुधार आना शुरू हो जाएगा ।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज आपके सब कामों और विचारों में एकाग्रता और शांति रहेगी । आप किसी विवाद से प्रभावित नही होंगे ,दरअसल कार्यस्थल पर भी ऐसी स्थिति बन सकती है कि आपको शान्तिदूत बनना पड़े । घर के सुधार का कोई कार्यक्रम बना सकते हैं या अपने घर की समस्याओं को सुलझाने या संबंधों को बेहतर बनाने के लिए काम कर सकते हैं ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज आप जो भी कुछ शुरू करेंगे ,उसमे चाहे कितनी ही बाधाएं आयें,आपको सफलता मिलनी तय है । दिन के अंत तक आप दूसरों से फिर से बेहतर सम्बन्ध बना पायेंगे । अपनी प्रकृति में एक जरुरी बदलाव लायें-हर सम्बन्ध में केवल अधिकार जताने की कोशिश में ना रहें । सबको बराबरी का दर्जा दें और आपको भी बदले में सबसे प्यार मिलेगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सुबोध अग्रवाल ने क्यों लिया आईएएस सुधांश पंत का नाम?

'बयान' से मच गई खलबली !

जयपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के सबसे बड़े प्रशासनिक घोटालों में शुमार 'जल जीवन मिशन' मामले में सोमवार को जयपुर की कोर्ट में उस वक्त खलबली मच गई, जब मुख्य आरोपी और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल ने सीधे तत्कालीन प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल दाग दिए। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की रिमांड अवधि खत्म होने पर कोर्ट में पेशी के दौरान अग्रवाल ने मीडिया के सामने पूर्व मुख्य सचिव IAS सुधांश पंत का नाम लेकर इस पूरे मामले को एक नया मोड़ दे दिया है। इधर सुबोध अग्रवाल को अदालत ने दो दिन की रिमांड पर भेजने के आदेश दिए। ऐसे में अब उनकी अगली पेशी 15 अप्रेल को होगी।

'मेरे केवल 4 केस, बाकी 33 सुधांश पंत के समय के'

कोर्ट परिसर के बाहर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए सुबोध अग्रवाल ने बेहद गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, ₹मैंने एसीबी की पूछताछ में पूरा सहयोग किया है और 125 से ज्यादा सवालों के जवाब दिए हैं। लेकिन असलियत यह है कि फाइनेंस कमेटी के जिन 37 प्रकरणों की बात हो रही है, उनमें से मेरे कार्यकाल के केवल 4 हैं। बाकी के 33 प्रकरण सुधांश पंत के समय के हैं।₹

अग्रवाल ने आगे आरोप लगाया कि इन 33 प्रकरणों में करीब 600 करोड़ रुपये का मामला जुड़ा है। उन्होंने एसीबी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि जहां पैसा देकर गबन हुआ है, वहां जांच नहीं हो रही, बल्कि उन फाइलों को खंगाला जा रहा है जिनमें भुगतान तक नहीं हुआ।

960 करोड़ का कथित घोटाला और एसीबी के 125 सवाल

बता दें कि एसीबी ने सुबोध अग्रवाल को 960 करोड़ रुपये के कथित भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार किया है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने एसीबी की 5 दिन की मांग के मुकाबले 3 दिन का रिमांड मंजूर किया था। इस दौरान एसीबी की विशेष टीम ने अग्रवाल के लिए 125 सवालों की एक लंबी फेहरिस्त तैयार की थी। हालांकि, अग्रवाल अभी तक यही दावा कर रहे हैं कि जैसे ही उन्हें घोटाले की भनक लगी थी, उन्होंने स्वयं इसकी जांच शुरू करवाई थी।

जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश या कुछ और?

एसीबी सूत्रों के अनुसार, सुबोध अग्रवाल ने अब तक की पूछताछ में किसी भी प्रकार की अनियमितता से साफ इनकार किया है और खुद को पाक-साफ बताया है। लेकिन, जांच एजेंसी उनके बयानों की पुष्टि जब्त किए गए दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों से कर रही है। अग्रवाल द्वारा सुधांश पंत का नाम लिए जाने के बाद अब यह मामला केवल एक घोटाले तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह राजस्थान की ब्यूरोक्रेसी के शीर्ष अधिकारियों के बीच 'आर-पार की जंग' बन गया है।

जांच का बढ़ता दायरा

एसीबी फिलहाल इस घोटाले से जुड़े एक मुख्य मुकदमे और एक ट्रैप मामले की गहराई से जांच कर रही है। लेकिन मामला यहीं खत्म नहीं होता।

सूत्रों का मानना है कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी और दस्तावेजों की कड़ियां जुड़ेंगी, राजस्थान के प्रशासनिक इतिहास के कुछ और 'काले पन्ने' बाहर आ सकते हैं।

सियासी और प्रशासनिक गलियारों में हलचल

सुबोध अग्रवाल के बयान के बाद राजस्थान की राजनीति भी गरमाना तय है। एक तरफ जहां जांच एजेंसी सबूत जुटाने में लगी है, वहीं दूसरी तरफ आरोपियों द्वारा लगाए गए जवाबी आरोपों ने इस केस को 'हाई-प्रोफाइल' बना दिया है। बचाव पक्ष ने तो अग्रवाल की गिरफ्तारी के आधारों को भी चुनौती दी है।

नगर निकाय चुनाव कराने से क्यों बच रही बीजेपी सरकार ?

सचिन पायलट ने बताई बड़ी वजह

टोंक, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। एआईसीसी महासचिव एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राज्य सरकार ढाई साल में कोई प्रभाव नहीं छोड़ पाई है और अफसरशाही पूरी तरह हावी है। यही कारण है कि सरकार नगर निकाय चुनाव कराने से बच रही है, क्योंकि उसे अपनी हार का डर सता रहा है। सचिन पायलट टोंक विधानसभा सीट के दौरे पर थे। उन्होंने देवपुरा, हरचंदेड़ा, भरनी व सोनवा समेत कई गांवों में ग्रामीणों से सम्पर्क किया और समस्याएं जानी। उन्होंने देवपुरा में लाइब्रेरी का लोकार्पण किया।

सचिन पायलट ने कहा कि केरल विधानसभा का कार्यकाल मई तक था। लेकिन निर्वाचन आयोग ने जल्दबाजी में चुनाव घोषित कर दिए। कम समय मिलने के बावजूद कांग्रेस ने मजबूती से चुनाव लड़ा और बेहतर परिणाम की उम्मीद है। उन्होंने दावा किया कि केरल, पुदुचेरी और असम में कांग्रेस की स्थिति मजबूत है और वहां सरकार बनने की पूरी संभावना है।

असम के मुख्यमंत्री घबराए हुए हैं...

सचिन पायलट ने असम को लेकर कहा कि वहां के मुख्यमंत्री की ओर से लगाए जा रहे आरोप और अभद्र भाषा यह दर्शाते हैं कि वे घबराए हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि असम पुलिस का दुरुपयोग किया जा रहा है और विपक्ष पर कार्रवाई की जा रही है।

सरकार से किसानों को तत्काल राहत देने की मांग

केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए पायलट ने कहा कि भाजपा 12 साल से सत्ता में है। लेकिन घुसपैठ जैसे मुद्दों पर ठोस कार्रवाई नहीं कर पाई है, जबकि सभी एजेंसियां और संसाधन उसके पास हैं। किसानों के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि किसान देश की रीढ़ है और वह पूरे साल मेहनत करता है। लेकिन नुकसान होने पर उसे समय पर मदद नहीं मिलती। उन्होंने सरकार से किसानों को तत्काल राहत देने की मांग की।

सचिन पायलट ने कहा कि राज्य में नगर निकाय चुनाव नहीं कराना सरकार की कमजोरी को दर्शाता है। भाजपा को पता है कि चुनाव हुए तो जनता ढाई साल का हिसाब मांग लेगी और नगर निकायों में उसका सूपड़ा साफ हो जाएगा।

कार्यकर्ताओं को चुनाव के लिए तैयार रहने का किया आह्वान

निवाई. गंगापुर सिटी से टोंक जाते समय दत्तवास मोड़ पर सचिन पायलट के आगमन पर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक अंदाज में साफा पहनाकर व फूलमालाओं से भव्य स्वागत किया। स्वागत के बाद पायलट ने संक्षिप्त और प्रभावी उद्बोधन में कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का संचार किया। उन्होंने आगामी नगरपालिका एवं जिला परिषद चुनावों को निर्णायक बताते हुए कहा कि संगठन की मजबूती और जमीनी स्तर पर सक्रियता ही जीत का आधार बनेगी।

उन्होंने हर कार्यकर्ता से बूथ स्तर तक सक्रिय रहकर जनता से सीधे संवाद स्थापित करने का आह्वान किया।अपने संबोधन में पायलट ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में आमजन की समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन सरकार संवेदनहीन बनी हुई है। उन्होंने कहा कि महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है, बेरोजगारी युवाओं के भविष्य पर सवाल खड़े कर रही है और किसान अपनी मांगों को लेकर संघर्षरत हैं।

पायलट ने आरोप लगाया कि प्रशासनिक तंत्र भी दबाव में काम कर रहा है, जिससे विकास कार्यों की गति प्रभावित हो रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे जनता के बीच जाकर इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाएं और सरकार की नीतियों की सच्चाई उजागर करें, ताकि लोकतांत्रिक तरीके से परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त हो सके। कांग्रेस मंडल अध्यक्ष रामस्वरूप गुर्जर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सचिन पायलट को जोरदार स्वागत किया। इस दौरान मीठालाल मीणा, लादूराम मीणा, पूरणमल बैरवा, सोनू गुर्जर, मुकेश गुर्जर, रामकेश मीणा, हनुमान गुर्जर, सोनू गुर्जर, किशन मीणा एवं महेंद्र चौधरी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधायक ऋतु बनावत से जनता की मांग

'नहीं चाहिए रेलवे फाटक पर पुल लेकिन पैसेंजर ट्रेन रोको'

भरतपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर जिले के रूपवास शहर के लोगों ने विधायक डॉ ऋतु बनावत को पत्र लिखकर मांग की है कि रेलवे फाटक के ऊपर पुल नहीं बनाया जाए। इससे दर्जनों मकान दुकान टूटेंगे तथा शहर की रौनक व भव्यता भी जाएगी। क्योंकि शहर में रेल लाइन के ऊपर पूर्व में ही बाईपास पर ओवरब्रिज बन चुका है। अब शहर में इसको बनाने की कोई जरूरत नहीं है।

भाकिसं के अरुण परमार ने बताया कि शहर में रेलवे फाटक के पास रेलवे विभाग की ओर से मिट्टी एवं पानी की जांच का कार्य कराया जा रहा है। जिसमें बताया गया है कि रेलवे विभाग की ओर से फाटक को बन्द कर रेलवे लाइन के दोनों तरफ 650-650 मीटर के बीचोबीच में होकर रेलवे ओवर ब्रिज की डीपीआर तैयार कराई जा रही है। जिससे हमारे शहर की भव्यता एवं व्यवस्था खराब हो जाएगी और आम जनता के मकान, दुकान एवं बाजार पूरी तरह से खत्म हो जाएगा।

वहीं रेलवे फाटक के दूसरी तरफ से डहर क्षेत्र, सिंघावली रोड एवं पुरा मालौनी चकसामरी के लोगों का बाजार से सम्पर्क टूट जाएगा। जबकि रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण में केन्द्र सरकार का करोड़ों रुपया खर्च होगा। जबकि रेलवे फाटक को सुचारू रखते हुए मात्र दो कर्मचारी से इसे जारी रखा जा सकता है। जिसमें केन्द्र सरकार को अनावश्यक खर्च से बचा जा सकता है।

वही यातायात की बात की जाए तो भरतपुर रोड सपाट पर राजस्थान रोडवेज बस स्टैंड बन चुका है। अधिकांश बसें रुकने लग गई है। इसलिए सरकारी एवं प्राइवेट बसों, टैम्पो का संचालन बस स्टैंड व हाइवे बाईपास से होगा। जिससे यातायात का दवाब रेलवे फाटक पर न्यूनतम हो जाएगा। रूपवास शहर के रेलवे स्टेशन पर आगरा केंट से असरवा अहमदाबाद के मध्य चलने वाली पैसेंजर ट्रेन के ठहराव को बंद कर देने पर लोगों ने रेलमंत्री के नाम एक ज्ञापन विधायक डॉ. ऋतु बनावत को सौंपा। विधायक ने रेल संघर्ष समिति के अध्यक्ष हरिशंकर शर्मा, डब्बू बंसल, चंद्रकेश चौहान, बलवीर चौधरी, राजकुमार आदि से मिलकर ट्रेन के ठहराव के लिए जल्द ही दिल्ली जाकर रेलमंत्री से मिलने का आश्वासन दिया। वही समिति के सदस्यों व शहरवासियों को आश्वस्त किया कि ट्रेन के स्टॉपेज को बंद करना रेलवे विभाग की हठधर्मिता है। जिसको सहन नहीं किया जाएगा।

डंपर छुड़ाने की रिपोर्ट बनाने के लिए वन विभाग के लिपिक ने मांगी घूस, केस दर्ज

अलवर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी भिवाड़ी ने वन विभाग के एक लिपिक के विरुद्ध रिश्वत मांगने के ठोस सबूतों के आधार पर मुकदमा दर्ज किया है। यह मामला नवंबर 2025 का है, जिसमें तिजारा पंचायत समिति के ग्वालदा निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायतकर्ता के अनुसार, उसका एक डंपर चौपानकी थाना पुलिस ने पकड़ा था, जिसे बाद में वन विभाग को सुपुर्द कर दिया गया था। डंपर को रिलीज करवाने के लिए परिवादी ने भिवाड़ी कोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश किया। कोर्ट ने इस पर अलवर वन विभाग से एक तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब की। आरोप है कि इसी रिपोर्ट को तैयार करने और कोर्ट में भेजने के नाम पर वन विभाग में कार्यरत लिपिक प्रसून सैनी ने परिवादी से 35 हजार रुपए की मांग की।

शिकायत मिलने के बाद एसीबी भिवाड़ी की टीम ने जाल बिछाया। मोलभाव के बाद लिपिक 30 हजार रुपए लेने पर सहमत हुआ। तय हुआ कि 20 हजार रुपए तुरंत दिए जाएंगे और बाकी 10 हजार रुपए दो-तीन दिन बाद। एसीबी ने परिवादी को एक डिजिटल रिकॉर्डर देकर लिपिक के पास भेजा। अलवर के शिवाजी पार्क क्षेत्र में हुई बातचीत और पैसों के लेन-देन की चर्चा रिकॉर्डर में कैद हो गई। इसके तीन दिन बाद जब परिवादी ने लिपिक को कॉल किया, तो उसने राजगढ़ में होना बताया और फोन पर भी पैसों को लेकर चर्चा की। यह कॉल रिकॉर्डिंग भी एसीबी के लिए अहम सबूत बन गई।

हैरानी की बात यह है कि लिपिक ने संभवतः एसीबी की भनक या खतरे को भांप लिया था, जिसके चलते उसने बिना पैसे लिए ही डंपर की रिपोर्ट जारी कर दी और डंपर कोर्ट से रिलीज भी हो गया। लेकिन कानून की नजर में 'रिश्वत की मांग' करना ही अपराध है। एसीबी ने वॉइस सैंपल्स और रिकॉर्डिंग की जांच के बाद लिपिक प्रसून सैनी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

1.50 लाख शिक्षकों की होगी भर्ती : बीएलओ के नाम से ड्यूटी पर नहीं आने वाले शिक्षकों का नहीं बनेगा वेतनः मदन दिलावर

कोटा, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने नयापुरा स्थित सियाम ऑडिटोरियम में कोटा-बूंदी जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों से सीधा संवाद किया। उन्होंने ब्लॉकवार प्रधानाचार्यों से विद्यालयों के विकास को लेकर सुझाव लिए और उनकी समस्याओं की जानकारी लेकर विभाग की चल रही कार्रवाई से अवगत कराया।

मंत्री दिलावर ने विद्यालयों में बीएलओ कार्य के कारण शिक्षण प्रभावित होने के सवाल पर कहा कि बीएलओ कार्य के लिए अर्द्धदिवसीय समय निर्धारित है। इस बार एसआइआर के लिए पूरे दिन का अवकाश दिया गया था, लेकिन अब वह कार्य समाप्त हो चुका है।

ऐसे में बीएलओ कार्य में लगे शिक्षक अनुपस्थित नहीं रह सकेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चुनाव या बीएलओ कार्य के नाम पर विद्यालय नहीं आने वाले शिक्षकों का वेतन नहीं बनाया जाए। ऐसे शिक्षकों की सूची तैयार कर जिला कलक्टर व एसडीएम से भी चर्चा की जाएगी।

मंत्री ने कहा कि विद्यालयों में खेल मैदानों से अतिक्रमण हटाए जाएंगे और जहां खेल मैदान नहीं हैं, वहां नए मैदान विकसित किए जाएंगे। अब पीटीआइ को शिक्षक की तरह प्रत्येक कक्षा में एक कालांश खेल गतिविधि का लेना होगा, जिससे विद्यार्थी खेलों से जुड़ सकें। विद्यार्थियों के प्रदर्शन के आधार पर पीटीआइ की रिपोर्ट भी तैयार की जाएगी।

मंत्री ने कहा कि शिक्षक समाज की दिशा तय करता है, इसलिए नशा करने वाले शिक्षकों की सूची तैयार की जा रही है। हालांकि फिलहाल ऐसे शिक्षकों पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

शहिण्डोली के सथूर विद्यालय की प्रधानाचार्य मीनादेवी साहू द्वारा शिक्षकों की कमी का मुद्दा उठाने पर मंत्री ने कहा कि नए विद्यालय खोलने और संकाय बढ़ाने के बजाय मौजूदा विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है।

30 हजार शिक्षकों की भर्ती हो चुकी है, जबकि भविष्य में 1.50 लाख शिक्षकों की भर्ती की जाएगी। सरकार विद्यालयों के क्रमोन्नयन के साथ पद भी सृजित कर रही है।

मंत्री ने कहा कि कई बार विद्यार्थियों के नाम अनुचित होते हैं या उनके साथ जाति भी जोड़ दी जाती है। ऐसे नामों को सम्मानजनक बनाने के लिए सरकार प्रयास कर रही है। शिक्षकों को अभिभावकों से संवाद कर नाम सुधारने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए सरकार 3,000 नामों की सूची भी उपलब्ध कराएगी। नैनवां के जाखोड़ा के प्रधानाचार्य ने बताया कि उनके विद्यालय में 'बावड़ी देवी' नामक शिक्षिका का नाम बदलकर सम्मानजनक किया गया है।

बाइक की टंकी खोलते ही लगी भीषण आग

युवक गंभीर रूप से झुलसा

भीलवाड़ा, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के शक्करगढ़ थाना क्षेत्र के केसरपुरा के पास एक रूह कंपा देने वाला हादसा सामने आया। चलती बाइक में अचानक तकनीकी खराबी के बाद आग लग गई। हादसे में बाइक सवार युवक बुरी तरह झुलस गया, जिसे भीलवाड़ा से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में जयपुर रैफर किया गया। जानकारी के अनुसार, बरडा निवासी शिवराज धाकड़ पुत्र कालू धाकड़ अपनी मोटरसाइकिल से जा रहा था। केसरपुरा के समीप अचानक बाइक में तकनीकी खराबी महसूस होने पर उसने वाहन रोका। बताया जा रहा है कि युवक ने जैसे ही पेट्रोल की टंकी का ढक्कन खोला, अचानक जोर का भभका हुआ और आग की विकराल लपटों ने शिवराज को अपनी चपेट में ले लिया।

'अपने हक के लिए लड़ना जरूरी', शिव विधायक से विवाद पर बोले भजन गायक छोटू सिंह

अलवर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। भजन गायक छोटू सिंह रावणा ने शिव विधायक रविंद्र भाटी से जुड़े विवाद पर कहा कि अगर कोई परेशान करता है, तो अपने हक के लिए लड़ना जरूरी है। उन्होंने बताया कि इस मामले में शिकायत भी दर्ज करवाई गई है और फिलहाल जांच जारी है। उनके अनुसार सही और गलत का फैसला अंततः जनता ही करती है। उन्होंने कहा कि अगर मन में लगे कि कुछ गलत हो रहा है, तो उसका विरोध करना चाहिए और हर व्यक्ति को अपनी बात खुलकर रखने की आजादी मिलनी चाहिए।

श्याम परिवार सेवा समिति की ओर से दशहरा मैदान में आयोजित श्याम वंदना महोत्सव में पहुंचे छोटू सिंह ने कहा कि समय के साथ हर चीज में बदलाव जरूरी होता है और समाज को भी इसके साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ब्रह्मा ने पहले चार वेदों की रचना की, इसके बाद एक और वेद बनाया गया। इसी तरह पहले संस्कृत भाषा का उद्भव हुआ, फिर अवधी भाषा आई और धीरे-धीरे अन्य भाषाओं का भी विकास होता गया, जो परिवर्तन का ही संकेत है।

उन्होंने 'तीन बाण के धारी' भजन को लेकर कहा कि यह भजन उन्होंने दिल की गहराइयों और सच्ची श्रद्धा से लिखा है, यही वजह है कि यह लोगों के दिलों में खास जगह बना चुका है और लगातार लोकप्रिय हो रहा है । साथ ही उन्होंने बताया कि पहली बार उन्होंने महाकाल पर भी भजन लिखा है, जिसे श्रोताओं से भरपूर प्यार और सराहना मिल रही है ।

भजन गायक कन्हैया मित्तल के साथ हुए विवाद पर उन्होंने कहा कि भजन गायकी में लगातार कड़ी मेहनत करनी पड़ती है, जिसमें कलाकार के साथ-साथ साउंड टीम भी लंबे समय तक काम करती है और थकान महसूस करती है। ऐसे में छोटी-मोटी बातें हो जाना स्वाभाविक है, जिन्हें बेवजह बड़ा मुद्दा नहीं बनाना चाहिए।

अफीम तौल में वसूली का नशा, 1500 की रिश्वत दो

वरना आपकी उपज 'घटिया', कैटेगरी के नाम पर डाल देंगे

चित्तौड़गढ़, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। बेगूं और रावतभाटा क्षेत्र में अफीम तौल प्रक्रिया अब केवल प्रशासनिक कार्य नहीं, बल्कि विवाद और आरोपों का अखाड़ा बन गई है। एक तरफ नारकोटिक्स विभाग व्यवस्थाएं चाक-चौबंद होने का दावा कर रहा है, तो दूसरी तरफ हाड़-तोड़ मेहनत कर 'काला सोना' उगाने वाले किसानों ने विभाग के कारिंदों पर भ्रष्टाचार का खुला खेल खेलने का आरोप जड़ा है।

किसानों का आरोप है कि तौल केंद्र पर तैनात कुछ अधिकारी और कर्मचारी नई कैटेगरी सिस्टम को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। नियम के मुताबिक अफीम को स्टैंडर्ड, वाटर मिक्स और सस्पेक्टेड श्रेणियों में बांटा गया है।

दर्जनों किसानों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि प्रति किसान 1500 रुपए की रिश्वत मांगी जा रही है। यदि कोई किसान पैसे देने से मना करता है, तो उसकी गुणवत्तापूर्ण अफीम को भी जबरन वाटर मिक्स श्रेणी में डाल दिया जाता है, जिससे उसे भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।

बेगूं क्षेत्र में लगभग 6,000 लाइसेंसी अफीम किसान हैं। किसानों का गणित सीधा और चौंकाने वाला है यदि 5,000 किसानों से भी डरा-धमकाकर 1500 रुपए ऐंठे जाते हैं, तो यह सीधे तौर पर 75 लाख रुपए की काली कमाई का मामला बनता है। किसानों का सवाल है कि इस अवैध वसूली की रकम आखिर किसकी जेब में जा रही है?

भ्रष्टाचार के साथ-साथ भौगोलिक दूरी ने भी किसानों की कमर तोड़ दी है। बेगूं और रावतभाटा के किसानों को अपनी उपज लेकर 100 से 120 किलोमीटर दूर सींगोली स्थित चारभुजा केंद्र आना पड़ रहा है। चिलचिलाती धूप में लंबी कतारें और ठहरने के नाम पर धर्मशालाओं में अपर्याप्त इंतजामों ने किसानों के सब्र का बांध तोड़ दिया है।

नशे में बना 'हैवान': शराबी ने सोते हुए बीवी-बच्चों के बीच अपने ही घर को फूंका, ग्रामीणों ने बचाई जान

दौसा, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। दौसा जिले से मानवता को शर्मसार कर देने वाली एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां शराब की लत ने एक व्यक्ति को इस कदर 'हैवान' बना दिया कि उसने अपने ही हंसते-खेलते परिवार की जान जोखिम में डाल दी। मानपुर थाना क्षेत्र के हिगवा गांव में एक युवक ने नशे की हालत में अपने ही घर में छप्पर को आग के हवाले कर दिया। सबसे ज्यादा हैरान और विचलित कर देने वाली बात यह है कि जिस वक्त आरोपी ने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया, उस समय घर के अंदर उसकी निर्दोष पत्नी और मासूम बच्चे गहरी नींद में सो रहे थे।

घटना रात के अंधेरे की है, जब पूरा गांव सोया हुआ था। अचानक मुकेश बैरवा नामक युवक के छप्परपोश घर से आग की गगनचुंबी लपटें उठती देख पड़ोसियों और ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। आग तेजी से फ़ैल रही थी और घर के अंदर से चीख-पुकार मचने लगी। खतरे को भांपते हुए ग्रामीण तुरंत बड़ी संख्या में मौके पर दौड़े। अपनी जान की परवाह न करते हुए, ग्रामीणों ने अदम्य साहस का परिचय दिया और धधकती लपटों के बीच घर में घुसकर सो रही पत्नी और बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला।

फेमस होने के लिए युवक ने मगरमच्छों के बीच फेंका सुतली बम

कोटा, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने सोशल मीडिया पर फेमस होने के लिए मगरमच्छों से भरी चंद्रलोही नदी में सुतली बम जलाकर फेंक दिया। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक युवक नदी में सुतली बम फेंकता नजर आ रहा है। बम फटते ही नदी के किनारे चट्टानों पर धूप सेंक रहे मगरमच्छ अचानक घबरा कर इधर-उधर भागने लगते हैं। यह दृश्य लोगों को हैरान कर रहा है। वीडियो सामने आने के बाद बोरखेड़ा थाने में युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस और वन विभाग इस मामले की जांच में जुट गए हैं। एएसआई करतार यादव ने बताया कि वन विभाग की ओर से मगरमच्छों पर सुतली बम फोड़ने की शिकायत दी गई है। साथ ही एक वीडियो भी मिला है, जिसकी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि मगरमच्छों को परेशान करने और बम फेंकने वाले युवक को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। जांच में अब तक सामने आया है कि आरोपी चंद्रशेल इलाके का रहने वाला है। उसने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम आईडी पर अपलोड किया था, जिस पर कुछ ही घंटों में 21 हजार से ज्यादा व्यूज आ गए थे।

दिनदहाड़े घर में घुसे बदमाश, फिर महिला को बंधक बनाकर लूट लिए लाखों के जेवर और नकदी

जैसलमेर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के जैसलमेर जिले के भाटिया पाड़ा इलाके में हुई एक सनसनीखेज लूट की वारदात ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। आमतौर पर शांत माने जाने वाले इस क्षेत्र में दिनदहाड़े बदमाशों द्वारा घर में घुसकर महिला को बंधक बनाना और लाखों रुपये की लूट को अंजाम देना, सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। गांधी चौक क्षेत्र के व्यापारी नवल भाटिया के घर को तीन अज्ञात बदमाशों ने निशाना बनाया। घटना के समय घर में केवल उनकी पत्नी मौजूद थीं, जिसका फायदा उठाते हुए आरोपी पूरी योजना के साथ घर में दाखिल हुए। घर में घुसते ही बदमाशों ने महिला को काबू में कर लिया और उसे बंधक बना लिया।

टेलीग्राम के जरिए सात हजार लोगों से लाखों की ठगी

21 साल का आरोपी गिरफ्तार

नागौर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। नागौर जिले में साइबर अपराधों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत खींवसर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए टेलीग्राम के माध्यम से हजारों लोगों को ठगने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 5 मल्टीमीडिया मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल जब्त की है। पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी और वृत्ताधिकारी जतिन जैन के सुपरविजन में थानाधिकारी अदिति उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी को पकड़ा। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी रामकैलाश (21) निवासी सिणोद, थाना खींवसर, लंबे समय से साइबर ठगी में सक्रिय था।

जांच में सामने आया कि आरोपी ने 'आरसीएम प्लस' नाम से टेलीग्राम ग्रुप और चैनल बनाकर करीब 7000 से अधिक लोगों को जोड़ रखा था। वह टास्क, साइन-अप बोनस, रेफरल इनकम, रेटिंग और क्विक इनकम जैसे प्रलोभन देकर लोगों से पैसे ऐंठता था।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय का सीएम रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला

परिसीमन बयान को बताया असंवैधानिक

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के परिसीमन (लोकसभा सीटों के पुनर्गठन) पर दिए गए बयान की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के सुझाव असंवैधानिक हैं और समाज के कमजोर वर्गों के हितों के खिलाफ हैं। बंडी संजय ने मुख्यमंत्री के उस तर्क पर आपत्ति जताई जिसमें उन्होंने अधिक राजस्व देने वाले क्षेत्रों को अधिक सीटें देने की बात कही थी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इस तर्क के आधार पर सभी सीटें केवल हैदराबाद को दे दी जानी चाहिए, और क्या पालमूर या आदिलाबाद जैसे पिछड़े जिलों का प्रतिनिधित्व जरूरी नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि क्या कांग्रेस हाईकमान को वर्षों तक 'नोटों की गड्डियां' भेजने के बाद अब राजनीतिक विचारधारा भी केवल पैसों के आधार पर तय की जा रही है। उन्होंने कांग्रेस पर डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान की मूल भावना को कमजोर करने का आरोप लगाया। बंडी संजय कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी राज्यों में सीटों की संख्या 50 प्रतिशत बढ़ाने का निर्णय लिया गया है और इसका उद्देश्य विकास का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कांग्रेस पर महिला आरक्षण के विरोध का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी ने अपने 50 वर्षों के शासन में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू नहीं किया। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस उन दलों के साथ है जिन्होंने संसद में महिला आरक्षण विधेयक का विरोध किया था। बंडी संजय ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बयान कांग्रेस की वास्तविक सोच को उजागर करते हैं और उनसे अपील की कि वे विभाजनकारी राजनीति छोड़कर सच्चाई के साथ आगे आएं।

पैरा एथलीट नंदकिशोर ने बढ़ाया गौरव

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। यूथ4जॉब्स फाउंडेशन से जुड़े एक राष्ट्रीय पैरा एथलीट ने गाजियाबाद हेरिटेज रन 2026 में भाग लेकर संस्था का प्रतिनिधित्व किया। वे हैदराबाद से गाजियाबाद तक यात्रा कर इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बने। इस आयोजन में 12 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इनमें 100 से अधिक व्हीलचेयर धावक भी शामिल रहे, जो समावेशिता और समान अवसर का प्रतीक बने। इस उपलब्धि पर एथलीट हैदराबाद के नंदकिशोर ने बताया कि आयोजन का माहौल सकारात्मक ऊर्जा से भरा हुआ था और यह बदलाव की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल है। यूथ4जॉब्स फाउंडेशन के सशक्तिकरण मिशन को आगे बढ़ाते हुए नंदकिशोर ने प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त कर संस्था का नाम रोशन किया। उनकी यह सफलता दिव्यांगजनों को आगे बढ़ने और उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करती है।

'अराइव अलाइव' रोड सेफ्टी अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के तहत चंद्रायनगुट्टा ट्रैफिक जोन के अंतर्गत संतोषनगर स्थित मातृश्री कॉलेज, संतोषनगर में 'अराइव अलाइव- सेफर रोड्स इन तेलंगाना' नामक सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों और आम जनता को यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर हैदराबाद ट्रैफिक के संयुक्त पुलिस आयुक्त (जेसीपी) जोएल डेविस मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही अतिरिक्त डीसीपी ट्रैफिक-3 रामदास तेजावत, एसीपी ट्रैफिक चंद्रायनगुट्टा चंद्र कुमार तथा मलाकपेट, संतोषनगर, सैदाबाद और चंद्रायनगुट्टा ट्रैफिक थानों के एसएचओ भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा हर नागरिक की जिम्मेदारी है और थोड़ी सी लापरवाही भी गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है।

छात्रों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, तेज गति से वाहन न चलाने और ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग न करने की सलाह दी गई। शराब पीकर वाहन चलाने के खतरों पर भी विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। इस दौरान ट्रैफिक सिग्नल, रोड संकेत और पैदल यात्री सुरक्षा पर इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि 'गुड समेरिटन कानून' के तहत दुर्घटना पीड़ितों की सहायता करने वालों को कानूनी सुरक्षा प्रदान की जाती है। अधिकारियों ने कहा कि 'अराइव अलाइव' अभियान का उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करना और सड़क दुर्घटनाओं को कम करना है।

राज्यपाल ने युवाओं से नीति-निर्माण में सक्रिय भागीदारी की अपील की

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि युवा केवल भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान के सक्रिय परिवर्तनकर्ता हैं और देश की मजबूत व समावेशी नीतियों के निर्माण में उनकी भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे रंगारेड्डी जिले के चेगुर स्थित कान्हा शांति वनम में आयोजित 'मेरी भारत बजट खोज-2026- राष्ट्रीय युवा संवाद'(तेलंगाना और तमिलनाडु)के भव्य समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने देशभर से आए युवाओं की उत्साही भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि यह पहल युवाओं को नीति-निर्माण प्रक्रिया से जोड़ने का एक प्रभावी मंच है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम सहभागी शासन को मजबूत करते हैं और लोकतंत्र की वास्तविक भावना को दर्शाते हैं। अपने वित्त राज्य मंत्री के कार्यकाल को याद करते हुए उन्होंने कहा कि बजट और विकास प्राथमिकताओं में युवाओं के विचारों को शामिल करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार और डिजिटल अर्थव्यवस्था पर युवाओं के सुझाव भारत के भविष्य को दिशा देंगे और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में मदद करेंगे। 'नारी शक्ति: वॉयस ऑफ विकसित भारत' थीम का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विकास में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व आवश्यक है। उन्होंने कहा कि युवा संसद जैसे आयोजन युवतियों को अपनी राय रखने और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। राज्यपाल ने पर्यावरण जागरूकता गतिविधियों की भी सराहना की और युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने की अपील की। इस अवसर पर उन्होंने कृषि क्षेत्र में नवाचार के लिए सूर्यापेट जिले के कोटला रघुवीर रेड्डी को पुरस्कार प्रदान किया। इस कार्यक्रम में तेलंगाना और तमिलनाडु के लगभग 900 युवाओं ने भाग लिया। समारोह में विभिन्न वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

ट्रांसजेंडर कर्मियों का ट्रैफिक ड्यूटी का सफलतापूर्वक निर्वहन सराहनीय : सीपी

ट्रांसजेंडर पुलिस कर्मियों को यूनिफॉर्म किट वितरित

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राधिका चैरिटेबल ट्रस्ट ने 'शक्ति-2026' नामक एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन तेलंगाना इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर (टीजीआईसीसीसी), बंजारा हिल्स, हैदराबाद में किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सशक्तिकरण, जागरूकता और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देना रहा। इस अवसर पर ट्रांसजेंडर पुलिस कर्मियों को 40 यूनिफॉर्म किट वितरित किए गए, जिसे समानता और सम्मान के प्रतीक के रूप में देखा गया।

कार्यक्रम में ट्रांसजेंडर समुदाय की भागीदारी को समाज में उनकी पहचान और सेवा के अधिकार की मान्यता के रूप में प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि वी.सी. सज्जनार ने कहा कि ट्रांसजेंडर कर्मियों द्वारा ट्रैफिक ड्यटी का सफलतापूर्वक निर्वहन सराहनीय है और भविष्य में उनकी भर्ती को और बढ़ाने की योजना है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों से ये कर्मी ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं, जो प्रेरणादायक है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त आईएएस के. पद्मनाभैया और जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (ट्रैफिक) डी. जोएल डेविस भी उपस्थित रहे। संस्थापक राधिका रेड्डी तंगुतुरु ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल यूनिफॉर्म वितरण नहीं है, बल्कि आत्मविश्वास, सम्मान और समान अवसर देने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि यह पहल समाज में बदलाव और स्वीकार्यता का संदेश देती है।

कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों और विभिन्न संगठनों की उपस्थिति ने समावेशी विकास और सामाजिक समानता के प्रति संस्थागत समर्थन को और मजबूत किया। 'शक्ति-2026' को समाज में विविधता और समान अवसरों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

ऑल इंडिया आर्य वैश्य इंडस्ट्रियलिस्ट्स फोरम की नई कार्यकारिणी का गठन

भवानि सुरेश बने अध्यक्ष व पडकंती अनिल कुमार महासचिव बने

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया आर्य वैश्य इंडस्ट्रियलिस्ट्स फोरम के नए कार्यकारिणी समिति के चुनाव रविवार को संपन्न हुए, जिसमें चारुगुंडला भवानि सुरेश को सर्वसम्मति से नया अध्यक्ष चुना गया। वहीं पडकंती अनिल कुमार को महासचिव नियुक्त किया गया। फोरम के पूर्व अध्यक्ष पब्बिसेट्टी रामबाबू ने बशीरबाग प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव परिणामों की घोषणा की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय महासभा की बैठक में नए पदाधिकारियों का चयन किया गया, जिसमें एर्एम बालकृष्ण को उपाध्यक्ष, वामसी नेलांति को संयुक्त सचिव तथा बोग्गारी शिवकुमार को कोषाध्यक्ष चुना गया है। सभी पदाधिकारी दो वर्षों के लिए कार्य करेंगे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष चारुगुंडला भवानि सुरेश ने बताया कि फोरम में वर्तमान में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों के लगभग 500 उद्योगपति सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि ये सदस्य करीब 50,000 करोड़ रुपये का वार्षिक कारोबार करते हैं और जीएसटी, आयकर तथा अन्य करों के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसके अलावा, सीएसआर गतिविधियों के तहत लगभग 100 करोड़ रुपये की सामाजिक गतिविधियां भी संचालित की जाती हैं। महासचिव पडकंती अनिल कुमार ने कहा कि फोरम का उद्देश्य महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करना और वर्तमान सदस्यों के बच्चों को व्यवसायिक प्रशिक्षण देकर उन्हें सफल उद्यमी बनाना है। उन्होंने बताया कि फोरम का लक्ष्य सदस्य संख्या को 500 से बढ़ाकर 750 करना है तथा उद्यमियों को वैश्विक नेटवर्किंग, तकनीकी सहायता और स्टार्टअप मार्गदर्शन प्रदान करना है। उन्होंने यह भी बताया कि फोरम के माध्यम से लगभग 2 लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है। बैठक में वरिष्ठ सदस्य विजय कुमार गुप्ता, बालकृष्ण एर्एम, किशोर गुप्ता सहित कई लोग उपस्थित रहे।

तिरुमला में भव्य रूप से शुरू हुआ भष्यकारला उत्सव

तिरुमला, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला स्थित श्रीवारी मंदिर में सोमवार को धार्मिक उत्साह और भव्यता के साथ भाष्यकारला उत्सव की शुरूआत हुई। यह उत्सव 19 दिनों तक मनाया जाएगा और श्री भाष्यकारला सत्तुमोरा 22 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। भगवान रामानुजाचार्य ने मीमांसा ग्रंथ पर आधारित 'श्रीभाष्यम'' की रचना विशिष्टाद्वैत सिद्धांत के आधार पर की थी, जिसके कारण उन्हें 'भाष्यकार' कहा जाता है। यह सत्तुमोरा हर वर्ष श्रीवारी मंदिर में अरुद्र नक्षत्र के दौरान, श्री रामानुजाचार्य के जन्म दिवस के अवसर पर मनाया जाता है। उत्सव के पहले दिन सोमवार सुबह श्रीवारी मंदिर में पहली घंटी के बाद श्री रामानुज की शोभायात्रा स्वर्ण तिरुचि पर मंदिर के चार माडा गलियों में निकाली गई। इस अवसर पर जियार स्वामी ने दिव्य प्रबंध गोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम में तिरुमला के पेद्दा जियार स्वामी, छिन्ना जियार स्वामी तथा मंदिर के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

एटीएम में जमा होने वाले 87 लाख रुपये लेकर कर्मचारी फरार

अमरावती, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पालनाडु जिले में एक बड़ी लापरवाही और धोखाधड़ी का मामला सामने आया है, जहां एटीएम में जमा होने वाले 87 लाख रुपये लेकर एक कर्मचारी फरार हो गया। यह मामला सामने आते ही पुलिस और संबंधित कंपनी में हड़कंप मच गया।

चार एटीएम में जमा होने थे पैसे :

घटना जिले के पिडुगुराल्ला टाउन की है। यहां एटीएम में बैंक से कैश ले जाकर भरने का काम करने वाली कंपनी सीएमएस का एक कर्मचारी कैश लेकर फरार हो गया। पिडुगुराल्ला में एटीएम का ऑडिट करते समय सीएमएस अधिकारियों को कैश चोरी का पता चला। ऑडिट में सामने आया है कि 87 लाख की यह रकम अलग-अलग एटीएम में जमा की जानी थी, लेकिन पैसे गायब मिले और कर्मचारी भी लापता हो गया। अधिकारियों ने पुष्टि की कि तीन एसबीआई एटीएम और एक सेंट्रल बैंक एटीएम में डालने के लिए रखे 87 लाख रुपये चोरी हो गए।

सीएमएस के जिला मैनेजर अनिल कुमार ने कर्मचारी नरेश का मोबाइल फोन बंद पाए जाने के बाद, पिडुगुराल्ला पुलिस स्टेशन में उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पिडुगुराल्ला पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना से जुड़ा सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है जिसमें कंपनी का कर्मचारी कैश लेकर भागते दिख रहा है।

श्री वेदनारायण स्वामी मंदिर का वार्षिक ब्रह्मोत्सव 1 से 9 मई तक

तिरुपति, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नागलापुरम स्थित श्री वेदनारायणस्वामी और श्री वेदवल्ली अम्मावरु मंदिर के वार्षिक ब्रह्मोत्सव इस वर्ष 1 मई से 9 मई तक भव्य रूप से आयोजित किए जाएंगे। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की ओर से जारी जानकारी के अनुसार उत्सव की शुरूआत 30 अप्रैल की शाम को अंकुरार्पणम से होगी, जबकि 28 अप्रैल को कोइल आलवार तिरुमंजनम कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उत्सव के दौरान प्रतिदिन सुबह 8:00 से 9:30 बजे और रात 7:30 से 9:00 बजे तक विभिन्न वाहन सेवाएं संपन्न होंगी।

1 मई को प्रातः ध्वजारोहण (मेष लग्न में 5:30 से 6:30 बजे) के साथ ब्रह्मोत्सव की शुरूआत होगी, जबकि रात्रि में बड़ी शेष वाहन सेवा आयोजित की जाएगी। इसके बाद 2 मई को छोटी शेष वाहन और हंस वाहन, 3 मई को सिंह वाहन और मुथ्यापु पंडिरी वाहन, 4 मई को कल्पवृक्ष वाहन और सर्वभूपाल वाहन, 5 मई को मोहिनी अवतार और गरुड़ वाहन, 6 मई को हनुमंत वाहन और गज वाहन, 7 मई को सूर्य प्रभा और चंद्र प्रभा वाहन सेवाएं होंगी। 8 मई को सुबह रथोत्सव (6:00 से 10:30 बजे) और शाम को आर्जित कल्याणोत्सव (4:30 से 6:30 बजे) के साथ अश्व वाहन सेवा आयोजित होगी। 9 मई को चक्रस्नानम (11:30 से 11:45 बजे) और रात में ध्वजावरोहण (7:30 से 8:00 बजे) के साथ ब्रह्मोत्सव का समापन होगा। इस अवसर पर टीटीडी के तहत हिन्दू धर्म प्रचार परिषद, अन्नमाचार्य प्रोजेक्ट और दास साहित्य प्रोजेक्ट की ओर से हरिकथा, संगीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन और कोलाटम का प्रतिदिन आयोजन किया जाएगा।

भीड़ को देखते हुए एससीआर की समर स्पेशल साप्ताहिक ट्रेनें घोषित

समर स्पेशल ट्रेनों का विस्तार किया, 32 अतिरिक्त सेवाएं घोषित

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की गर्मी के मौसम में अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने विभिन्न रूटों पर साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत ट्रेन संख्या 01011/01012 सीएसटी मुंबई-हैदराबाद-सीएसटी मुंबई स्पेशल ट्रेन 23 अप्रैल से 9 जुलाई तक चलेगी, जबकि इसी अवधि में 12 सेवाएं उपलब्ध होंगी। यह ट्रेन दादर, ठाणे, कल्याण, नासिक रोड, मनमाड, नांदेड़, निजामाबाद, कामारेड्डी, बोलारम और सिकंदराबाद सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। इसमें 1एसी, 2 एसी, 3 एसी, स्लीपर और जनरल कोच शामिल होंगे। इसके अलावा ट्रेन संख्या 01015/01016 सीएसटी मुंबई-चेन्नई सेंट्रल-सीएसटी मुंबई स्पेशल ट्रेन 19 अप्रैल से 8 जून तक चलेगी और कुल 8 सेवाएं संचालित होंगी। यह ट्रेन पुणे, सोलापुर, रायचूर, गुंतकल, कडप्पा, रेनिगुंटा और अरक्कोनम सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर ठहरेगी। इसमें भी 1एसी से लेकर जनरल क्लास तक के कोच होंगे। वहीं ट्रेन संख्या 06075/06076 तांबरम-सांतरागाछी-तांबरम स्पेशल ट्रेन 14 अप्रैल से 29 अप्रैल 2026 तक चलेगी और कुल 3 सेवाएं प्रदान करेगी। यह ट्रेन विजयवाड़ा, राजमंड्री, भुवनेश्वर, कटक और खड़गपुर जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी और इसमें केवल स्लीपर क्लास कोच होंगे। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह कदम गर्मियों में यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इसी तरह दक्षिण मध्य रेलवे ने गर्मी के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए कई समर स्पेशल ट्रेनों का विस्तार करने का निर्णय लिया है। इन ट्रेनों का संचालन विभिन्न प्रमुख गंतव्यों के बीच किया जाएगा ताकि यात्रियों को सुगम यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। रेलवे द्वारा जारी जानकारी के अनुसार कुल 32 विशेष सेवाएं चलाई जाएंगी, जिनमें तिरुपति, चेर्लापल्ली, काचीगुडा, सिकंदराबाद, नांदेड़, अकोला, अनकापल्ली, धर्मावरम, जलना, आनंद, काकीनाडा टाउन, मैसूरु, भुवनेश्वर, पंढरपुर और बेलगावी जैसे रूट शामिल हैं। इन सेवाओं के तहत 07251/07252 चेर्लापल्ली-तिरुचनूर-चेर्लापल्ली, 07605/07606 तिरुपति-अकोला, 07787/07788 काचीगुडा-तिरुचनूर, 07000 से 07044 तक कई विशेष ट्रेनें विभिन्न तिथियों पर एक-एक ट्रिप के लिए चलाई जाएंगी। कुछ रूटों पर दो-दो सेवाएं भी निर्धारित की गई हैं। रेलवे के अनुसार ये सभी स्पेशल ट्रेनें अलग-अलग दिनों में अप्रैल 2026 के दौरान संचालित होंगी, जिनका उद्देश्य तीर्थयात्रियों और सामान्य यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करना है। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए. श्रीधर ने बताया कि यह कदम यात्रियों की सुविधा और भीड़ प्रबंधन के लिए उठाया गया है, जिससे गर्मी के दौरान यात्रा सुचारू रूप से सुनिश्चित की जा सके।

रामचंदर राव ने लोकतंत्र में महिलाओं की भूमिका की सराहना की

खानापुर नगरपालिका चेयरपर्सन का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के विशेष अवसर पर तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने सोमवार को खानापुर में महिलाओं के साथ विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान खानापुर की महिलाओं ने इस ऐतिहासिक कानून के प्रति उत्साह और समर्थन व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रामचंदर राव ने कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' लोकतांत्रिक प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि इस कानून के माध्यम से विधायी संस्थाओं में महिलाओं को अधिक प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे देश की लगभग आधी आबादी की आवाज नीति निर्माण में और प्रभावी ढंग से शामिल हो सकेगी। उन्होंने आगे कहा कि यह केवल एक सुधार नहीं, बल्कि एक परिवर्तनकारी मील का पत्थर है, जो संस्थानों को मजबूत करेगा, समावेशी शासन को बढ़ावा देगा और भारत को एक विकसित एवं प्रगतिशील राष्ट्र बनाने की दिशा में तेजी से आगे ले जाएगा। इसी क्रम में निर्मल जिले के खानापुर नगर पालिका की नवनिर्वाचित चेयरपर्सन मौनिका के शपथ ग्रहण समारोह में तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने मुख्य रूप से भाग लिया।

इस अवसर पर राव ने चेयरपर्सन को हार्दिक बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल और जनसेवा के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में सांसद गोदम नागेश, विधायक आलेटी महेश्वर रेड्डी, पायल शंकर तथा जिला अध्यक्ष रितेश राठौड़ भी उपस्थित रहे।

एनएआरएफबीआर का नाम अब एनआईपीसीआर

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपने प्रमुख संस्थान नेशनल एनिमल रिसोर्स फैसिलिटी फॉर बायोमेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर-एनएआरएफबीआर) का नाम बदलकर अब नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर प्री-क्लिनिकल रिसर्च कर दिया है। यह संस्थान हैदराबाद के जीनोम वैली में स्थित है और अब यह प्री-क्लिनिकल रिसर्च के क्षेत्र में एक व्यापक केंद्र के रूप में कार्य करेगा। आईसीएमआर के अनुसार, यह बदलाव भारत में दवा खोज, चिकित्सा तकनीक और आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। पहले इसे मुख्य रूप से एक विशेष पशु संसाधन केंद्र के रूप में देखा जाता था, लेकिन अब इसे ट्रांसलेशनल साइंस और प्री-क्लिनिकल रिसर्च के एक समग्र हब के रूप में विकसित किया जा रहा है।

तेलंगाना में 54 डिग्री कॉलेजों में एक भी एडमिशन नहीं

उच्च शिक्षा पर सवाल

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में उच्च शिक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है, क्योंकि इस शैक्षणिक वर्ष में 54 डिग्री कॉलेजों में एक भी छात्र ने दाखिला नहीं लिया। इनमें से 53 कॉलेज निजी प्रबंधन के हैं, जबकि एक सरकारी कॉलेज में भी कोई एडमिशन नहीं हुआ। अधिकारियों के अनुसार, ऐसे ज्यादातर कॉलेज ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में स्थित हैं। तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर वी. बालकिस्टा रेड्डी ने कहा कि लगातार तीन साल तक शून्य प्रवेश रहने पर कॉलेजों की मान्यता रद्द की जा सकती है और इस संबंध में विश्वविद्यालयों को कार्रवाई की सलाह दी जाएगी।

डीओएसटी काउंसलिंग के बाद भी बड़ी संख्या में सीटें खाली रहीं। कुल सीटों में से करीब 53.38 प्रतिशत सीटें नहीं भर सकीं। 830 कॉलेजों की 3.77 लाख सीटों में से सिर्फ 1.76 लाख सीटें ही भरी गईं। विश्वविद्यालयों की बात करें तो उस्मानिया विश्वविद्यालय में लगभग 99 हजार सीटें खाली रहीं। काकतीय विश्वविद्यालय में 60 हजार से ज्यादा सीटें नहीं भर सकीं, जबकि पालमुरू विश्वविद्यालय और महात्मा गांधी विश्वविद्यालय में भी हजारों सीटें खाली रहीं। कोर्स के लिहाज से बीकॉम सबसे ज्यादा पसंद किया गया, जिसमें 76,690 छात्रों ने प्रवेश लिया। इसके बाद बीएससी और अन्य पाठ्यक्रमों में भी अच्छी संख्या में दाखिले हुए, लेकिन कुल मिलाकर सीटों का बड़ा हिस्सा खाली रहना चिंता का विषय बना हुआ है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कोहली ने बाबर-गेल का रिकॉर्ड तोड़ा

रोहित ने मुंबई के लिए 6 हजार रन पूरे किए; पाटीदार की आरसीबी के लिए सेकेंड फास्टेस्ट फिफ्टी

बेंगलुरु, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2026 के 20वें मैच में मुंबई इंडियंस को 18 रन से हराया। वानखेड़े स्टेडियम में रविवार को विराट कोहली टी-20 में सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारियां करने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने बाबर आजम और क्रिस गेल को पीछे छोड़ा।

मैच में रोहित शर्मा ने भी खास उपलब्धि हासिल की। उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए 6000 रन पूरे किए। रजत पाटीदार ने 17 गेंदों में फिफ्टी लगाकर आरसीबी के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक बनाया और गेल की बराबरी की।

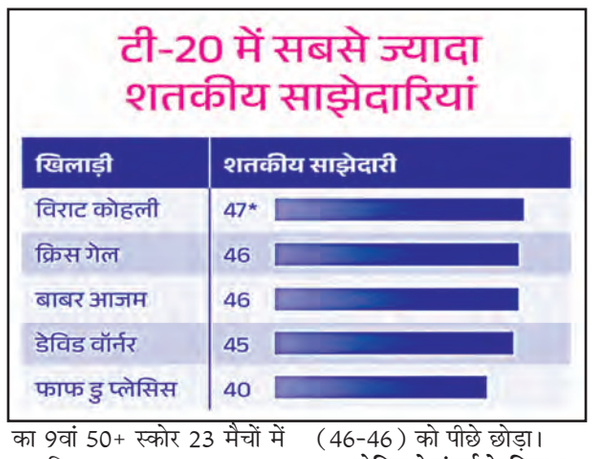

बेंगलुरु ने लगातार चौथी बार 200+ स्कोर बनाया

आरसीबी ने आईपीएल 2026 में लगातार चौथी बार 200+ स्कोर बनाया। लगातार सबसे ज्यादा 200+ स्कोर का रिकॉर्ड सनराइजर्स हैदराबाद (5 बार, 2025-26) के नाम है। पंजाब किंग्स (2023) और बेंगलुरु (2024) ने 4-4 बार यह किया था।

पाटीदार ने क्रिस गेल की बराबरी की

रजत पाटीदार ने 17 गेंदों में फिफ्टी लगाकर आरसीबी के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक बनाया। उन्होंने क्रिस गेल की बराबरी की, जिन्होंने 2013 में 17 गेंदों में फिफ्टी लगाई थी। इस लिस्ट में टॉप पर रोमारियो शेफर्ड हैं, जिन्होंने 2025 में 14 गेंदों में यह किया था।

कोहली ने मुंबई के खिलाफ 7वां 50+ स्कोर बनाया

विराट कोहली ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ सातवां 50+ स्कोर बनाकर सुरेश रैना और डेविड वॉर्नर की बराबरी की। इस लिस्ट में टॉप पर केएल राहुल हैं, जिनके नाम 9 स्कोर हैं। कोहली ने वानखेड़े में अपने टी-20 करियर का 9वां 50+ स्कोर 23 मैचों में पूरा किया।

कोहली ने 47वीं बार शतकीय साझेदारी की

विराट कोहली टी-20 में सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारियां करने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने पहले विकेट के लिए फिल सॉल्ट के साथ 120 रन जोड़े। यह कोहली की 47वीं साझेदारी थी। उन्होंने बाबर आजम और क्रिस गेल (46-46) को पीछे छोड़ा।

रोहित ने मुंबई के लिए 6 हजार रन पूरे किए

रोहित शर्मा ने मुंबई इंडियंस के लिए 6000 रन पूरे किए। इस लिस्ट में टॉप पर विराट कोहली हैं, जिन्होंने आरसीबी के लिए 8800+ रन बनाए हैं। तीसरे नंबर पर महेंद्र सिंह धोनी और चौथे पर सुरेश रैना हैं, जिन्होंने चेन्नई के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए हैं।

आरसीबी बनाम एमआई मैच में क्या नहीं था चौथा अंपायर?

24 घंटे में बदला ये नियम कायदा

खेल डेस्क, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में एक अलग वेन्यू पर, एक अलग मैच में हुई, सेम गलती के लिए अलग फैसला क्यों? क्यों 24 घंटे में बदल गया नियम-कायदा? क्या आरसीबी बनाम एमआई मैच में चौथा अंपायर नहीं था? अगर था तो फिर फैसला वो क्यों नहीं दिखा जो 24 घंटे पहले खेले चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेले मुकाबले में दिखा था? जब सएसके बनाम डीसी के मैच में फोर्थ अंपायर ओवर के बीच बल्लेबाज के ग्लव्स बदलने को गलत ठहरा सकता है तो फिर मुंबई और बेंगलुरु के मुकाबले में वैसा क्यों नहीं किया ? क्यों नहीं पिछले मैच की तरह इस मैच में भी उसने बल्लेबाज को वैसा करने से रोका?

चेन्नई में स्टव्स को ग्लव्स बदलने से फोर्थ अंपायर ने किया था मना

चेन्नई में सीएसके बनाम डीसी के मैच में ट्रिस्टन स्टब्स को फोर्थ अंपायर ने ग्लव्स बदलने से रोक दिया था. ये घटना दिल्ली की इनिंग के 19वें ओवर की थी. तब हथेली में आए पसीने के चलते स्टब्स का ग्लव्स फिसल रहा था, जिससे बल्ले पर उनकी ग्रिप नहीं बन रही थी. ऐसे में उन्होंने उसे 19वें ओवर के दौरान बदलना चाहा मगर चौथे अंपायर ने मना कर दिया. उसे लेकर दिल्ली के कोच और डग आउट में बैठे खिलाड़ी नीतीश राणा की अंपायर से काफी बहस भी हुई थी.

मुंबई में हार्दिक पंड्या ने ग्लव्स बदला, फोर्थ अंपायर को दिखा नहीं?

अब सवाल है कि जब दिल्ली के खिलाड़ी को ओवर के बीच में ग्लव्स बदलने से रोका जा सकता है तो फिर मुंबई इंडियंस को क्यों नहीं? मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैच में ओवर के बीच में ही ग्लव्स बदलते दिखे थे. लेकिन, उन्होंने फोर्थ अंपायर की ओर से कोई हिदायत नहीं मिली. ऐसे में सवाल है कि अगर ओवर के बीच में ग्लव्स ना बदलना नियम है तो एक ही नियम उल्लंघन के लिए अलग-अलग फैसला क्यों?

क्या कहते हैं क्रिकेट के नियम?

क्रिकेट के नियम के अनुसार, चलते ओवर में ग्लव्स नहीं बदले जा सकते हैं. खिलाड़ी अक्सर पसीने की वजह से ग्लव्स को उतारकर फिर से पहनते हैं या फिर दूसरा गलव्स बदल लेते हैं. लेकिन, ऐसा ओवर खत्म होने के बाद किया जाता है ना कि ओवर के बीच में. चलते ओवर में सिर्फ ग्लव्स के फटने की स्थिति में ही उसे बदला जा सकता है, वो भी चौथे अंपायर की इजाजत से. अगर उन्हें लगता है कि ग्लव्स बदलना जरूरी है तो उसे बदला जा सकता है.

अमन और मुकुल दहिया को रजत पदक से करना पड़ा संतोष, भारत ने जीते कुल 17 पदक

बिश्केक, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत को एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जबकि मुकुल दहिया भी अपना फाइनल हार गए जिससे भारत ने 17 पदक (दो स्वर्ण सहित) से अपने अभियान का समापन किया। भारत ने कुल दो स्वर्ण, छह रजत और नौ कांस्य पदक जीते।

दोनों ही मुक्केबाज फाइनल में हारे

गैर ओलंपिक पुरुषों के फ्रीस्टाइल 61 किग्रा वर्ग में मुकाबला करते हुए अमन को फाइनल में कोरिया के क्वांग म्योंग किम के हाथों 10-13 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद पुरुषों के 86 किग्रा फ्रीस्टाइल फाइनल में मुकुल को ईरान के कामरान जी घासेमपोर के हाथों 0-7 से हार मिली जिससे उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। फिर दिनेश ने 125 किग्रा वर्ग में किर्गिस्तान के अर्स्लानबेक तुरदुबेकोव पर तकनीकी श्रेष्ठता (12-1) से जीत दर्ज करते हुए अपना कांस्य प्लेऑफ मुकाबला जीत लिया। टीम रैंकिंग में ईरान 178 अंकों के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि भारत 162 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा और जापान 127 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

स्वप्निल असनोदकर ने पहले सीजन में 311 रन बनाए

10 हजार रन बनाने वाले गोवा के पहले क्रिकेटर; एक चोट ने करियर बर्बाद किया

पणजी, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा और सूर्यकुमार यादव ऐसे नाम हैं, जो आईपीएल में चमके और भारतीय टीम में जगह बनाई। लेकिन कुछ खिलाड़ी ऐसे भी रहे, जिन्हें फैंस धीरे-धीरे भूल गए। आईपीएल के अनसंग हीरोज सीरीज में ऐसे ही क्रिकेटर्स की स्टोरी पढ़िए...

पहला नाम गोवा के स्वप्निल असनोदकर का है। स्वप्निल 2008 में पहला टाइटल जीतने वाली राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे। उन्हें पहले ही मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। स्वप्निल ने कोलकाता के खिलाफ 34 गेंदों पर 60 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और 1 सिक्स शामिल था। स्वप्निल ने उस सीजन के 9 मैचों में 311 रन बनाए और टीम को चैंपियन बनाया। वे वर्तमान में केरल की अंडर-23 टीम के मुख्य कोच हैं।

स्वप्निल गोवा से हैं, जहां फुटबॉल सबसे लोकप्रिय खेल है। उनके पिता और चाचा क्लब लेवल पर फुटबॉल और क्रिकेट खेलते थे। स्वप्निल ने बताया- मेरे परिवार में पांचों भाई स्पोर्ट्स में थे। बुआ स्टेट लेवल एथलीट थीं। घर में खेल का माहौल बचपन से ही था।

स्वप्निल ने बताया- मैंने टेनिस बॉल से गली क्रिकेट शुरू किया और वहीं से क्रिकेट का भूत सवार हो गया। 9वीं क्लास में लगातार तीन मैचों में तीन शतक लगाए, तब लगा कि मैं लेदर बॉल से खेल सकता हूं। पिता ने कोचिंग कैंप भेजा और वहीं से करियर बदल गया।

2008 के पहले सीजन को याद करते हुए स्वप्निल ने बताया कि शुरुआती चार मैचों में मौका नहीं मिला था।

लेकिन शेन वॉर्न ने कहा था- कभी न कभी मौका आएगा, तैयार रहना।

1 मई 2008 को केकेआर के खिलाफ दोपहर 12 बजे मीटिंग थी। वॉर्न ने अचानक कहा- 'यू आर प्लेइंग टुडे'। स्वप्निल तैयार थे। इसी मैच में उन्होंने पहली आईपीएल फिफ्टी लगा दी और 60 रन बनाए।

चैंपियन बनाने का क्रेडिट वॉर्न को दिया, 'गोवा की तोप' नाम मिला था

राजस्थान रॉयल्स उस साल चैंपियन बनी। स्वप्निल को गोवा की तोप नाम मिला। उन्होंने 9 मैचों में 2 फिफ्टी के साथ 311 रन बनाए। स्वप्निल और ग्रीम स्मिथ की ओपनिंग जोड़ी ने 418 रन जोड़े, जो सीजन की सबसे बेहतरीन जोड़ी थी।

उंगली की चोट से प्रदर्शन खराब हुआ, मौके मिलना कम हो गए

पहला सीजन शानदार रहा, लेकिन दूसरे सीजन में इंजरी ने झटका दिया। साउथ अफ्रीका में आईपीएल के दौरान फील्डिंग में उंगली में लिगामेंट टियर हो गया। 10 दिन के कैंप का फायदा नहीं मिला। बाउंस वाली पिचों पर एडजस्ट नहीं हो पाए और प्रदर्शन प्रभावित रहा। 2009 के सीजन में स्वप्निल को 8 मैचों में मौका मिला, लेकिन वे 98 रन ही बना सके। उसके बाद 2010 और 2011 के सीजन में उन्हें मौके कम मिले। स्वप्निल ने 2011 में अपना आखिरी मैच खेला। उन्होंने किंग्स 11 पंजाब (अब पंजाब किंग्स) के खिलाफ 21 अप्रैल को खेले गए मुकाबले में 9 गेंद पर 9 रन बनाए थे। इस पारी में एक चौका शामिल रहा। स्वप्निल ने अपने आईपीएल करियर में कुल 20 मैच खेले और इनमें दो फिफ्टी के सहारे 423 रन बनाए।

स्वप्निल ने कहा- मेरी मेहनत जारी रही, लेकिन सफलता की कोई गारंटी नहीं थी। मैं पॉजिटिव माइंडेड हूं। लाखों लोग आईपीएल खेलने का सपना देखते हैं, मैंने वहां जाकर अपना जलवा दिखाया। लोग आज भी 2008 की वजह से मुझे याद करते हैं। यही मेरे लिए संतोष की बात है।

रिकॉर्ड बुक में शामिल हुआ निकोलस पूरन का नाम

केएल राहुल को पछाड़कर निकले आगे

मुंबई, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच वानखेड़े में एक हाईवोल्टेज मुकाबला खेला गया. इस मैच में आरसीबी की टीम ने जीत हासिल कर ली है. इस मैच में कुछ ऐसा हुआ जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. आरसीबी के स्टार बल्लेबाज टिम डेविड ने अंपायर के साथ एक ऐसी हरकत की जिसका विरोध हो रहा है. डेविड की इस हरकत को आईपीएल के नियमों का उल्लंघन भी माना जा सकता है और बोर्ड उनके खिलाफ सख्त एक्शन भी ले सकता है. आइए आपको भी बताते हैं कि पूरा मामला क्या है.

अंपायर के मांगने पर भी नहीं दी गेंद

इस मैच में आरसीबी की टीम बल्लेबाजी कर रही थी तब ही गेंद की कंडीशन में कुछ कमी नजर आई. ऐसे में अंपायर की जिम्मेदारी होती है कि वो गेंद को चेक करें और फैसला करे कि बॉल बदली जाएगी या नहीं. इस मैच में उलटा ही हुआ, टिम डेविड वहां पहुंचे और गेंद को हवा में उछाल कर चेक करने लगे. मामला और तब बढ़ा जब अंपायर के बार-बार मांगने पर भी उन्होंने गेंद नहीं सौंपी. कोई भी खिलाड़ी अगर मैच के दौरान अंपायर के काम में अड़चन बनता है तो इसे नियमों के खिलाफ माना जाना चाहिए. खिलाड़ी केवल अंपायर से गेंद बदलने का गुजारिश कर सकते हैं.

आरसीबी के लिए खेली तूफानी पारी

आरसीबी के बल्लेबाजों ने इस मैच में कमाल की बल्लेबाजी करते हुए विशाल स्कोर खड़ा किया. टीम ने 20 ओवरों में मुंबई के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए 4 विकेट खोकर 240 रनों का स्कोर खड़ा किया. फिल सॉल्ट ने 36 गेंदों में 78 रनों की पारी खेली. विराट कोहली को उनका भरपूर साथ मिला. उन्होंने 38 गेंदों में 50 रनों की पारी खेली. इसके बाद कप्तान रजत पाटीदार ने महज 20 गेंदों में 53 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें उनके बल्ले से 5 जबरदस्त छक्के निकले. इसके बाद बल्लेबाजी करने के लिए उतरे टिम डेविड ने 16 गेंदों में 3 छक्कों की मदद से 34 रनों की पारी खेली.

टिम डेविड ने आईपीएल नियमों की उड़ाई धज्जियां, बीच मैदान अंपायर बने मजाक

मांगने पर भी नहीं दी गेंद

मुंबई, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच वानखेड़े में एक हाईवोल्टेज मुकाबला खेला गया. इस मैच में आरसीबी की टीम ने जीत हासिल कर ली है. इस मैच में कुछ ऐसा हुआ जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. आरसीबी के स्टार बल्लेबाज टिम डेविड ने अंपायर के साथ एक ऐसी हरकत की जिसका विरोध हो रहा है. डेविड की इस हरकत को आईपीएल के नियमों का उल्लंघन भी माना जा सकता है और बोर्ड उनके खिलाफ सख्त एक्शन भी ले सकता है. आइए आपको भी बताते हैं कि पूरा मामला क्या है.

इस मैच में आरसीबी की टीम बल्लेबाजी कर रही थी तब ही गेंद की कंडीशन में कुछ कमी नजर आई. ऐसे में अंपायर की जिम्मेदारी होती है कि वो गेंद को चेक करें और फैसला करे कि बॉल बदली जाएगी या नहीं. इस मैच में उलटा ही हुआ, टिम डेविड वहां पहुंचे और गेंद को हवा में उछाल कर चेक करने लगे. मामला और तब बढ़ा जब अंपायर के बार-बार मांगने पर भी उन्होंने गेंद नहीं सौंपी. कोई भी खिलाड़ी अगर मैच के दौरान अंपायर के काम में अड़चन बनता है तो इसे नियमों के खिलाफ माना जाना चाहिए. खिलाड़ी केवल अंपायर से गेंद बदलने का गुजारिश कर सकते हैं. आरसीबी के बल्लेबाजों ने इस मैच में कमाल की बल्लेबाजी करते हुए विशाल स्कोर खड़ा किया. टीम ने 20 ओवरों में मुंबई के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए 4 विकेट खोकर 240 रनों का स्कोर खड़ा किया. फिल सॉल्ट ने 36 गेंदों में 78 रनों की पारी खेली.

चोटिल हर्षित राणा की आईपीएल 2026 में वापसी कब?

कोलकाता, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। कोलकाता नाइटराइडर्स के तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में रिपोर्ट कर दिया है और वो अच्छी तरह से रिकवर कर रहे हैं. टीम इंडिया के इस पेसर को इस साल की शुरुआत में घुटने की सर्जरी के कारण आईपीएल के ज्यादातर मैचों से बाहर होना पड़ा था. जहां इस सीजन में केकेआर की टीम में राणा की जगह नवदीप सैनी को शामिल किया गया है, वहीं एक नई रिपोर्ट में इस गेंदबाज की मौजूदा हालत और उनके मैदान पर वापसी की उम्मीदों के बारे में जानकारी दी गई है.

टीओआई के मुताबिक हार्षित राणा 3 दिन पहले बीसीसीआई के सीओई में पहुंचे थे और उम्मीद से कहीं ज्यादा तेजी से रिकवर कर रहे हैं. रिपोर्ट में बताया गया है कि केकेआर के इस तेज गेंदबाज की फिटनेस चिंता का विषय हो सकती है, क्योंकि मैदान से बाहर रहने के दौरान उनका वजन थोड़ा बढ़ गया है. एक सूत्र ने दावा किया है कि हर्षित के लिए जल्द से जल्द वापसी करने के लिए अपनी फिटनेस पर काम करना बेहद जरूरी होगा.

कब शुरू हुई थी दिक्कत

राणा के घुटने की परेशानी की शुरुआत इस साल की शुरुआत में भारत की टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों के दौरान हुई थी. दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक वॉर्म-अप मैच के दौरान, इस युवा तेज गेंदबाज को सिर्फ एक ओवर गेंदबाजी करने के बाद ही अपने दाहिने घुटने में तकलीफ महसूस हुई थी. शुरुआत में ये सिर्फ़ एक खिंचाव लग रहा था, लेकिन फरवरी में इसके लिए सर्जरी की जरूरत पड़ी, जिसके चलते उन्हें उस टूर्नामेंट से बाहर बैठना पड़ा, जिसे बाद में भारत ने जीता था.

केकेआर का नुकसान

केकेआर इस वक्त अपने 2 बेहतरीन तेज गेंदबाजों (हर्षित राणा और मथीशा पथिराना) के बिना ही आईपीएल 2026 खेल रही है. जहां राणा टूर्नामेंट के ज्यादातर मैचों से बाहर हो चुके हैं, वहीं पथिराना के इस महीने के आखिर में टीम से जुड़ने की उम्मीद है. केकेआर अब तक सिर्फ एक मैच जीतने में कामयाब रही है, 3 मैच हार चुकी है, जबकि एक मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था. फिलहाल वो पॉइंट्स टेबल में 9वें स्थान पर हैं.

टी20आई में 3 बार पहली गेंद पर विकेट लेने वाला पहला गेंदबाज

आईपीएल 2026 के बीच हुआ बैन, इमरजेंसी मीटिंग के बाद फैसला

खेल डेस्क, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 का रोमांच इंडिया ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के सिर चढ़कर बोल रहा है. लेकिन, इसी रोमांच के बीच टी20 इंटरनेशनल में इतिहास रचने वाले गेंदबाज पर बैन लगा है. उस खिलाड़ी पर इमरजेंसी मीटिंग बुलाकर बड़ा फैसला कर लिया गया, जिसने सोशल मीडिया पर ऐसा कुछ पोस्ट कर दिया, जिससे चोट खाए लोगों ने उसके खिलाफ एक्शन ले लिया. उसी एक्शन का रिएक्शन रहा उसका बैन होना.हम बात कर रहे हैं नेपाली क्रिकेटर करन केसी की, जो T20 इंटरनेशनल में 3 बार पहली गेंद पर विकेट चटकाने वाले पहले गेंदबाज भी हैं.

करन केसी पर बैन और जुर्माना क्यों लगा?

करन केसी पर एक मैच के बैन के साथ-साथ जुर्माना भी लगाया गया है, जिसकी राशि उनकी 100 फीसदी मैच फीस के बराबर है. अब सवाल है कि नेपाली क्रिकेटर ने सोशल मीडिया पर ऐसा पोस्ट क्या किया? ऐसी हरकत उन्होंने बीते शनिवार यानी 11 अप्रैल को प्राइम मिनिस्टर कप वनडे नेशनल क्रिकेट टूर्नामेंट में

खेलते हुए की, जिसके बाद उन पर एक्शन लिया गया.

मैच में खिलाड़ी गलती से अंपायर को पीट दे तो क्या होगा?

करन केसी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अगर मैच के दौरान कोई खिलाड़ी किसी अंपायर को गलती से पीट दे तो क्या होगा? उनके इस पोस्ट पर बात का बतंगड़ बन गया. मैच से जुड़े ऑफिशियल्स जिनमें अंपायर और स्कोरर शामिल रहे, सभी ने इमरजेंसी मीटिंग बुलाई और उस पर विरोध जताया.

इमरजेंसी मीटिंग बुलाकर अंपायरों ने की कार्रवाई की मांग

अंपायरों के तीखे तेवर देख करन केसी ने पोस्ट डिलीट कर उनसे माफी मांग लिया. लेकिन, उनके मुताबिक सिर्फ माफी काफी नहीं. अंपायरों ने क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल से करन केसी के खिलाफ जरूरी कार्रवाई की मांग की , जिसके बाद उन पर एक मैच का बैन लगा और साथ में जुर्माना भी थोपा गया.

टी20आई में करन केसी रच चुके हैं इतिहास

साल 2024 में करन केसी ने टी20 इंटरनेशनल में 3 बार पहली गेंद पर विकेट चटकाने वाले पहले गेंदबाज बने. उन्हें ये कामयाबी हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ 2 मैचों और मलेशिया के खिलाफ 1 मैच में मिली है.

पर्यावरण संरक्षण के लिए भी कदम उठा रहा है परिवहन विभाग : पोन्नम

आरटीसी के सरकारी विलय का मुद्दा फिलहाल समिति के पास
रोड सेफ्टी अभियान की शुरुआत, मंत्री पोन्नम ने जारी किया पोस्टर

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद स्थित परिवहन विभाग कार्यालय में 'प्रजा पालना प्रगति योजना' के तहत 'अराइव-अलाइव' रोड सेफ्टी अभियान का पोस्टर राज्य के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने जारी किया। इस कार्यक्रम में विशेष प्रमुख सचिव विकास राज, परिवहन आयुक्त इलांबर्ती, आरटीसी एमडी नागिरेड्डी, जेटीसी चंद्रशेखर गौड़, रमेश, शिव लिंगैया समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बताया कि 13 से 18 तारीख तक विशेष अभियान चलाएंगे।

इस दौरान ट्रैफिक नियमों, सड़क दुर्घटनाओं के कारणों पर चर्चा कर उन्हें कम करने के उपाय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग पर्यावरण संरक्षण के लिए भी कदम उठा रहा है और ट्रैफिक नियमों को सख्ती से लागू किया जाएगा। अगले 6 दिनों में सभी जिलों में विभागीय समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी। मंत्री ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को रोकना और जनहानि को कम करना है। उन्होंने 'गोल्डन ऑवर' का महत्व बताते हुए कहा कि दुर्घटना के एक घंटे के भीतर घायल को अस्पताल पहुंचाने पर 'रहवीर अवॉर्ड' दिया जाता है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि चेक पोस्ट हटाकर सुधार लागू किए गए हैं और सभी स्कूलों में छात्रों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं। आरटीसी में 30 साल की सेवा के दौरान बिना किसी दुर्घटना के कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित करने का भी निर्णय लिया गया है। आरटीसी के सरकारी विलय का मुद्दा फिलहाल समिति के पास है। मंत्री ने कहा कि दो मुद्दों को छोड़कर बाकी सभी विषयों पर बातचीत के लिए सरकार तैयार है। कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों को सुलझाया जाएगा और उन्होंने कर्मचारियों से प्रेरित हड़तालों से दूर रहने की अपील की। उन्होंने यह भी बताया कि लंबित डीए का भुगतान किया जा चुका है और पीआरसी पर सरकार विचार कर रही है।

पंजागुट्टा थाने में बहस से तनाव, ब्रेथ टेस्ट को लेकर विवाद

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। लोक गायिका मंगली (सत्यवती) से जुड़े धोखाधड़ी मामले के दौरान सोमवार को पंजागुट्टा पुलिस स्टेशन में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया। मामले में शिकायतकर्ता एस सुब्बाराव पीड़ितों के साथ थाने पहुंचे थे। पुलिस के अनुसार, शराब सेवन के संदेह में उनका ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट किया गया, जिसमें 27 की रीडिंग आई, जो शराब की मौजूदगी का संकेत देती है। हालांकि, सुब्बाराव ने इस परिणाम पर आपत्ति जताते हुए कहा कि उन्होंने उस दिन शराब नहीं पी थी। उनका दावा था कि यह रीडिंग पिछली रात के सेवन की वजह से हो सकती है और पुलिस उन्हें बेवजह परेशान कर रही है।

इस बात को लेकर थाने के अंदर वकीलों और पुलिसकर्मियों के बीच कुछ देर तक तीखी बहस भी हुई, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि सुब्बाराव के खिलाफ नशे में गाड़ी चलाने का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, टेस्ट केवल एहतियात के तौर पर किया गया था और उन्हें सिर्फ सलाह दी गई थी। कुछ देर बाद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में कर लिया और मामला शांत हो गया।

गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी पर सख्ती 1.5 करोड़ रुपये के सिलेंडर जब्त

छापेमारी में 5,079 घरेलू गैस सिलेंडर और 70 छोटे सिलेंडर जब्त

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में राज्य नागरिक आपूर्ति विभाग ने गैस सिलेंडरों की अवैध जमाखोरी और तस्करी के खिलाफ बड़े पैमाने पर छापेमारी अभियान चलाया है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और नागरिक आपूर्ति एवं सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी के निर्देश पर यह कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि पिछले एक महीने में की गई छापेमारी में 5,079 घरेलू गैस सिलेंडर और 70 छोटे सिलेंडर जब्त किए गए हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 1.50 करोड़ रुपये है। इस दौरान 2,089 मामले दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। सरकार ने स्पष्ट किया कि घरेलू उपभोक्ताओं को गैस आपूर्ति में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए लगातार निगरानी की जा रही है। बुकिंग और डिलीवरी प्रक्रिया को कमांड कंट्रोल सिस्टम के माध्यम से रोजाना मॉनिटर किया जा रहा है ताकि निर्धारित समय पर सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। अधिकारियों ने कहा कि गैस सिलेंडरों की अवैध जमाखोरी, काले बाजार में बिक्री या डिलीवरी में देरी की शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। आम जनता से अपील की गई है कि ऐसी किसी भी गतिविधि की जानकारी टोल-फ्री नंबर 1967 पर तुरंत दें। राज्य सरकार ने भरोसा दिलाया है कि उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा और पारदर्शी आपूर्ति व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

घरेलू विवाद में पत्नी की हत्या, आरोपी पति हिरासत में

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद इलाके में रविवार को एक घरेलू विवाद ने गंभीर रूप ले लिया, जब एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी की हत्या कर दी। घटना से इलाके में काम कर रहे श्रमिकों में हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार, ओडिशा निवासी बदर बत्रा और उनकी पत्नी संतासी बत्रा (25) रोजी-रोटी की तलाश में रामंजापुर आए थे। दोनों एक ईंट भट्ठे में काम करते थे और वहीं पास में रहते थे। बताया जा रहा है कि पिछले एक सप्ताह से दोनों के बीच पारिवारिक बातों को लेकर अक्सर झगड़ा हो रहा था। सहकर्मियों और भट्ठा मालिक ने कई बार बीच-बचाव कर मामला शांत कराया था, लेकिन रविवार को फिर से विवाद बढ़ गया। आरोप है कि पति ने सोते समय अपनी पत्नी पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी तब हुई जब सहकर्मियों को कुछ संदिग्ध लगा और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही शमशाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी पति को हिरासत में ले लिया। मामले की जांच जारी है।

दुद्दिल्ला श्रीपाद राव की 27वीं पुण्यतिथि पर सीएम ने दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त आंध्र प्रदेश विधानसभा के पूर्व स्पीकर दुद्दिल्ला श्रीपाद राव की 27वीं पुण्यतिथि के अवसर पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने जुबली हिल्स स्थित उनके निवास पर जाकर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दुद्दिल्ला श्रीपाद राव तेलुगु राज्यों में अपनी अलग पहचान बनाने वाले महान नेता थे। उन्होंने सरपंच स्तर से लेकर विधानसभा स्पीकर तक हर पद की गरिमा बढ़ाई और अपनी कार्यशैली से उसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। सीएम ने उनके विधानसभा संचालन की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने सदन की गरिमा को बनाए रखते हुए अत्यंत गरिमापूर्ण तरीके से कार्यवाही चलाई, जो आज भी प्रेरणादायक है। उन्होंने आगे कहा कि श्रीपाद राव का जीवन आज की पीढ़ी के लिए एक महान प्रेरणा है। कार्यक्रम में मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, सांसद वेम नरेंद्र रेड्डी और विधायक संजय सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हैदराबाद में फिर बढ़ेगी गर्मी बारिश की कोई उम्मीद नहीं

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक बार फिर शुष्क गर्मी लौट आई है और इस पूरे सप्ताह इसके बने रहने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, शहर और आसपास के इलाकों में दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। वहीं तेलंगाना के कई अन्य जिलों में तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इस बार गर्मी और ज्यादा महसूस होगी क्योंकि तेज हवाएं भी नहीं चलेंगी, जो पिछले सप्ताह कुछ राहत दे रही थीं। आईएमडी के मुताबिक, अगले सप्ताह तक तेलंगाना के किसी भी हिस्से में बारिश या गरज-चमक की संभावना नहीं है। आने वाले तीन दिनों में तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक और बढ़ सकता है,

एफसीआई कर्मचारी बनकर शादी का झांसा, महिला से धोखाधड़ी

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। चैतन्यपुरी इलाके में एक महिला ने एक व्यक्ति पर शादी का झांसा देकर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार, आरोपी राजेश ने खुद को भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) का कर्मचारी बताकर फर्जी पहचान पत्र के जरिए महिला का भरोसा जीता। उसने दहेज के रूप में 2 करोड़ रुपये की मांग की, जो बाद में 1.5 करोड़ रुपये पर तय हुई। पीड़िता के मुताबिक, दोनों की सगाई नालगोंडा में हुई थी और उस समय आरोपी पूरी तरह भरोसेमंद लगा। लेकिन बाद में उसने शादी से पहले फोटोशूट के बहाने महिला को एक कमरे में बुलाकर दुर्व्यवहार किया। महिला को शक होने पर उसने जांच कराई, जिसमें पता चला कि आरोपी के नौकरी से जुड़े सभी दस्तावेज फर्जी थे। इसके बाद उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है। उसके पास से दो फर्जी एफसीआई आईडी कार्ड, एक मोबाइल फोन और एक कार भी बरामद की गई है।

बस यात्रा के दौरान महिला का 20 तोला सोना चोरी

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अनंतपुर से हैदराबाद आ रही एक बस में सफर कर रही महिला का 20 तोला सोना चोरी हो गया। पीड़िता कीर्तना ने अनंतपुर से बस पकड़ी और सोमवार तड़के शहर पहुंचीं। महात्मा गांधी बस स्टेशन (सेंट्रल बस स्टेशन) पर उतरने के बाद जब उन्होंने अपना बैग चेक किया, तो उसमें रखे सोने के गहने गायब मिले। घटना के बाद महिला ने तुरंत अफजलगंज पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को शक है कि बस यात्रा के दौरान ही किसी ने सोना चोरी कर लिया।

खरीद सीमित करने से किसान परेशान

हरीश राव का कांग्रेस पर हमला

संगारेड्डी, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने कोटा के नाम पर चना, ज्वार और मक्का की खरीद सीमित कर किसानों को मुश्किल में डाल दिया है। उन्होंने सोमवार को सदाशिवपेट स्थित जिला सहकारी एवं विपणन समिति (डीसीएमएस) के खरीद केंद्र का दौरा किया और किसानों से बातचीत की। किसानों ने शिकायत की कि अधिकारी पहले से लाई गई चना दाल तक खरीदने से इनकार कर रहे हैं। हरीश राव ने कहा कि राज्य में करीब 60,000 मीट्रिक टन चना मौजूद है, लेकिन सरकार खरीद नहीं कर रही। उन्होंने सरकार से 5,870 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि मजबूरी में कई किसान बिचौलियों को एमएसपी से करीब 1,000 रुपये कम दाम पर फसल बेच रहे हैं।

उन्होंने बताया कि मक्का किसानों की स्थिति भी खराब है। राज्य में 11 लाख एकड़ में फसल कट चुकी है, लेकिन घोषित खरीद केंद्रों में से आधे भी नहीं खोले गए हैं। साथ ही, ज्वार की खरीद को लेकर भी कोई स्पष्ट योजना नहीं है। उन्होंने ए रेवंत रेड्डी पर वादे पूरे न करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने सभी फसलों पर 500 रुपये बोनस देने की बात कही थी, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया।

उन्होंने बिजली आपूर्ति पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि किसानों को मुश्किल से 10 घंटे ही बिजली मिल रही है। हरीश राव ने सरकार से मांग की कि धान, सूरजमुखी, मक्का, चना और ज्वार की पूरी खरीद की जाए और हर किसान से उसकी फसल का एक-एक दाना खरीदा जाए।

घर में आग लगने से महिला की मौत

बेटी गंभीर रूप से घायल

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। चेवेल्ला गांव में सोमवार तड़के एक घर में आग लगने से महिला की मौत हो गई, जबकि उसकी बेटी गंभीर रूप से झुलस गई। पुलिस के अनुसार, श्रीनिवास अपने परिवार के साथ पिछले 20 वर्षों से गांव में रह रहे हैं। अचानक घर में आग लगने से उनकी पत्नी लावण्या (40) और बेटी आग की चपेट में आ गईं। आग की लपटें देखकर स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और दोनों को नजदीकी सरकारी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने लावण्या को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल बेटी को बेहतर इलाज के लिए उस्मानिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों ने बताया कि घटना के समय श्रीनिवास घर पर नहीं थे, जिसकी भी जांच की जा रही है। लावण्या के पिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

डीओएसटी 2026 अधिसूचना जारी

15 अप्रैल से शुरू होंगे रजिस्ट्रेशन

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए डिग्री ऑनलाइन सेवा, तेलंगाना (डीओएसटी) 2026 की अधिसूचना जारी कर दी है। तीन चरणों में होने वाली प्रवेश प्रक्रिया के तहत 15 अप्रैल से 7 मई तक ऑनलाइन पंजीकरण किया जा सकेगा। परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर वी. बालकिस्टा रेड्डी ने बताया कि कॉलेज और कोर्स चयन के लिए वेब ऑप्शन 30 अप्रैल से 8 मई के बीच भरे जा सकेंगे। विशेष श्रेणी के प्रमाणपत्रों का सत्यापन 7 और 8 मई को होगा। पहले चरण में सीट आवंटन 14 मई को किया जाएगा, जबकि चयनित छात्र 15 से 23 मई के बीच ऑनलाइन सेल्फ-रिपोर्टिंग कर सकेंगे। इसके बाद, 1 जुलाई से कक्षाएं शुरू होने से पहले दो और काउंसलिंग चरण आयोजित किए जाएंगे।

टीजी टीईटी जून 2026 की अधिसूचना जारी

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। स्कूल शिक्षा विभाग तेलंगाना ने सोमवार को तेलंगाना शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीजी टीईटी) जून 2026 की अधिसूचना जारी कर दी है।

जारी कार्यक्रम के अनुसार, कंप्यूटर आधारित परीक्षा 15 जून से 30 जून 2026 के बीच आयोजित की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी 15 अप्रैल से विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर विस्तृत अधिसूचना डाउनलोड कर सकते हैं। ऑनलाइन पंजीकरण भी इसी वेबसाइट के माध्यम से किया जाएगा।

इमारत में आग, 23 लोग सुरक्षित निकाले गए

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली के रेड हिल्स इलाके में सोमवार को एक आवासीय इमारत में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई।

खबरों के अनुसार, आग इमारत की तीसरी मंजिल पर लगी थी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया। इमारत में मौजूद सभी 23 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है और अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

तेलंगाना में जमीन रजिस्ट्रेशन महंगा होगा, खरीदारों पर बढ़ेगा बोझ

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार जमीन के पंजीकरण मूल्यों में बढ़ोतरी की तैयारी कर रही है, जिससे घर खरीदने वालों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ सकता है। स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग तेलंगाना ने बाजार दरों और सरकारी दरों के बीच बढ़ते अंतर को देखते हुए जमीन के मूल्यों का पुनर्मूल्यांकन शुरू किया है। खासकर हैदराबाद के आसपास के तेजी से विकसित हो रहे इलाकों (रंगारेड्डी, मेडचल-मल्काजगिरि और संगारेड्डी) पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, प्रस्तावित बढ़ोतरी 10 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक हो सकती है। यह बढ़ोतरी कृषि भूमि, आवासीय प्लॉट और अपार्टमेंट-सभी श्रेणियों पर अलग-अलग तरीके से लागू की जाएगी। हाईवे और प्राइम लोकेशन वाले क्षेत्रों में और ज्यादा दरें लागू हो सकती हैं।

सरकार इसे जमीन के मूल्यों को संतुलित करने का कदम बता रही है, लेकिन इसका एक बड़ा कारण राजस्व बढ़ाना भी माना जा रहा है। वर्ष 2025-26 में फरवरी तक पंजीकरण से करीब 13,775 करोड़ रुपये ही जुट पाए, जबकि लक्ष्य 19,087 करोड़ रुपये था। राजस्व की कमी को पूरा करने के लिए सरकार अब जमीन पंजीकरण को प्रमुख साधन बना रही है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर स्टांप शुल्क और रजिस्ट्रेशन फीस पर पड़ेगा, जिससे खासकर मध्यम वर्ग और पहली बार घर खरीदने वालों के लिए मकान खरीदना महंगा हो सकता है। उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि प्रस्ताव जल्द तैयार कर कैबिनेट में पेश किए जाएं। साथ ही हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी के जरिए जमीन की नीलामी को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने की भी योजना है। विशेषज्ञों का मानना है कि रियल एस्टेट बाजार में सुधार के संकेत मिल रहे हैं, लेकिन इस समय कीमतों में ज्यादा बढ़ोतरी से खरीदारों का उत्साह कम हो सकता है, खासकर किफायती आवास क्षेत्र में।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.